kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-100 ❐ रविवार, 10 मई 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्र नायकों को सम्मान देने का कार्य वर्तमान सरकारें कर रही हैं। महाराणा प्रताप का कृतित्व और व्यक्तित्व राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा देता है। जयवीर सिंह

पंजाब को निशाना बना रही मोदी सरकार : केजरीवाल 11

भगवंत मान ने केंद्र की आलोचना की 12

संक्षेप

अनेक सामरिक लक्ष्यों पर निशाना लगाने वाली उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल उड़ान-परीक्षण

नयी दिल्ली। भारत ने अनेक सामरिक लक्ष्यों पर एक साथ निशाना लगाने वाली उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल उड़ान-परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह परीक्षण शुक्रवार को ओडिशा के डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से बहु-स्वतंत्र लक्ष्यित वाहन (एमआईआरवी) प्रणाली से किया। यह उड़ान-परीक्षण अनेक पेलोड के साथ किया गया, जिन्हें हिन्द महासागर क्षेत्र में विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में स्थानिक रूप से फैले विभिन्न लक्ष्यों पर निर्देशित किया गया था। परीक्षण की टेलीमेट्री और ट्रैकिंग अनेक भू-आधारित तथा पोत-आधारित स्टेशनों द्वारा की गई। इन प्रणालियों ने प्रक्षेपण से लेकर सभी पेलोड के प्रभाव तक मिसाइल की पूरी उड़ान-पथ पर नजर रखी। उड़ान संबंधी आँकड़ों ने पुष्टि की कि परीक्षण के दौरान मिशन के सभी उद्देश्य सफलतापूर्वक प्राप्त किए गए। इस सफल परीक्षण के साथ भारत ने एक बार फिर एकल मिसाइल प्रणाली के माध्यम से अनेक सामरिक लक्ष्यों को साधने की क्षमता का प्रदर्शन किया। यह मिसाइल देशभर के उद्योगों के सहयोग से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित की गई है।

सीबीआई ने भगोड़े अभय राणा का पुर्तगाल से भारत प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया

नयी दिल्ली। सीबीआई ने विदेश मंत्रालय (एमईए) और गृह मंत्रालय (एमएचए) के साथ समन्वय स्थापित कर शनिवार को हरियाणा के वांछित भगोड़े अभय उर्फ अभय राणा का पुर्तगाल से भारत प्रत्यर्पण कराने में सफलता हासिल की है। सीबीआई ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से समन्वय कर 160 से अधिक वांछित अपराधियों को सफलतापूर्वक भारत वापस लाया गया है। अभय राणा के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। वह हरियाणा के करनाल में दर्ज एक मामले सहित रंगदारी, आपराधिक धमकी, संगठित अपराध सिंडिकेट चलाने, हत्या के प्रयास और जान से मारने की धमकी देने जैसे कई आपराधिक मामलों में वांछित था। जांच में खुलासा हुआ कि राणा अपने सहयोगियों के साथ मिलकर ह्वाट्सएप कॉल सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्थानीय व्यवसायियों को फिरौती के लिए धमकाता था। जो लोग इन मांगों को पूरा नहीं करते थे, उन पर सिंडिकेट के सदस्यों से हमला करवाता था। उसके खिलाफ जांच पूरी होने के बाद संबंधित मामले में सक्षम न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर एनसीबी, नयी दिल्ली ने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से उसके खिलाफ रेड नोटिस प्रकाशित करवाया था। पुर्तगाली अधिकारियों ने अभय के लोकेशन का पता लगाकर उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें प्रत्यर्पण का अनुरोध सौंपा गया।

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु राज का आगाज

सुवेंदु बंगाल में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री, राज्य की राजनीति में भाजपा का नया अध्याय

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जुझारू नेता शुभेन्दु अधिकारी ने शनिवार को यहां पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार के गठन के साथ राजनीति का एक नया अध्याय शुरु हुआ है और तृणमूल कंग्रेस के 15 वर्ष के शासन का अंत हो गया है।

छप्पन वर्षीय श्री अधिकारी को राज्यपाल आर एन रवि ने ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में आयोजित भव्य समारोह में विशाल जन समूह के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। उनके साथ श्री दिलीप घोष, सुश्री अग्निमित्रा पॉल, श्री अशोक कीर्तिनया, श्री खुदीराम टुडू और श्री निसिथ प्रमाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और भाजपा तथा उसके नेतृत्ववाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के शासन वाले विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लगातार दो चुनावों में शिकस्त देने वाले श्री अधिकारी को शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया था। उन्नीस सौ पचास के दशक में गठित जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राजनीतिक विरासत और विचारधारा की वाहक भाजपा पश्चिम बंगाल में 2016 से पहले राजनीतिक

समारोह

- ❐ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तिनया, क्षुदीराम टूडू, निषिथ प्रमाणिक मंत्री बने
- ❐ शुभेंदु मंत्रिमंडल में राजवंशी, मतुआ और आदिवासी समुदाय सहित सभी क्षेत्रों को मिला प्रतिनिधित्व
- ❐ समारोह में मोदी ने 98 वर्षीय कार्यकर्ता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया

हाशिए पर थी। वर्ष 2016 के विधान सभा चुनाव में उसने पहली बार तीन सीटों के साथ अपना खाता खोला था और 2021 के चुनाव में पार्टी ने 77 सीटें जीत कर मुख्य विपक्षी दल का दर्जा प्राप्त किया। राज्य में भाजपा के उदय के साथ वर्षों से सत्ता में रहे कंग्रेस और वामपंथी दल हाशिए पर चले गये। शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर कविवर रवींद्र नाथ टैगोर का चित्र लगा हुआ था जिनकी आज जयंती मनायी जा रही है। प्रधानमंत्री ने मंच पर पहुंचते ही उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके बाद श्री अधिकारी ने भी साहित्य के नोबेल से सम्मानित गुरुदेव को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने मंच से राज्य की जनता को दंडवंत प्रणाम किया। उन्होंने मंच पर ही पश्चिम बंगाल में भाजपा के सबसे पुराने कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का शॉल ओढ़ा कर अभिनंदन किया और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। श्री अधिकारी ने कल भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद पश्चिम बंगाल के पुर्निर्माण का संकल्प लेते हुए कहा था कि भाजपा सरकार राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

उल्लेखनीय है कि बंगाल एक समय देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य था लेकिन राजनीतिक माहौल के चलते धीरे धीरे पिछड़ता गया । इस बार विधान सभा चुनाव में यह भी एक प्रमुख मुद्दा था। इसके अलावा राज्य में घुसपैठिए, हिंसा, भ्रष्टाचार , बेरोजगारी, महिला सुरक्षा को भी भाजपा नेताओं ने ममता सरकार के विरुद्ध प्रमुख मुद्दा बनाया था। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चले विवाद के बीच हुए इस चुनाव में मतदाताओं की ऐतिहासिक भागीदारी रही और 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। यह आजादी के बाद एक रिकार्ड है। तृणमूल ने एसआईआर को एक बड़ा मुद्दा बनाया था और आरोप लगाया था कि जानबूझ कर बड़ी संख्या में ● शेष पेज 11 पर

'जनसेवा से पुनर्स्थापित करें सोनार बांग्ला का गौरव : योगी

लखनऊ/कोलकाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री और मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी जनप्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में नए मंत्रियों से जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए सोनार बांग्ला के गौरव को पुनर्स्थापित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में लिखा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सभी मंत्री जनसेवा को सर्वोच्च मानकर कार्य करेंगे और पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में योगदान देंगे। उन्होंने मां काली का स्मरण करते हुए कहा कि देवी की कृपा से सभी मंत्रियों का कार्यकाल यशस्वी, जनकल्याणकारी और लोकहित को समर्पित हो। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश का समापन वंदे मातरम के साथ किया।

योगी ने सुवेंदु को गमछा ओढ़ाया, पीएम का मंच से जनता को प्रणाम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार बन गई। सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को सीएम पद की शपथ ली। शपथ से पहले पीएम नरेंद्र मोदी और सुवेंदु ने रोड शो किया। समारोह में मोदी ने पार्टी के कार्यकर्ता के पैर छुए। वहीं, योगी आदित्यनाथ ने सुवेंदु को गेरुआ गमछा ओढ़ाया। पीएम मोदी ने परेड ग्राउंड में रोड शो किया। वे ग्राउंड की एंट्री से मंच तक एक खास रूप से बनाए गए रथ में गए। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक और सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। उस वक्त ग्राउंड पर करीब 1 लाख लोग मौजूद थे। शपथ ग्रहण से पहले मंच पर घ्ल्र मोदी ने पश्चिम बंगाल उख्र के सबसे बुजुर्ग कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार के पैर छुए। 98 साल के माखनलाल सरकार 1952 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर में तिरंगा फहराने गए थे, जहां आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था। सुवेंदु अधिकारी ने बांग्ला में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ के बाद वे पीएम मोदी के पास गए और झुककर प्रणाम किया। पीएम मोदी ने उनकी पीठ थपथपाकर शुभकामनाएं दीं। सुवेंदु अधिकारी ने शपथ लेने के बाद मंच पर मौजूद सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों का अभिवादन किया। इस दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें गेरुआ गमछा ओढ़ाया। पीएम मोदी ने बंगाल चुनावी हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं देबाशीष मंडल, सौमित्र घोषाल और आनंद पाल के परिवारों से मुलाकात की।

विजय सरकार के गठन का रास्ता साफ

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में विदुथलाई चिरूथईगल काट्ची (वीसीके) ने तमिझगा वेट्री कषगम (टीवीके) को सरकार बनाने के लिए बिना शर्त अपना समर्थन देने का ऐलान शनिवार शाम को कर दिया। वीसीके के इस कदम से राज्य में नयी सरकार के गठन को लेकर पिछले एक सप्ताह से जारी राजनीतिक खींचतान पर विराम लग गया।

श्री थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली राजनीतिक पार्टी वीसीके बीते कुछ दिनों से टीवीके को समर्थन देने के मसले पर काफी उहापोह में थी। हालांकि उसके पास 234 सदस्यीय विधानसभा में केवल दो विधायक हैं लेकिन उसका रूख स्पष्ट न होने के कारण टीवीके को बहुमत हासिल करने में अड़चन आ रही थी पर अब समर्थन के ऐलान के बाद टीवीके और उसके नेता जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आवश्यक 118 ● शेष पेज 11 पर

- ❐ वीसीके का बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान

अगले हफ्ते इस्लामाबाद में बातचीत शुरू कर सकते हैं अमेरिका, ईरान : रिपोर्ट

वॉशिंगटन/तेहरान। व्हाइट हाउस द्वारा ईरान से संघर्ष समाप्ति संबंधी प्रस्ताव पर जवाब की प्रतीक्षा के बीच खबरें सामने आई हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता अगले सप्ताह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फिर शुरू हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों पक्ष मध्यस्थों के साथ मिलकर एक पृष्ठ के 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर रहे हैं। प्रस्तावित रूपरेखा के तहत एक महीने की वार्ता प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसका उद्देश्य जारी संघर्ष को समाप्त करना है। रिपोर्ट के अनुसार मसौदे में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम करने और ईरान के उच्च संवर्धित यूरेनियम भंडार को किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। कई अहम मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बन सकी है। ईरान पर लगे प्रतिबंधों में राहत का मुद्दा सबसे बड़ी अड़चन बना हुआ है और माना जा रहा है कि यही वार्ता में देरी या विफलता का कारण बन सकता ● शेष पेज 11 पर

भाजपा में बड़े बदलाव की तैयारी

आज हो सकता है योगी मंत्रिमंडल विस्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लंबे समय से चर्चाओं में चल रहे मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, 10 मई को योगी आदित्यनाथ सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। इस दौरान छह नए मंत्री शपथ ले सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, संभावित नए चेहरों में कृष्णा पासवान, पूजा पाल, मनोज पांडेय, भूपेंद्र चौधरी, अशोक कटारिया और रोमी साहनी का नाम शामिल बताया जा रहा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल में फिलहाल 54 मंत्री हैं, जबकि संवैधानिक प्रावधानों के तहत राज्य में अधिकतम 60 मंत्री हो सकते हैं। ऐसे में छह पद अभी खाली हैं, जिन्हें इस विस्तार के जरिए भरा जा सकता है। इस बीच शनिवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। हालांकि, इसे औपचारिक शिष्टाचार भेंट बताया गया है। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को लालचंद राम

द्वारा लिखित 'भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा' पुस्तक भेंट की। सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल विस्तार के साथ-साथ संगठन स्तर पर भी बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। इससे पहले अप्रैल महीने में भी मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं तेज हुई थीं, लेकिन उस समय फैसला टल गया था। अब माना जा रहा है कि 2027 विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा सरकार संगठन और सत्ता दोनों स्तरों पर संतुलन साधने की तैयारी में है।

दरअसल पार्टी और सरकार स्तर पर होने वाले ये बदलाव भाजपा के लिए सामाजिक, क्षेत्रीय समीकरणों को साधने का अहम अवसर माने जा रहे हैं। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, संगठन में फ़ेरबदल, योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट विस्तार तथा विभिन्न आयोगों, निगमों और बोर्डों में खाली पदों पर नियुक्तियां जल्द हो सकती हैं। पार्टी का मानना है कि 2027 के चुनाव से पहले यह आखिरी बड़ा मौका होगा, जब विभिन्न जातीय और क्षेत्रीय समूहों को संतुलित तरीके से प्रतिनिधित्व दिया जा सके। भाजपा के एक वरिष्ठ सांसद के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सरकार गठन की प्रक्रिया पूरी होते ही केंद्रीय नेतृत्व उत्तर प्रदेश की ओर ध्यान देगा। संगठनात्मक बदलाव, कैबिनेट विस्तार और विभिन्न निगमों-बोर्डों में नियुक्तियों को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी पहले ही हो चुकी है। सूत्रों का कहना है कि योगी सरकार में बहुप्रतीक्षित कैबिनेट फ़ेरबदल 10 से 15 मई के बीच कभी भी हो सकता है। करीब आधा दर्जन नेताओं के नाम संभावित मंत्रिमंडल विस्तार या विभागीय बदलाव को लेकर चर्चा में हैं। ● शेष पेज 11 पर

ईडी ने पीएमएलए के नए मामले में पंजाब के मंत्री को गिरफ्तार किया

एजेंसी

नई दिल्ली/चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के प्रभावशाली कैबिनेट मंत्रियों में से एक संजीव अरोड़ा को सेक्टर-2 स्थित उनके सरकारी आवास से गिरफ्तार कर लिया।

ईडी ने अरोड़ा और उनकी कंपनी से जुड़े दिल्ली, गुरुग्राम और चंडीगढ़ के पांच परिसरों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब पंजाब में केंद्रीय एजेंसी की तरफ से आम आदमी पार्टी से जुड़े नेताओं और लोगों के घरों पर लगातार तलाशी अभियान चल रहे हैं। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि कथित फर्जी जीएसटी लेनदेन और एक्सपोर्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के कार्यालय परिसर और अरोड़ा के आवास पर तलाशी ली गई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तलाशी अभियान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, आज एक बार

फिर भाजपा की ईडी संजीव अरोड़ा के घर आई है। एक साल में यह तीसरी बार है जब भाजपा की ईडी उनके घर आई है। और पिछले महीने में यह दूसरी बार है। फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा, मैं (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी जी से कहना चाहता हूं कि पंजाब गुरुओं की भूमि है, जिसे (मुगल सम्राट) औरंगजेब भी अपने अधीन नहीं कर सका। यह भगत सिंह की भूमि है, जिन्होंने अंग्रेजों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया। पंजाब मोदी की चालों के आगे कभी नहीं झुकेगा। ईडी-भाजपा के इस अनैतिक गठबंधन का अंत पंजाब से ही शुरू ● शेष पेज 11 पर

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि नए सीडीएस होंगे

देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख

एजेंसी

नयी दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि (सेवानिवृत्त) को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) और वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों में इन महत्वपूर्ण नियुक्तियों की शनिवार सुबह घोषणा की।

लेफ्टिनेंट जनरल राजा सब्रमणि जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे जिनका 30 मई को कार्यकाल पूरा हो रहा है जबकि वाइस एडमिरल स्वामीनाथन एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की जगह नौसेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे जो 31 मई को सेवा निवृत हो रहे हैं। ले जनरल सुब्रमणि सैन्य कार्य विभाग के सचिव के रूप में भी कार्य करेंगे और उनकी नियुक्ति उनके कार्यभार संभालने के दिन से प्रभावी मानी जायेगी और वह अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि एक सितंबर 2025 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के पद पर कार्य कर रहे हैं। इससे पहले वह 1 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2025 तक सेना के उप प्रमुख रहे तथा मार्च 2023 से जून 2024 तक केंद्रीय कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रहे।

वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने 31 जुलाई 2025 को पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभाला था। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के स्नातक हैं। उन्हें 14 दिसंबर 1985 को गढ़वाल राइफल्स की 8वीं बटालियन में कमीशन प्रदान किया गया था। वे जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, ब्रैकनेल (यूके) तथा राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने किंग्स कॉलेज लंदन से कला में स्नातकोत्तर उपाधि तथा मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में एम फिल की उपाधि प्राप्त की है।

40 वर्षों से अधिक लंबे गौरवशाली सैन्य करियर में लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने विभिन्न संघर्ष क्षेत्रों और

भौगोलिक परिस्थितियों में सेवाएं दी हैं तथा अनेक कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी पदों पर कार्य किया है। उन्होंने ऑपरेशन राइनो के अंतर्गत असम में आतंकवाद-रोधी अभियानों के दौरान 16 गढ़वाल राइफल्स की कमान संभाली, जम्मू-कश्मीर में 168 इन्फैंट्री ब्रिगेड तथा चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों में केंद्रीय क्षेत्र में 17 माउंटेन डिवीजन का नेतृत्व किया। उन्हें भारतीय सेना के पश्चिमी मोर्चे पर स्थित प्रमुख स्ट्राइक कोर '2 कोर' की कमान संभालने का गौरव भी प्राप्त है।

जनरल अधिकारी के स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी दायित्वों में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में डिविजनल ऑफिसर, माउंटेन ब्रिगेड में ब्रिगेड मेजर, कज़ाखस्तान में रक्षा अताशे, सैन्य सचिव शाखा में सहायक सैन्य सचिव, पूर्वी कमान मुख्यालय में कर्नल जनरल स्टाफ (ऑपरेशंस), जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राइफल्स सेक्टर के उप कमांडर, रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय में सैन्य खुफिया के उप महानिदेशक, पूर्वी कमान में ब्रिगेडियर जनरल स्टाफ (ऑपरेशंस), वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज में मुख्य प्रशिक्षक (सेना) तथा उत्तरी कमान मुख्यालय में चीफ ऑफ स्टाफ के पद शामिल हैं। जनरल अधिकारी को पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर परिचालन गतिशीलता का गहन ज्ञान और व्यापक समझ प्राप्त है। उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए जनरल अधिकारी को परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन को 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्रदान किया गया था और वह संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला के विशेषज्ञ हैं। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला; जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, श्रिवेनहैम, यूनाइटेड किंगडम; कॉलेज ऑफ नेवल वारफ़ेयर, करंजा; तथा संयुक्त राज्य अमेरिका नेवल वॉर कॉलेज, न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड के पूर्व छात्र हैं। परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित एडमिरल ने अपने नौसैनिक करियर में कई महत्वपूर्ण परिचालन, स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी नियुक्तियों पर कार्य किया है। इनमें मिसाइल पोत आईएनएस विद्युत और विनाश; मिसाइल कॉर्वेट आईएनएस कुलिश; निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मैसूर; तथा विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य की कमान शामिल है। रियर एडमिरल के पद पर पदोन्नति ● शेष पेज 11 पर

ऊर्ज़ा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बना देश का अग्रणी राज्य : ए.के. शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ पीक बिजली आपूर्ति, हरित ऊर्ज़ा और विद्युत ढांचे में ऐतिहासिक वृद्धि का दावा, कहा– यूपी तेजी से बन रहा देश का ऊर्ज़ा हब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्ज़ा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि जो क्षेत्र कभी प्रदेश की सबसे बड़ी कमजोरी माना जाता था, वही आज उसकी सबसे बड़ी ताकत बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश हरित एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा से समृद्ध देश का ऊर्ज़ा केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ऊर्ज़ा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश ने ऊर्ज़ा क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2017 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति बिजली खपत 489 यूनिट थी, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 518 यूनिट हुई और अब 630 यूनिट तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में अधिकतम मांग के समय बिजली आपूर्ति करने वाला नंबर-1 राज्य बन चुका है। साथ ही संशोधित वितरण क्षेत्र योजना तथा हरित ऊर्ज़ा गलियारा जैसी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में भी प्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

श्री शर्मा ने बताया कि प्रदेश के तापीय विद्युत संयंत्रों की कार्यक्षमता ऐतिहासिक स्तर 85 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति के बावजूद लाइन हानि में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं को 24 घंटे निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना तथा प्रति व्यक्ति बिजली खपत के मामले में उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय औसत तक पहुंचाना है।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए ऊर्ज़ा मंत्री ने कहा कि कुछ लोग झूठ को बार-बार दोहराकर उसे सच साबित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि ऊर्ज़ा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने ऐतिहासिक प्रगति की है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल 2012 से 2017 के दौरान प्रदेश की औसत अधिकतम बिजली मांग केवल 13 हजार मेगावाट थी, जबकि पिछले चार वर्षों में यह बढ़कर लगभग 30 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष प्रदेश की वास्तविक अधिकतम मांग 31,468 मेगावाट रही और इस वर्ष भी अप्रैल माह में 29,475 मेगावाट की मांग की सफल आपूर्ति की गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 तक प्रदेश में कुल 1 करोड़ 80 लाख बिजली उपभोक्ता थे, जो अब बढ़कर 3 करोड़ 70 लाख हो चुके हैं। केवल पिछले चार वर्षों में लगभग 50 लाख नए बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। इसी प्रकार वर्ष 2017 तक 1 लाख 20 हजार मजरों का विद्युतीकरण हुआ था, जबकि पिछले छह वर्षों में 1 लाख 75 हजार अतिरिक्त मजरों को बिजली से जोड़ा गया है। ऊर्ज़ा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की अधिकतम तापीय उत्पादन क्षमता वर्ष 2017 में 5,160 मेगावाट थी, जो अब बढ़कर 9,120 मेगावाट हो गई है। जल्द ही 660 मेगावाट क्षमता की घाटमपुर परियोजना भी शुरू होने जा रही है। इसके अलावा ओबरा-डी, अनपरा-ई, मेजा और मिर्ज़ापुर परियोजनाओं के माध्यम से 10,600 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जा रही है। वर्ष 2034 तक की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 55,840 मेगावाट क्षमता की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि विद्युत पारेषण क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। वर्ष 2017 में बड़े विद्युत उपकेंद्रों की कुल क्षमता 39 हजार एमवीए थी, जो अब बढ़कर 2 लाख एमवीए तक पहुंच गई है। इसी उपलब्धि के कारण उत्तर प्रदेश के पारेषण क्षेत्र को देश में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है।

श्री शर्मा ने बताया कि पिछले चार वर्षों में 30 लाख जर्जर बिजली पोल बदले गए हैं तथा 1 लाख 65 हजार किलोमीटर से अधिक पुराने तारों को एबी केबल से प्रतिस्थापित किया गया है। इसके अलावा 132 केवी के 86 तथा 33 केवी के 93 नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं और 1500 से अधिक उपकेंद्रों का उन्नयन किया गया है। प्रदेश में 10 लाख 71 हजार ट्रांसफार्मर लगाए, बदले अथवा उन्नत किए गए हैं।

योगी सरकार के सुशासन मॉडल को संध्या संवाद से मिली नई रफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने श्रावस्ती में संध्या संवाद से ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

लखनऊ। योगी सरकार के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के विजन को नई धार देने के लिए देवीपाटन मंडल में संध्या संवाद कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को श्रावस्ती से की गई। योगी सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और प्रशासन को सीधे गांव-गांव तक ले जाने की इस पहल की शुरुआत श्रावस्ती की चयनित ग्राम पंचायत टेण्डवा महन्थ से की गई। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। देवीपाटन मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने श्रावस्ती दौरे के दौरान संध्या संवाद कार्यक्रम के तहत चयनित ग्राम पंचायत टेण्डवा महन्थ में प्रतिभाग कर ग्रामीणों से खुली चौपाल में सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत में एक दिवसीय विशेष शिविर भी आयोजित किया गया, जहां विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही लाभ प्रदान किया गया। मंडलायुक्त ने बताया कि संध्या संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि गांवों और जरूरतमंद लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने का है। इसी के तहत प्रशासनिक अधिकारी सीधे गांवों में पहुंचे और लोगों से संवाद किया। इससे न केवल लोगों का योगी सरकार पर विश्वास मजबूत होगा, बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी।

फार्मर रजिस्ट्री में 2.23 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसानों की डिजिटल पहचान की ओर तेजी से बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश तेजी से डिजिटल कृषि व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है। किसानों को सरकारी योजनाओं का पारदर्शी और त्वरित लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में चल रही फार्मर रजिस्ट्री अभियान ने अब बड़े स्तर पर परिणाम देना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार की सक्रिय पहल के चलते अब तक 2.23 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है, जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 77.43 प्रतिशत है।

प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री अभियान की शुरुआत पांच नवंबर 2024 से की गई थी। केंद्र सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के लिए दो करोड़ 88 लाख 70 हजार 495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान प्रगति के अनुसार अब तक दो करोड़ 23 लाख 54 हजार 644 किसानों का नामांकन किया जा चुका है, जबकि लगभग 65 लाख 15 हजार 851 किसानों का पंजीकरण अभी शेष है।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार ने इस अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, कृषि विभाग और स्थानीय स्तर के कर्मचारियों को तेजी से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि सरकार का उद्देश्य किसानों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है, जिससे उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कृषि अनुदान, ऋण सुविधा और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सके। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगले 30 दिनों यानी छह जून 2026 तक लक्ष्य पूरा करना है। इसके साथ ही वर्तमान प्रगति के आधार पर किसानों की आईडी निर्माण प्रक्रिया 108 दिनों में यानी 22 अगस्त 2026 तक पूर्ण होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार की प्राथमिकता केवल पंजीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि भूमि और किसानों के रिकॉर्ड को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना भी है। इसी क्रम में ‟अंश निर्धारण” का कार्य भी तेजी से चल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में अंश निर्धारण का कार्य 87.19 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। इससे भूमि रिकॉर्ड की शुद्धता बढ़ेगी और भविष्य में विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार फार्मर रजिस्ट्री उत्तर प्रदेश की कृषि व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकती है। इससे सरकार को वास्तविक किसानों की पहचान करने, योजनाओं की मॉनिटरिंग करने और कृषि आधारित नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। साथ ही किसानों को सरकारी सहायता प्राप्त करने में भी आसानी होगी।

सीएम योगी के विजन से आधुनिक बनाया जा रहा गोमती बैराज, मजबूत होगी राजधानी की पेयजल आपूर्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ सीएम योगी के निर्देश पर जल सुरक्षा और बाढ़ नियंत्रण को मजबूत करने के लिए शुरू हुआ गेट बदलने का कार्य

❒ लखनऊ को निर्बाध पेयजल आपूर्ति देने के लिए उठाया कदम, स्काडा तकनीक से स्वचालित संचालन की दिशा में बढ़ा सिंचाई विभाग

लखनऊ। योगी सरकार की ओर से प्रदेश में बुनियादी ढांचे और जल प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी के तहत राजधानी स्थित गोमती बैराज को आधुनिक और आदर्श बैराज सिस्टम के रूप में विकसित किया जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर सिंचाई विभाग ने बैराज के पुराने और क्षतिग्रस्त वर्टिकल गेटों को बदलने का कार्य शुरू कर दिया है। इससे राजधानी लखनऊ की पेयजल आपूर्ति और अधिक मजबूत होगी। इसके अलावा जल सुरक्षा, बाढ़ नियंत्रण और पर्यावरणीय संतुलन को नई तकनीक के माध्यम से और मजबूती मिलेगी।प्रमुख सचिव सिंचाई अनिल गर्ग ने बताया कि वर्ष 1980 से 1983 के बीच निर्मित गोमती बैराज लंबे समय से राजधानी की जल आपूर्ति व्यवस्था की रीढ़ बना हुआ है। यह बैराज कुड़िया घाट पंपिंग स्टेशन पर 105.6 मीटर का निर्धारित जल स्तर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे लाखों लोगों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो पाता है। इसके साथ ही बारिश के मौसम में गोमती नदी के जल प्रवाह को नियंत्रित कर शहर को बाढ़ जैसी स्थितियों से बचाने में भी यह अहम योगदान देता है। उन्होंने बताया कि समय के साथ नदी के पानी की गुणवत्ता और लगातार उपयोग के कारण बैराज के गेटों में जैविक एवं रासायनिक क्षरण बढ़ गया था। इससे गेटों की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगी थी। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चरणबद्ध तरीके से गेट बदलने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में वर्ष 2024 में दो गेट बदले गए थे, जबकि 2025 में चार अन्य गेटों को प्रतिस्थापित किया गया। अब अंतिम चरण में शेष चार गेटों के निर्माण और स्थापना का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मुख्य अभियंता यांत्रिक उपेंद्र सिंह ने बताया कि इन गेटों का निर्माण बरेली स्थित आईएसओ प्रमाणित सिंचाई कार्यशाला में किया गया है। प्रत्येक गेट दो स्तरों में तैयार किया गया है, जिसमें ऊपरी हिस्से का वजन लगभग 16 टन और निचले हिस्से का वजन करीब 18 टन है। सभी दस गेटों की चौड़ाई 18 मीटर तथा ऊंचाई 4.95 मीटर निर्धारित की गई है। अत्याधुनिक तकनीक और मजबूत संरचना वाले ये नए गेट लंबे समय तक बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे। उन्होंने बताया कि विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती गेट बदलने के दौरान राजधानी की पेयजल आपूर्ति को प्रभावित न होने देना था। इसे ध्यान में रखते हुए विभाग ने बैराज के ऊपरी हिस्से में कॉफरडैम का निर्माण कराया है, ताकि मरम्मत और प्रतिस्थापन कार्य के दौरान जल स्तर को नियंत्रित रखा जा सके। इस व्यवस्था से कुड़िया घाट पंपिंग स्टेशन तक पर्याप्त पानी पहुंचता रहेगा और शहरवासियों को पानी की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मुख्य अभियंता ने बताया कि मरम्मत और गेट प्रतिस्थापन कार्य को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए 08 मई से 15 जून तक कुल 45 दिनों की बंदी निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि गर्मी बढ़ने के कारण जल स्तर में गिरावट की संभावना को देखते हुए विभाग चौबीसों घंटे काम कर रहा हैख ताकि कार्य समय से पहले पूरा किया जा सके। इसके लिए इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों की विशेष टीम लगातार निगरानी कर रही है। बैराज को स्काडा तकनीक से स्वचालित रूप में संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इससे बैराज के गेटों का संचालन डिजिटल माध्यम से किया जा सकेगा। जल स्तर की निगरानी, गेटों का नियंत्रण और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया जैसी व्यवस्थाएं अधिक प्रभावी बनेंगी। इससे मानवीय त्रुटियों में कमी आएगी और पूरी प्रणाली अधिक सुरक्षित एवं पारदर्शी होगी।

इन्फिनिटी कनेक्ट्स ने मनाई अपनी आठवीं वर्षगांठ

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिज़नेस नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इन्फिनिटी कनेक्ट्स ने अपनी आठवीं वर्षगांठ बड़े उत्साह और गर्मजोशी के साथ मनाई। कार्यक्रम में शहर के सैकड़ों उद्यमी, व्यवसायी, स्टार्टअप फाउंडर्स और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रोफ़ेशनल्स शामिल हुए। इस पूरे आयोजन में ऊर्ज़ा, उत्साह और आपसी जुड़ाव का खास माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम केवल बिज़नेस नेटवर्किंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह लोगों को एक-दूसरे के अनुभवों, विचारों और सपनों से जोड़ने का माध्यम भी बना। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में रंग भर दिए और माहौल को और भी जीवंत बना दिया।

छात्रों ने की लविवि परिसर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने की मांग

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। छात्रसंघ परिवार की ओर से शनिवार को छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति लगवाने की मांग को लेकर कुलपति जे.पी. सैनी के नाम का ज्ञापन दिया। इस अवसर पर छात्र नेता आलोक मिश्रा ने महाराणा के शौर्य को नमन करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप मेवाड़ के 13वें राजपूत राजा थे, जिनकी शौर्य गाथा भारतीय इतिहास में साहस, स्वाभिमान और बलिदान का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए शक्तिशाली मुगल साम्राज्य और अकबर के खिलाफ जीवनभर संघर्ष किया, लेकिन कभी अधीनता स्वीकार नहीं की। छात्र नेता मंगेश यादव ने महाराणा को नमन करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का संघर्ष केवल युद्धों तक सीमित नहीं था, बल्कि यह एक राजा की अपनी मातृभूमि और स्वाभिमान के लिए दी गई निरंतर परीक्षा थी। हल्दीघाटी के युद्ध के बाद जब मेवाड़ के प्रमुख किलों पर मुगलों का कब्जा हो गया, तब महाराणा प्रताप ने अरावली की पहाड़ियों और जंगलों में शरण ली। लंबे समय तक युद्ध जारी रखने के कारण प्रताप के पास धन और संसाधनों की भारी कमी हो गई थी। ऐसे समय में उनके विश्वासपात्र मंत्री भामाशाह ने अपनी संपूर्ण निजी संपत्ति (जो इतनी थी कि 25,000 सैनिकों का खर्च 12 वर्षों तक उठाया जा सके) महाराणा को सौंप दी। छात्रनेता जतिन शुक्ल ने कहा स्वाधीनता के कालजयी स्वर,त्याग व बलिदान की उज्ज्वल कीर्ति पताका ‘हिंदुआ सूर्य’ वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पावन जयंती पर आज लखनऊ विश्वविद्यालय की क्रांतिकारी सरजमीं पर छात्रसंघ परिवार द्वारा विशाल पदयात्रा और माल्यार्पण का कार्यक्रम किया गया।

चोर ले गए जेवर व नकदी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र के राजाखेड़ा में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोर मकान की पिछली दीवार तोड़कर अंदर घुसे और लोहे की अलमारी व बक्सा तोड़कर सोने-चांदी के जेवर सहित 10 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। पीड़ित राहुल पुत्र रामसेवक के अनुसार वह मजदूरी कर परिवार चलाता है। 9 मई की रात करीब 2:30 बजे वह अपनी पत्नी के साथ घर के बाहर बरामदे में सो रहा था।तभी पत्नी की आंख खुली और उसे घर के अंदर से कुछ आवाज सुनाई दी। पत्नी ने राहुल को जगाकर बताया कि घर में कोई जानवर घुसा है।जब राहुल उठकर घर के अंदर गया तो लाइट बंद थी।लाइट जलाई तो पता चला कि घर की पिछली दीवार तोड़ कर घर मे घुसे अज्ञात चोर अलमारी व बक्से का ताला तोड़कर उनमें रखी जेवर बर्तन व 10 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए।जिसकी शिकायत उन्होंने सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस से की है।जिसपर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

स्वास्थ्य लाभ के बाद बोले अजय राय– ‘जनसेवा का संकल्प और मजबूत हुआ’

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने स्वास्थ्य लाभ के बाद सक्रिय राजनीति और जनसेवा के कार्यों में वापसी कर ली है। उन्होने कहा कि प्रदेशवासियों की दुआओं और बाबा विश्वनाथ की असीम कृपा से वह पूरी तरह स्वस्थ होकर पुनः कांग्रेस मुख्यालय पहुंच चुके हैं।
उन्होंने कहा कि मेदांता अस्पताल में उपचार के दौरान उन्हें प्रदेशभर से अपार स्नेह, शुभकामनाएं और समर्थन मिला, जिसने उन्हें नई ऊर्ज़ा और आत्मविश्वास प्रदान किया। अजय राय ने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यालय पहुंचने पर साथियों और समर्थकों का उत्साह देखकर वह भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी की आंखों में आए खुशी के आंसू कार्यकर्ताओं के इसी प्रेम और विश्वास का प्रमाण हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकर्ताओं का अटूट भरोसा ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और यही ताकत उन्हें लगातार संघर्ष के लिए प्रेरित करती है।

मंडल रेल प्रबंधक ने वाराणसी सिटी स्टेशन का किया गहन निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी आशीष जैन ने शुक्रवार को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर श्री आयुष कुमार सिंह के साथ वाराणसी सिटी स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रीष्मकालीन यात्रियों की सुविधाओं, रेलवे संरक्षा व्यवस्था, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग तथा गाड़ी संख्या 15130 वाराणसी सिटी-गोरखपुर मेल एक्सप्रेस के रेक का जायजा लिया।

मंडल रेल प्रबंधक सड़क मार्ग से वाराणसी-भटनी रेलखंड पर स्थित वाराणसी सिटी स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने स्टेशन परिसर में उपलब्ध यात्री सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रवेश द्वार, दिव्यांग यात्री सुविधाएं, स्टेशन भवन, टिकट काउंटर, नेम बोर्ड, संकेतक बोर्ड, प्लेटफार्म, फूड प्लाजा, खान-पान स्टॉल, पेयजल बूथ, वाटर कूलर और पे एंड यूज शौचालयों की व्यवस्था देखी। उन्होंने प्लेटफार्मों पर चल रहे यात्री सुविधा विकास कार्यों एवं निर्माणाधीन पैदल उपरगामी पुल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में यात्रियों के लिए ठंडे पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा स्टेशन पर लगे वाटर कूलर और पंखे पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रहें। श्री जैन ने वाराणसी सिटी स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। संरक्षा निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन के रिले रूम, डाटा लॉगर रूम, आईपीएस रूम, अग्निशमन यंत्र, स्टेशन पैनल, इंटरचेंज पॉइंट्स, टोकनलेस ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट, क्रैंक हैंडल, व्हील काउंटर, विफलता रजिस्टर, ऑपरेशन कैंसिलेशन रजिस्टर तथा पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग रजिस्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन अधीक्षक से स्टेशन की परिचालन व्यवस्था की जानकारी भी ली। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्लेटफार्म पर खड़ी गाड़ी संख्या 15130 वाराणसी सिटी-गोरखपुर मेल एक्सप्रेस का भी गहन निरीक्षण किया। इस दौरान कोचों की स्वच्छता, रखरखाव, पानी की उपलब्धता, प्रकाश व्यवस्था, पंखों की कार्यशीलता तथा यात्रियों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जांच की गई।

मदरसा छात्रों को देश के संविधान और कानून की जानकारी देगी मौलाना रशीदी की पुस्तक

लखनऊ। मदरसों में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने के बीच एक खास पहल के तहत इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को भारत के कानून और संविधान की जानकारी देने के लिए एक किताब तैयार की गई है। जमीयत उलमा-ए-हिंद उत्तर प्रदेश के विधिक सलाहकार मौलाना काब रशीदी द्वारा लिखित यह किताब भारत के संविधान और विभिन्न कानूनों की मूलभूत जानकारी को खुद में समेटे है। लेखक का दावा है कि इस पुस्तक से मदरसा छात्रों को कानूनी तथा संवैधानिक अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी मिलेगी जिससे वह बेहतर नागरिक भी बनेंगे।
‘भारतीय संविधान, एक वैचारिक अध्ययन’ शीर्षक वाली इस किताब में कुल सात अध्याय हैं और इस किताब को मनोवैज्ञानिक तरीके से तैयार किया गया है ताकि मदरसों के बच्चे इसमें शामिल सामग्री को बेहतर ढंग से समझ सकें और उसे अपने जीवन में उतार सकें। इस किताब को मदरसों के ‘सौम’ दर्जे से पढ़ाया जाएगा जो आमतौर पर इंटरमीडिएट के समकक्ष माना जाता है। यह किताब पांच खंडों में होगी और इसका 10 भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी कराया जाएगा ताकि यह पूरे मुल्क में पहुंचे। मौलाना ने कहा कि भारत की आजादी से लेकर सामाजिक क्षेत्र में भी मदरसों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मदरसे स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र रहे हैं। हालांकि देश के मदरसों में लागू पाठ्यक्रमों में संविधान और कानून को एक विषय में के रूप में पढ़ाये जाने के उदाहरण लगभग ना के बराबर हैं। लिहाजा मौजूदा हालात में बहुत जरूरी है कि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को और अच्छा तथा ज्यादा जागरूक नागरिक बनाने के लिए उन्हें मुल्क के कानून और संविधान के बारे में भी पढ़ाया जाए। यह पुस्तक इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए ही तैयार की गई है। मौलाना रशीदी ने बताया कि इस किताब को देश के सभी मदरसों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए, इसके लिए व्यापक अभियान चलाते हुए मुल्क के तमाम मदरसों तथा दीनी तालीम देने वाले अन्य इदारों से संपर्क किया जाएगा। इसके अलावा तमाम मस्जिदों में भी जाकर इस सिलसिले में जिम्मेदार लोगों को प्रेरित किया जाएगा। साथ ही इसके लिए देश की विभिन्न मदरसा शिक्षा परिषदों से भी संपर्क किया जाएगा कि वे अपनी निगरानी वाले मदरसों के पाठ्यक्रम में इस किताब को भी शामिल करें। यह किताब दरअसल मदरसों में सुधार (रिफॉर्म्स) की एक शुरुआत है।

कोरांव थाना समाधान दिवस में तीन मामलों का निस्तारण

(कोरांव), प्रयागराज। प्रयागराज के कोरांव तहसील की तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने थाना कोरांव समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने राजस्व और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निष्पक्ष कार्यवाही के निर्देश दिए। इस समाधान दिवस में कुल 7 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 3 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक कोरांव राकेश कुमार वर्मा और पूर्व नगर पंचायत कोरांव अध्यक्ष नर सिंह केशरी उर्फ गोपाल सहित अन्य सहयोगी बल मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माँ का सम्मान किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

(कोरांव), प्रयागराज । कोरांव स्थित सेंट मैरीज़ स्कूल में मातृ दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में मनाया गया, जिसकी मुख्य अतिथि सुषमा केशरी थीं। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और स्वागत समारोह के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जॉर्ज मेडेपल्ली ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण कर स्वागत किया।

अपने संबोधन में प्रधानाचार्य फादर जॉर्ज मेडेपल्ली ने माँ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माँ केवल परिवार की आधारशिला नहीं होती, बल्कि बच्चों के संस्कार, प्रेम और जीवन मूल्यों की पहली गुरु भी होती हैं। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को माता-पिता के प्रति सम्मान, सेवा और कृतज्ञता का भाव बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भावपूर्ण गीत, कविता, नृत्य और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से मातृत्व की महिमा को दर्शाया गया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि सुषमा केशरी ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि माँ का त्याग, स्नेह और समर्पण मानव जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएँ दीं। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक /इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन ‘खुली’ ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है। **ई–निविदा संख्या :** (1) NER-LJN-2026-96 **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल: गोण्डा, नकहा जंगल, ऐशबाग, सुभागपुर, सीतापुर आदि स्टेशनों पर शंटिंग कार्यों के लिए पाथवे का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रु.) :** 43856361.79 **अग्रिम धन (रु) :** 877100.00 **समापन अवधि :** 12 माह। **ई–निविदा संख्या :** (2) NER-LJN-2026-97 **कार्य का नाम:** गोण्डा की सभी कॉलोनियों में स्थित 500 यूनिट टाइप–I, टाइप–II और टाइप–III स्टाफ क्वार्टरों के क्षतिग्रस्त आंगन के दरवाजों और पिछले दरवाजों को बदलना। **अनुमानित लागत (रु.) :** 13727155.30 **अग्रिम धन (रु) :** 274600.00 **समापन अवधि :** 12 माह। **1.** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2026-96 & NER-LJN-2026-97** के लिये ई–निविदा दिनांक 02.06.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
लखनऊ
मुजाधि/डब्लू–85

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सपा राज में भर्ती घोटाले, योगी राज में पारदर्शी नौकरियां : डॉ. राजेश्वर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

योगी सरकार ने युवाओं का विश्वास जीता

लखनऊ। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा केवल वोटर नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य, विकास और सामर्थ्य की सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन 2017 से पहले सपा सरकार में युवाओं को अवसर नहीं, बल्कि जातिवाद, भ्रष्टाचार और सिफारिश आधारित व्यवस्था मिली।

उन्होंने कहा कि 2012-17 के दौरान हुई 600 से अधिक भर्तियां विवादों में रहीं। लगभग 45 हजार पदों की जांच तक की नौबत आई और भर्ती प्रक्रियाओं को रद्द कराने व एउक्र जांच की मांग को लेकर 700 से अधिक याचिकाएं अदालतों में दाखिल हुईं। डॉ. सिंह ने कहा कि पीसीएस 2011 भर्ती में इंटरव्यू प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठे, जहां 86 में से 56 एसडीएम एक ही जाति से चयनित हुए। इतिहास प्रवक्ता भर्ती में ओबीसी कोटे के 15 में से 7 चयन एक ही जाति विशेष से हुए। वहीं 2014 की PCS परीक्षा में 25 प्रश्न गलत पाए गए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार की लैपटॉप योजना भी भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रही, जिसमें 1173 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से वितरित 8 लाख से अधिक लैपटॉप वितरण पर सवाल उठे। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भर्ती व्यवस्था पूरी तरह बदली। भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी, तकनीक आधारित और जवाबदेह बनाया गया। डिजिटल मॉनिटरिंग, सख्त सुरक्षा व्यवस्था और भर्ती माफियाओं पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियों की प्रक्रिया संचालित की गई है। केवल पुलिस विभाग में ही 2.20 लाख से अधिक भर्तियां पूरी की गईं। डॉ. सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने युवाओं को डिजिटल रूप से भी सशक्त किया। 2 करोड़ से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित किए गए। अभ्युदय योजना, स्किल डेवलपमेंट मिशन, ग्क्ण्घ्, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर नीति, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसी पहलों ने उत्तर प्रदेश को रोजगार और निवेश का बड़ा केंद्र बनाया है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश भर्ती घोटालों और परिवारवाद की राजनीति से निकलकर पारदर्शिता, सुशासन, निवेश और विकास का मॉडल बन चुका है। यही कारण है कि प्रदेश का युवा आज जातिवाद नहीं, बल्कि अवसर, सुशासन और विकास की राजनीति के साथ मजबूती से खड़ा है।

सपनेश्वर महादेव मंदिर में सुंदरकांड व भंडारे का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चिनहट। बड़े मंगल के अवसर पर चिनहट क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों व धार्मिक स्थलों पर भंडारे और धार्मिक आयोजनों की धूम रही। चिनहट-मल्हौर रोड स्थित सपनेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बड़े मंगल के पहले शनिवार को सुंदरकांड पाठ, भजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह सुंदरकांड पाठ से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान हनुमान की आराधना की। इसके बाद आयोजित भक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुति से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया।

धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें आने वाले सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। जल संस्थान कर्मचारी भगवती प्रसाद वर्मा ने भंडारे में प्रसाद वितरण की व्यवस्था संभाली। मंदिर समिति के पदाधिकारी भोला बाबा ने बताया कि बड़े मंगल के अवसर पर हर वर्ष इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे सामाजिक सौहार्द और आध्यात्मिक वातावरण को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों का विशेष सहयोग रहा।

महाराणा प्रताप का अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति हमारे लिए प्रेरणा स्रोत : डॉ नीरज सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉक्टर नीरज सिंह ने आज महाराणा प्रताप चौक स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर आयोजित माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान नीरज सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का अदम्य साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जी ने मातृभूमि एवं स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया और उनका जीवन युवाओं को राष्ट्रसेवा एवं संघर्ष की प्रेरणा देता रहेगा।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया तथा उनके योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के प्रदेश एवं कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सिंह बब्बू, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, भारतीय क्षत्रिय समाज, राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा सहित विभिन्न क्षत्रिय संगठनों के पदाधिकारी एवं समाजबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यूपीकॉप ऐप पर देर से अपलोड हो रहीं एफआईआर, पांच थाने सवालों के घेरे में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब, लखनऊ। ग्रामीण क्षेत्र के बीकेटी, इटौंजा, सैरपुर, महिंगवा तथा महिला थाना बीकेटी की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि इन थानों में दर्ज होने वाली एफआईआर को समय से यूपीकॉप ऐप और ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जा रहा है। कई मामलों में मुकदमा दर्ज होने के बाद भी उसकी ऑनलाइन एंट्री कई दिनों तक नहीं दिखाई देती, जिससे पीड़ितों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों और अधिवक्ताओं का कहना है कि थानों में मुकदमा दर्ज होने के बाद पीड़ित पक्ष एफआईआर नंबर और मुकदमे की कॉपी के लिए बार-बार थाने का चक्कर लगाने को मजबूर होता है। आरोप है कि महिला उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, मारपीट और भूमि विवाद जैसे मामलों में भी ऑनलाइन अपडेट में अनावश्यक देरी की जा रही है।

क्षेत्रीय लोगों के अनुसार शासन स्तर पर पुलिसिंग को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग दिखाई दे रही है। यूपीकॉप ऐप पर समय से मुकदमे अपलोड न होने से पीड़ित पक्ष केस की वास्तविक स्थिति नहीं जान पाता।

❐ मुकदमा दर्ज होने के बाद भी कई दिनों तक ऑनलाइन नहीं दिखती रिपोर्ट, पीड़ित परेशान

क्या है यूपीकॉप ऐप

यूपीकॉप उत्तर प्रदेश पुलिस का आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसके जरिए एफआईआर, शिकायत, पुलिस वेरिफिकेशन समेत कई सेवाओं की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाती है। शासन का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को पारदर्शी और आमजन के लिए सुलभ बनाना है।

कानूनी जानकारों का कहना है कि एफआईआर का ऑनलाइन उपलब्ध होना न्यायिक प्रक्रिया के लिए भी महत्वपूर्ण होता है। देरी होने से कई बार पीड़ितों को अदालत और अन्य सरकारी प्रक्रियाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।लोगों ने पुलिस कमिश्नरेट प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद भी यदि एफआईआर समय से ऑनलाइन नहीं चढ़ रही हैं तो इससे पुलिस व्यवस्था की पारदर्शिता प्रभावित हो रही है।

उर्स मेले में दो पक्षों में जमकर मारपीट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भन्देसुवा में दरगाह मजार पर आयोजित उर्स मेले के दौरान बीते शुक्रवार देर रात दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। पीड़ित पक्ष ने गांव के कई लोगों पर एक राय होकर हमला करने, और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।भन्देसुवा निवासी गंगाराम ने मोहनलालगंज पुलिस को में दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि बीते शुक्रवार रात करीब 11 बजे गांव में उर्स मेले का आयोजन चल रहा था। मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग मौजूद थे। इसी दौरान उनके परिवार के सदस्य मेला देखने गए थे, जहां किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई।आरोप है कि विवाद के बाद मो0 अतहर, समर, अन्नू, नसीम, शाकिर खान, मो0 हलीम, आमिर और इरफान समेत कई लोग एकत्र हो गए और गंगाराम के परिवार के लोगों पर हमला बोल दिया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपियों ने लात-घूंसों और थप्पड़ों से जमकर मारपीट की, जिससे परिवार के कई लोग घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।पीड़ित परिवार का आरोप है कि मारपीट के दौरान पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना को लेकर पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है।घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं मेले में हुई इस घटना को लेकर गांव में चर्चाओं का दौर बना रहा।इस संबंध में इंस्पेक्टर बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की सूचना मिली है। पीड़ित की तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी से गायब रहने पर 9 संविदा बस चालकों की सेवाएं समाप्त, सभी ब्लैकलिस्ट

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी लखनऊ के चारबाग डिपो में परिवहन विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए 9 संविदा बस चालकों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। इन चालकों पर बिना किसी सूचना के लगातार ड्यूटी से अनुपस्थित रहने का आरोप है।जानकारी के अनुसार विभाग द्वारा पहले सभी चालकों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने एवं ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद संबंधित चालक ड्यूटी पर वापस नहीं लौटे, जिसके बाद चारबाग डिपो प्रशासन ने कड़ा कदम उठाते हुए उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। डिपो प्रशासन ने सभी नौ चालकों को ब्लैकलिस्ट भी कर दिया है, जिससे भविष्य में उनकी दोबारा संविदा भर्ती पर रोक लग गई है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अनुशासनहीनता एवं विभागीय आदेशों की अवहेलना को गंभीरता से लिया गया है।

इतना ही नहीं, संबंधित चालकों की जमा सिक्योरिटी मनी भी विभाग द्वारा जब्त कर ली गई है। परिवहन विभाग का कहना है कि सार्वजनिक सेवा से जुड़े कर्मचारियों की लापरवाही यात्रियों की सुविधा और विभागीय व्यवस्था दोनों को प्रभावित करती है, इसलिए नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई के बाद डिपो में कार्यरत अन्य संविदा कर्मचारियों में भी हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि भविष्य में बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी ने पति पर लगाया प्रताड़ना और धमकी देने का आरोप, मुकदमा दर्ज

बख्शी का तालाब, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इटौंजा थाना क्षेत्र के जमखनवा गांव की रहने वाली एक महिला ने अपने पति पर मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर महिला थाना–द्वितीय में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पीड़िता स्वेता अवस्थी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी करीब 12 वर्ष पूर्व अरविंद कुमार निवासी जमखनवा से हुई थी। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति उसका उत्पीड़न करता रहा। आए दिन गाली–गलौज और मारपीट की जाती है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जाती है।महिला ने आरोप लगाया कि पति बच्चों के खाने–पीने, दवा और अन्य जरूरी खर्च तक नहीं उठाता। परिवार के भरण–पोषण की पूरी जिम्मेदारी उसी पर आ गई है। तहरीर में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी ने अपनी जमीन बेचकर रुपये अपने पास रख लिए और परिवार की जरूरतों की अनदेखी करता रहा। पीड़िता का कहना है कि उसने पहले भी पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन आरोपी पुलिस के सामने समझौते की बात करता रहा और बाद में फिर से प्रताड़ित करने लगा। महिला ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। महिला थाना–द्वितीय पुलिस ने आरोपी अरविंद कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार स्कूल वैन की टक्कर से बुजुर्ग गंभीर घायल

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्कूल वैन की टक्कर से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि घटना के कई दिनों बाद भी न तो पीड़ित को उचित मुआवजा मिला और न ही आरोपितों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हुई। अब पीड़ित परिवार ने पुलिस अधिकारियों समेत शासन स्तर पर शिकायत भेजकर न्याय की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार 16 अप्रैल 2026 की सुबह जेपी कॉन्वेंट स्कूल, भारत यादव मार्केट धावा रोड के पास एक स्कूल वैन ने लगभग 85 वर्षीय बुजुर्ग श्रीराम को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग के सिर में गंभीर चोट आई और उनकी हालत चिंताजनक बताई गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि दुर्घटना के बाद वैन चालक और मालिक से इलाज व मुआवजे को लेकर बातचीत की गई, लेकिन उन्होंने किसी भी प्रकार की सहायता देने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, परिवार को धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपितों ने अपने रसूख का हवाला देते हुए कार्रवाई न होने की बात कही। मामले में पीड़ित पक्ष द्वारा 17 अप्रैल को आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद 5 मई को पुलिस चौकी यूपीट्रॉन में दोनों पक्षों को बुलाया गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। अब पीड़ित परिवार ने चिनहट थाने में कल प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित चालक और वाहन मालिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही घायल बुजुर्ग को उचित मुआवजा दिलाने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की अपील की गई है।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत छह पर मुकदमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ। बख्शी का तालाब स्थित महिला थाना-ऋ में एक विवाहिता की तहरीर पर पति समेत छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, धमकी और मानसिक प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता सौम्या सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका विवाह वर्ष 2015 में विवेक कुमार निवासी कृष्णा गली, विशाल कुंज, जनपद उन्नाव के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। शादी के समय सामर्थ्य अनुसार दान-दहेज भी दिया गया था, लेकिन बाद में अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा।एफआईआर में पति विवेक कुमार के अलावा ससुर कुलदीप सिंह निवासी आजाद नगर सीमा विहार कॉलोनी, उन्नाव ग्रामीण, सास रजनी सिंह निवासी आजाद नगर सीमा विहार कॉलोनी, उन्नाव ग्रामीण, ननद संजना सिंह राजपूत निवासी आजाद नगर सीमा विहार कॉलोनी, उन्नाव ग्रामीण, देवर विक्रम सिंह राजपूत निवासी आजाद नगर सीमा विहार कॉलोनी, उन्नाव ग्रामीण तथा अमन सिंह राजपूत निवासी आजाद नगर सीमा विहार कॉलोनी, उन्नाव ग्रामीण को नामजद किया गया है।पीड़िता का आरोप है कि सभी आरोपी मिलकर उससे नकदी, कार और अन्य सामान की मांग करते थे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी और कई बार घर से निकालने की धमकी दी गई। महिला ने आरोप लगाया कि पति के अन्य महिलाओं से संबंधों का विरोध करने पर प्रताड़ना और बढ़ गई।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आरोपियों द्वारा फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई तथा बच्चों को लेकर भी दबाव बनाया गया। पीड़िता ने कई घटनाओं की रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्य होने का दावा किया है।महिला थाना-ऋ पुलिस ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरटीई प्रवेश में लापरवाही पर जिला प्रशासन सख्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत गरीब, निर्बल एवं असहाय बच्चों को प्रवेश दिलाने को लेकर जिला प्रशासन ने अब सख्त रुख अपना लिया है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की संयुक्त टीमें गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो सोमवार से शहर के 97 निजी विद्यालयों का दौरा कर आरटीई प्रवेश प्रक्रिया की निगरानी करेंगी।

बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जिन बच्चों का चयन आरटीई के अंतर्गत हो चुका है, उन्हें किसी भी स्थिति में प्रवेश से वंचित न रखा जाए। प्रशासनिक टीम यह सुनिश्चित करेगी कि चयनित बच्चों को समय से विद्यालयों में प्रवेश मिले और अभिभावकों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए।

❐ डीएम के निर्देश पर सोमवार से 97 निजी स्कूलों की होगी जांच, केंद्रीय विद्यालयों पर भी उठे सवाल

सूत्रों के अनुसार राजधानी में अब तक लगभग 13 हजार बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश मिल चुका है, जबकि चार हजार से अधिक बच्चे अभी भी प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कई अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि कुछ निजी विद्यालय नियमों की अनदेखी कर चयनित बच्चों को प्रवेश देने में टालमटोल कर रहे हैं।इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने कई निजी विद्यालयों को नोटिस जारी किए हैं। वहीं प्रवेश में लापरवाही एवं नियमों की अवहेलना करने वाले 150 से अधिक स्कूलों के खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई हैं।

अभिभावकों का कहना है कि कुछ विद्यालय दस्तावेजों में कमी बताकर बच्चों को वापस कर रहे हैं, जबकि ऑनलाइन लॉटरी में चयनित होने के बावजूद प्रवेश नहीं दिया जा रहा। कई अभिभावकों ने केंद्रीय विद्यालयों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि केंद्रीय विद्यालयों में भी आरटीई एवं बाल वाटिका प्रवेश प्रक्रिया को लेकर अभिभावकों को लगातार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि आरटीई कानून के तहत चयनित बच्चों के अधिकारों से किसी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच के दौरान दोषी पाए जाने वाले विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसजीपीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में स्पाइन ट्रॉमा केयर हुई आसान

एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में नियमित रूप से हो रही स्पाइनल ट्रॉमा सर्जरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के न्यूरोसर्जरी विभाग में अत्याधुनिक सी–आर्म नेविगेशन तकनीक से स्पाइन ट्रॉमा केयर आसान हुई है। एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के न्यूरोसर्जरी विभाग ने नवस्थापित अत्याधुनिक सी-आर्म और स्पाइनल नेविगेशन सिस्टम का उपयोग करके एक आघातजन्य डी 10 कशेरुक फ्रैक्चर से पीड़ित रोगी के लिए न्यूनतम इनवेसिव स्पाइनल फिक्सेशन सर्जरी के सफल प्रदर्शन के साथ एडवांस ट्रामा केयर में एक और मील का पत्थर हासिल किया है।

यह सर्जरी एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के प्रमुख डॉ. अरुण श्रीवास्तव और न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर अवधेश जायसवाल के मार्गदर्शन डॉ. पवन वर्मा और डॉ. आशुतोष कुमार ने सफलतापूर्वक की है। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. वंश और डॉ. प्रतीक बैस ने किया। डॉ. आशुतोष

कुमार ने बताया कि पिछले पाँच वर्षों से एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में स्पाइनल ट्रॉमा के लिए न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी नियमित रूप से की जा रही हैं। हालाँकि, उन्नत सी-आर्म इमेजिंग और नेविगेशन प्लेटफॉर्म की शुरुआत सर्जिकल सटीकता, सुरक्षा और रोगी देखभाल की समग्र गुणवत्ता में एक बड़ी छलांग है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक सर्जरी के दौरान कंप्यूटर-गाइडेड नेविगेशन के साथ वास्तविक समय की त्रि-आयामी इमेजिंग प्रदान करती है, जिससे जटिल स्पाइनल ट्रॉमा मामलों में भी स्पाइनल इम्प्लांट्स को अत्यधिक सटीक रूप से स्थापित किया जा सकता है। स्पाइनल इंस्ट्रूमेंटेशन की सटीकता और सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार के अलावा, यह सिस्टम रोगियों और ऑपरेटिंग टीम दोनों के लिए रेडियेशन जोखिम को भी काफी कम करता है।

डॉ. पवन वर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ओ-आर्म और नेविगेशन सिस्टम की स्थापना एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के लिए एक बड़ी तकनीकी/सर्जिकल उन्नति है और इससे मरीजों के घरों के करीब विश्व स्तरीय स्पाइन और ट्रॉमा देखभाल प्रदान करने की इसकी क्षमता में काफी मजबूती आती है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश और पड़ोसी क्षेत्रों के नागरिक अब दूर के महानगरों की यात्रा किए बिना किफायती लागत पर उन्नत न्यूनतम इनवेसिव स्पाइनल सर्जरी का लाभ उठा सकते हैं। सर्जिकल टीम ने इस बात पर जोर दिया कि यह अत्याधुनिक तकनीक आम जनता के लिए उपलब्ध ट्रॉमा और स्पाइन देखभाल के स्तर को काफी बढ़ाएगी।

एपेक्स ट्रॉमा सेंटर की न्यूरोसर्जिकल टीम में डॉ. वेद प्रकाश मौर्य, डॉ. सौमेन कांजीलाल और डॉ. श्रेयश राय भी शामिल हैं, जो मिलकर केंद्र में चौबीसों घंटे व्यापक न्यूरोसर्जिकल और स्पाइन ट्रॉमा देखभाल सेवाएं प्रदान करते हैं। डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार समर्थित ट्रॉमा केयर सेवाओं के तहत, चोट लगने के 24 घंटों के भीतर एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में आने वाले मरीज़ पहले 24 घंटों के लिए मुफ्त आपातकालीन उपचार के हकदार हैं। इससे गंभीर और संभावित रूप से जानलेवा स्पाइनल चोटों का समय पर प्रबंधन संभव हो पाता है।

डॉ. अवधेश जायसवाल ने कहा कि यह उपलब्धि एसजीपीजीआई में उन्नत स्पाइन केयर सेवाओं को मजबूत करने और राज्य में रोगी देखभाल के लिए विश्व स्तर पर विकसित हो रही तकनीकों को लाने की दिशा में न्यूरोसर्जरी विभाग के अथक प्रयासों को दर्शाती है। संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रोफ़ेसर डॉ. आर. के. धीमन ने टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

थाना समाधान दिवस में पहुंचे डीएम व एसपी, फरियादियों की समस्याएं सुन दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद में आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने थाना सदरपुर पहुंचकर जनसुनवाई की और फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं।

थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस के दौरान भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस एवं अन्य मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, न्यायोचित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

डीएम डॉ. राजागणपति आर. ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा मौके पर जाकर जांच कर वास्तविक स्थिति के आधार पर कार्रवाई की जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और पीड़ितों को न्याय दिलाने में तत्परता दिखाएं। समाधान दिवस के दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि अन्य मामलों के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

गुरुकुल विद्या पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस का भव्य आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर।गुरुकुल विद्या पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, प्रेम और सम्मान के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए अनेक भावपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किए।होस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों ने अपनी माताओं को भावनाओं से भरे पत्र लिखकर पोस्ट किए, जिससे दूर रहकर भी उन्होंने अपनी ममता को महसूस कराया। वहीं प्री-प्राइमरी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मम्मियों के लिए सुंदर कार्ड, आकर्षक फोटो फ्रेम तथा अनेक प्रकार के मनमोहक क्राफ्ट वर्क तैयार किए। बच्चों के हाथों से बने इन उपहारों ने सभी माताओं का हृदय जीत लिया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं। छुट्टी के समय जब माताएँ अपने बच्चों को लेने विद्यालय पहुँचीं, तब बच्चों ने अपने हाथों से बनाए हुए कार्ड और गुलाब के फूल भेंट कर उनका स्वागत किया। यह दृश्य अत्यंत भावुक और आनंदमय रहा। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी माताओं की आरती उतारी, उन्हें तिलक लगाया, उनके चरण स्पर्श किए और अपने प्रेम एवं सम्मान को बड़े ही सुंदर तरीके से व्यक्त किया। विद्यालय परिसर भारतीय संस्कृति, संस्कार और मातृभक्ति की भावना से सराबोर दिखाई दिया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या नीरा मिश्रा, पीठाधीश्वर साकेत मिश्रा, सहपीठाधीश्वर पूनम मिश्रा तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी के सहयोग और स्नेह से माताओं को प्रेम, सम्मान और संस्कारों से भरा एक सुंदर उपहार प्रदान किया गया।

पूरा कार्यक्रम मातृ प्रेम, भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का अद्भुत उदाहरण बना।

थाना समाधान दिवस : थाना फरधान में डीएम-एसपी ने सुनी समस्याएं, दिए निस्तारण के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

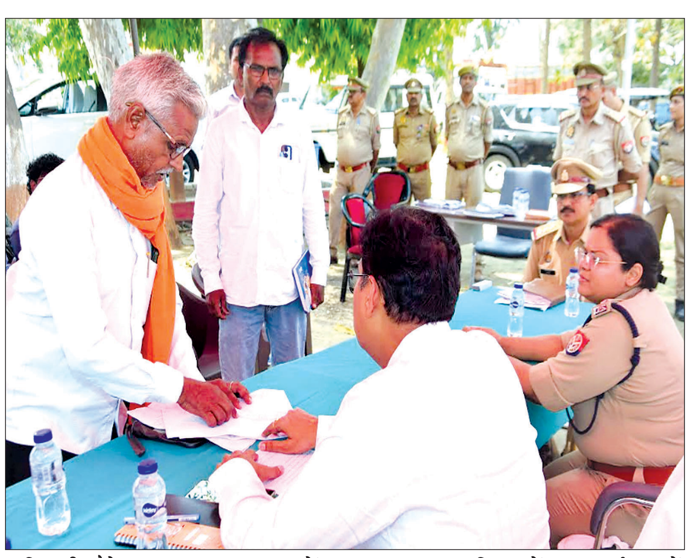

लखीमपुर खीरी। जिले के सभी थानों में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस और भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। पुलिस, प्रशासनिक अफसरों ने शिकायत सुनकर निस्तारण कराया। डीएम अंजनी कुमार सिंह और एसपी डॉ ख्याति गर्ग ने थाना फरधान में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचे, जहां उन्होंने फरियादियों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी।

समाधान दिवस में डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि राजस्व-पुलिस से सम्बन्धित शिकायतें का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित कराए। इसमें किसी भी स्तर पर हीलाहवाली क्षम्य नही होगी। पीड़ितों की समस्याओं को खुद समझ कर दूर करें। फोर्स के साथ राजस्वकर्मी मौके पर जाकर विवादित मामलों का निस्तारण करें। अगर मामला गंभीर है तो तत्काल एसडीएम, तहसीलदार को अवगत कराएं, ताकि अधिकारी मौके पर जाकर समाधान करें। डीएम-एसपी ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके विधिक निस्तारण करने के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध रूप से निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान नायब तहसीलदार सुनील कुमार, प्रभारी निरीक्षक, राजस्व एवं पुलिस के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

किडजी स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मदर्स-डे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। किडजी एलीमेंट्री स्कूल में मदर्स-डे समारोह बड़े ही उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी माताओं के स्वागत, तिलक एवं पुष्प अभिनंदन के साथ किया गया। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां हुईं। सर्वप्रथम प्लेग्रुप के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आई लव माय मॉमी गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद प्लेग्रुप की माताओं ने अपने बच्चों के साथ मेरे लिए तुम काफी हो गीत पर ग्रुप डांस प्रस्तुत किया। इसके बाद नर्सरी, जूनियर केजी आदि के बच्चों ने मां से संबंधित गीतों पर अपनी सुंदर प्रस्तुतियां कर सभी को भावुक कर दिया। जिसे सभी ने खूब सराहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मदर डांस प्रतियोगिता रही, जिसमें माताओं ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जूनियर केजी की छात्रा इश्लीन कौर की माता निमृत कौर रहीं। द्वितीय स्थान पर अथर्व गुप्ता की मां वर्षा गुप्ता ने शानदार प्रस्तुति देकर स्थान प्राप्त किया। वहीं तृतीय स्थान पर प्रिशा गुप्ता की मां आयुषी गुप्ता रहीं। विजेता माताओं को विद्यालय प्रबंधन ने उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी का आभार व्यक्त किया। पूरा कार्यक्रम प्रेम, सम्मान, खुशी और उत्साह के वातावरण में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शिल्पी अग्रवाल (अर्जुन अग्रवाल की माता), स्कूल की मैनेजिंग ट्रस्टी मंजू गुप्ता, सेंटर हेड रोशनी गुप्ता, वाइस प्रिंसिपल शिव्या श्रीवास्तव, कोऑर्डिनेटर हेमलता कामरा आदि मौजूद रहीं।

वीर महाराणा प्रताप हम सबके प्रेरणा स्रोत: राजेश शुक्ला

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने नगर स्थित कांशीराम कॉलोनी के निकट वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एवं दानवीर भामाशाह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि महाराणा प्रताप हमारी ऐतिहासिक धरोहर एवं प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने अपने साहस और पराक्रम से मुगलों के दांत खट्टे कर दिए थे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने कठिन परिस्थितियों में घास की रोटी खाना स्वीकार किया, लेकिन कभी भी मुगलों के सामने घुटने नहीं टेके। उनका जीवन स्वतंत्रता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की प्रेरणा से आज भी देशवासियों के भीतर स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के मूल्य जागृत होते हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं से महाराणा प्रताप के आदर्शों एवं संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महेश शर्मा, पटेल रेखा वर्मा, विपुल प्रताप सिंह, जया सिंह, श्रीप्रकाश सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं समर्थक उपस्थित रहे।

मासूम की हत्या से दहला बिसवां, चचेरे भाई पर कत्ल का आरोप

बिसवां। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शहरी सराय में शुक्रवार देर रात एक 12 वर्षीय बालक की हत्या की सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। जानकारी के अनुसार, हमीद का पुत्र अल्तमश (12), जो कक्षा चार का छात्र था, 8 मई की शाम करीब 5 बजे घर से अचानक लापता हो गया था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कहीं पता नहीं चला, तो रात करीब 12:30 बजे परिजन छत के रास्ते अपने ही परिवार के एक बंद पड़े मकान में दाखिल हुए, जहां कमरे के भीतर बेड के नीचे अल्तमश का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। शव को छिपाने की नीयत से बेड के नीचे दो बक्से भी लगाए गए थे और बालक की गर्दन पर चोट के गंभीर निशान पाए गए। मृतक के पिता ने अपने सगे भतीजे मुदस्सिर पर हत्या का संदेह जताते हुए पुलिस को तहरीर दी थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि वारदात के समय मुदस्सिर मकान में अकेला था और घटना को अंजाम देकर मकान बंद कर फरार हो गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और सघन तलाशी अभियान शुरू किया। ताजा जानकारी के अनुसार, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी मुदस्सिर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे हत्या की वजह को लेकर कड़ी पूछताछ की जा रही है। इस हृदयविदारक घटना से गांव में भारी पुलिस बल तैनात है और अधिकारियों का कहना है कि विधिक प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही मामले का पूर्ण खुलासा किया जाएगा।

अवैध संबंधों के चलते पत्नी के प्रेमी को मारी गोली, पुलिस मुठभेड़ में आरोपी पति गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना जलालाबाद क्षेत्र में एक युवक ने अवैध संबंधों के चलते अपनी के प्रेमी को गोली मार दी। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से पुलिस ने तमंचा, कारतूस बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है। उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीती 06 मार्च को थाना जलालाबाद क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुत्र को जान से मारने की नियत से गोली मारने की रिपोर्ट अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई थी। विवेचना में थाना कांट के गांव सैदापुर निवासी अवनीश सिंह का नाम प्रकाश में आया। इसी क्रम में बीती रात थाना जलालाबाद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या का प्रयास का वांछित अभियुक्त अवनीश सिंह कहीं भागने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस तत्काल मुखबिर के बताए हुए स्थान ग्राम पलहरई से गंगा एक्सप्रेस- वे पर पहुंची। इसी दौरान पुलिस को ग्राम पलहरई की ओर से एक मोटर साईकिल आती हुई दिखाई दी, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, तो वो मोटर साईकिल मोड़कर वापस भागने लगा और उसकी मोटर साईकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद बाइक सवार ने भागते हुए पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया, जो कास्टेवल शुभम सैनी के दाहिनी हाथ की कोहनी को छूता हुआ निकल गया। पुलिस ने भी जबाबी फायरिंग की, गोली बाइक सवार के दाहिने पैर में लगी। पुलिस पूछताछ में बाइक सवार ने अपना नाम अवनीश सिंह निवासी ग्राम सैदापुर बताया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से तमंचा, कारतूस आदि बरामद किया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसकी पत्नी का अमित सिंह से अवैध सम्बन्ध थे, इसलिए उसने अमित सिंह के सिर में गोली मारी थी और उसे मरा समझकर भाग गया था।

गांव-गांव बनेंगे युवा क्लब, दो ब्लॉकों में 50 से अधिक युवा क्लब तैयार

मुरादाबाद। गांवों के युवाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए मेरा युवा भारत अभियान के तहत जिले में युवा क्लबों का गठन किया गया है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देश पर मुरादाबाद सदर और मूंढापांडे विकासखंड में 50 से अधिक युवा क्लब तैयार किए गए हैं। जिला युवा अधिकारी सचिन कुमार ने बताया कि गांवों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से युवा क्लब गठित किए जा रहे हैं। इन क्लबों में 15 से 29 वर्ष तक के युवाओं को जोड़ा जा रहा है। क्लबों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष जैसे पद तय कर जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। इनका पंजीकरण सोसाइटी अधिनियम 1860 के तहत कराया जाएगा जिससे क्लबों को वैधानिक अधिकार भी मिल सकें। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद सदर में 28 अप्रैल से 2 मई और मूंढापांडे ब्लॉक में 30 अप्रैल से 4 मई तक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गांव-गांव पहुंचकर युवाओं को क्लब से जोड़ने का काम किया गया। कार्यक्रम अधिकारी रंजीत कुमार सैनी ने बताया कि स्थानीय युवाओं की मदद से अभियान को सफल बनाया गया।नवनियुक्त सदस्यों की बैठक कर उन्हें विभाग की योजनाओं, गतिविधियों और सामाजिक जिम्मेदारियों की जानकारी भी दी गई।अभियान में निखिल कुमार, विकास कुमार, आकाश कुमार, सौरभ सिंह, महेंद्र सिंह और चंद्र सिंह चंचल समेत कई युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जौनपुर पुलिस ने अभियुक्त को 19 किलो अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया

जौनपुर। पवारा थानान्तर्गत 19 किलो अवैध गाँजा के साथ एक अभियुक्त को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के पास से चार पहिया वाहन बरामद हुआ है। क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने बताया है कि सहनी तिराहे के पास से एक अभियुक्त पकड़ी गोदाम निवासी राजेन्द्र कुमार जायसवाल को 19 किलो 100 ग्राम अवैध गाँजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक चार पहिया वाहन बरामद हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया।

खीरी में नशे के कारोबार पर बड़ा वार: 10 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी में 'नशा मुक्त अभियान' के तहत फरधान पुलिस और ट्टडइट्ठ टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो अंतरजनपदीय शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 10.135 किलोग्राम अवैध गांजा (चिप्पड़) बरामद किया, जिसकी कीमत करीब ?1.5 लाख बताई जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी बुलेट मोटरसाइकिल (ठघ्-34 उठ्-1908) से गांजा सप्लाई करने जा रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में विवेक तिवारी निवासी आनंद नगर सलेमपुर, खीरी और शिवा उर्फ प्रियांशु अवस्थी निवासी तंबौर, सीतापुर शामिल हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि विवेक तिवारी पहले से गैंगस्टर एक्ट में वांछित है और उस पर ?10 हजार का इनाम घोषित था। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना फरधान में गक्म्ट्ट एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्मार्ट मीटर ने निकाला पसीना,बिल भरने के बाद भी अंधेरे में उपभोक्ता का परिवार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर।उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए लगाए जा रहे 'स्मार्ट मीटर' अब आम जनता के लिए मुसीबत का सबब बनते जा रहे हैं। ताजा मामला सीतापुर के देवगवां फीडर के अंतर्गत आने वाले हरनी गाँव से सामने आया है, जहाँ बिजली विभाग की लापरवाही के कारण एक परिवार भीषण गर्मी में नारकीय जीवन जीने को मजबूर है।

बिल जमा, फिर भी बिजली गुल

हरनी गाँव के निवासी पीड़ित उपभोक्ता कुलदीप सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने बिजली के बिल का पूर्ण भुगतान कर दिया है। रसीद होने के बावजूद उनके घर का स्मार्ट मीटर चालू नहीं हुआ है। आलम यह है कि चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में घर के मासूम बच्चे (नौनिहाल) बेहाल हैं, लेकिन विभाग को इसकी कोई सुध नहीं है।

अधिकारियों के चक्कर काट रहा पीड़ित

कुलदीप सिंह का आरोप है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर विभागीय अधिकारियों को कई बार सूचित किया और दफ्तरों के चक्कर लगाए, लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ। अधिकारी समस्या का समाधान करने के बजाय मामले को टाल रहे हैं।

सोशल मीडिया पर गुहार,ऊर्जा मंत्री और मुख्यमंत्री,डीएम को किया टैग

जब स्थानीय स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हुई, तो पीड़ित ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। कुलदीप सिंह ने ट्विटर के माध्यम से ऊर्जा मंत्री, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी सीतापुर को अपनी पीड़ा बताते हुए शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि इस 'स्मार्ट' मुसीबत से उन्हें जल्द निजात दिलाई जाए।

ग्रामीणों में रोष

इस घटना के बाद से क्षेत्र के अन्य उपभोक्ताओं में भी स्मार्ट मीटर को लेकर डर और रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि जब बिल जमा होने के बाद भी बिजली के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ें, तो ऐसे 'स्मार्ट' सिस्टम का क्या फायदा अब देखना यह है कि उच्च अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने के बाद बिजली विभाग की नींद कब टूटती है और पीड़ित परिवार को कब राहत मिलती है।इस संबंध में देवगवां फीडर के जिम्मेदार अधिकारीयों का कहना है कि शिकायत की जानकारी हुई है समस्या का समाधान लखनऊ स्तर से किया जागेगा।

इस सम्बन्ध में 9415901146 पर चीफ इंजीनियर द्वारा बताया गया कि स्मार्ट मीटर में रीचार्ज करने के बाद स्वतः चालू हो जाता है क्या दिक्कत हुई है इसकी जांच के लिए सम्बन्धित को निर्देश दिए गए हैं उपभोक्ताओं को किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

तहसील पलिया में डीएम अंजनी कुमार सिंह का औचक निरीक्षण, फाइलों की गहराई से परखी हकीकत, दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शुक्रवार की शाम लगभग 04:15 बजे तहसील पलिया परिसर में उस समय अफसरों में हलचल मच गई जब डीएम अंजनी कुमार सिंह अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गए। बिना पूर्व सूचना के हुए इस औचक निरीक्षण में डीएम ने तहसील की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने तहसील परिसर के विभिन्न कार्यालयों का बारीकी से भ्रमण किया और फाइलों, अभिलेख रजिस्टरों तथा कार्यालयी प्रक्रियाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने प्रत्येक कक्ष में पहुंचकर व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को परखा और संबंधित कर्मचारियों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली। तहसीलदार न्यायालय पहुंचकर उन्होंने रैंडम फाइलें मंगवाकर न सिर्फ उनका अवलोकन किया बल्कि उनके विवरण को गहराई से जांचा।

तहसीलदार न्यायालय में पहुंचकर डीएम ने रैंडम फाइलें मंगवाकर उनका स्वयं परीक्षण किया। उन्होंने मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया, लंबित प्रकरणों की स्थिति तथा रिकॉर्ड संधारण की व्यवस्था पर गहरी नजर डाली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम ने पीठासीन अधिकारी से सीधे सवाल-जवाब करते हुए लंबित और निस्तारित मामलों की प्रक्रिया पर भी कड़ी नजर डाली। इसके बाद उन्होंने खतौनी काउंटर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्था, अभिलेख संधारण और नागरिकों को दी जा रही सेवाओं की स्थिति को भी परखा। पूरे तहसील परिसर का भ्रमण कर इस दौरान एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार, तहसीलदार ज्योति वर्मा सहित अन्य राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच की की कमेटी गठित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महानगर अध्यक्ष जितेन्द्र व महानगर युवा कमेटी अध्यक्ष प्रिन्स वर्मा बने

शाहजहांपुर। राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज वर्मा सर्राफ की अध्यक्षता में एक बैठक चौक स्थित जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में महानगर व महानगर युवा कमेटी का गठन किया गया। जिसमें जिलाध्यक्ष श्यामपाल की सहमति से सर्राफा व्यापारी जितेन्द्र रस्तोगी को महानगर अध्यक्ष और प्रिन्स वर्मा को महानगर युवा कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा महानगर संरक्षक अनूप वर्मा, महानगर प्रभारी प्रदीप वर्मा, महानगर महामंत्री अजय वर्मा, संगठन महामंत्री सुरेन्द्र वर्मा, कोषाध्यक्ष ईश्वर दयाल, सह कोषाध्यक्ष पौरुष रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज सिंह, उपाध्यक्ष आशीष वर्मा, रतन वर्मा, अनुज वर्मा, मुकेश रस्तोगी, दिनेश वर्मा, संजीव रस्तोगी, वीरेन्द्र, हिमांशु, संजय वर्मा, महानगर संयुक्त मंत्री राजकमल वर्मा, महानगर मंत्री अंकुर रस्तोगी, अनूप वर्मा, संजीव रस्तोगी, रवि वर्मा, बन्टू वर्मा, कमल वर्मा, राजीव वर्मा, अतुल वर्मा, राजू वर्मा, अमन वर्मा, वरिष्ठ मंत्री गनेश वर्मा, संगठन मंत्री अनुज रस्तोगी, हरिओम रस्तोगी, कपिल रस्तोगी, महेन्द्र वर्मा, आदर्श वर्मा, सुवोध रस्तोगी, अनुराग रस्तोगी, प्रदीप वर्मा, मान सिंह, दुर्गेश वर्मा, प्रचार मंत्री धर्मेन्द्र वर्मा, रवि सेठ, सुभाष वर्मा, रामकुमार वर्मा, अनिल वर्मा, मोहित वर्मा बनाए गए। जबकि महानगर युवा कमेटी में महानगर महामंत्री मणिराज वर्मा, कोषाध्यक्ष आयुष वर्मा, उपाध्यक्ष सचिन वर्मा, स्पर्श रस्तोगी, हर्षित वर्मा नियुक्त किए गए। इस दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूलमाला पहनाकर बधाई दी गई। इस दौरान जिला संरक्षक अनिल वर्मा, संजय वर्मा, जिला महामंत्री दीपू रस्तोगी, महेश रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

संत सूरदास जयंती के उपलक्ष्य में नेत्र परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल/चन्दौसी। नगर चन्दौसी के रामबाग रोड स्थित वृद्ध आश्रम में सक्षम जिला सम्भल ऽ समदृष्टि, क्षमताविकास एवं अनुसंधान मण्डल (मेरठ प्रान्त) की सम्भल जिला इकाई द्वारा संत सूरदास जयंती के उपलक्ष्य में ल्लनेत्र परीक्षण कार्यक्रमङ्क का आयोजन भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वरिष्ठ नागरिकों, विशेषकर दिव्यांग एवं असहाय वृद्धजनों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान कुल 78 वृद्धजनों का नेत्र परीक्षण किया गया तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। जिन वृद्धजनों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई, उनके शीघ्र उपचार हेतु सक्षम संगठन द्वारा शासनिक एवं सामाजिक सहयोग से इलाज कराने का निर्णय भी लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित आरएसएस नगर प्रचारक रौनक जी ने संत सूरदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके भक्ति, समर्पण एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि ल्लसंत सूरदास जी भारतीय भक्ति परंपरा के ऐसे महान संत एवं कवि थे, जिन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि और भक्ति भाव से समाज को प्रेम, समर्पण और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास का संदेश दिया। दृष्टिबाधित होने के बावजूद उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का इतना जीवंत वर्णन किया कि आज भी उनका साहित्य जन-जन के हृदय में बसता है। सूरदास जी का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि शारीरिक सीमाएं व्यक्ति की क्षमता को नहीं रोक सकतीं, यदि उसके भीतर दृढ़ संकल्प और भक्ति का भाव हो। उन्होंने अपने काव्य के माध्यम से समाज में समानता, करुणा और भक्ति की धारा प्रवाहित की। ऐसे महान संत की जयंती हमें सेवा, संवेदना और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। मुख्य अतिथि पूर्णकालिक कार्यकर्ता मेरठ प्रान्त, आशुतोष जी ने सक्षम संगठन के कार्यों, उद्देश्य एवं समाज में उसके महत्व पर विस्तार से विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन का लक्ष्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। दिव्यांगजन समाज की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति हैं। उचित मार्गदर्शन, संसाधन एवं अवसर मिलने पर वे भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इसी सोच के साथ सक्षम पूरे देश में अपने कार्यों का विस्तार करते हुए सेवा, सहयोग, संवेदना और सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सतत प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम का समापन वृद्ध आश्रम में निवास कर रहे सभी वृद्धजनों को प्रसाद स्वरूप भोजन कराकर किया गया, इस दौरान सभी ने सक्षम भारत समर्थ भारत के एक स्वर में नारे लगाए। इस अवसर पर आरएसएस जिला व्यवस्था प्रमुख चरन सिंह, दिलीप गोयल, युवराज सिंह, जिलाध्यक्ष मंतेश वार्ष्णेय, अनुज वार्ष्णेय 'अन्नू', प्रतिभा चौधरी, डोली शर्मा, डॉ. गौरव बंसल, निशान्त शर्मा, शुभम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसुनवाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाने हेतु जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल की अभिनव पहल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल (बहजोई) । मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल द्वारा एक अभिनव पहल की गई है। जनपद स्तर पर अब सभी कार्यालय जनसुनवाई के समय (प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे जिलाधिकारी कार्यालय से जुड़े रहेंगे। इस नई व्यवस्था के माध्यम से आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं के निस्तारण की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जवाबदेही भी निर्धारित होगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संबंधित अधिकारी वास्तविक समय में जनसुनवाई प्रक्रिया से जुड़े रहेंगे, जिससे शिकायतों के त्वरित समाधान में और अधिक गति आएगी।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम स्तरीय कर्मचारियों की उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित की जाए जिससे आम जन की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान हो सके इसमें लापरवाही अक्षम्य होगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप आमजन को पारदर्शी एवं सुगम प्रशासन उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इस अभिनव व्यवस्था से जनसुनवाई प्रणाली अधिक सुदृढ़ होगी तथा जनता और प्रशासन के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा।

विशेष जन जागरुकता अभियान

सम्भल (बहजोई) कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन में आज 09 मई 2026 को स्व गणना (07 मई 2026 से 21 मई 2026 तक चलने वाली) विशेष जन जागरुकता अभियान के अन्तर्गत मीडिया दिवस के रूप में मनाया गया। पत्रकार बंधुओं द्वारा जिला सूचना अधिकारी कार्यालय पर अपनी स्व गणना की तथा अपने अपने सोशलमीडिया अकाउंट एवं व्हाट्सएप स्टेटस के माध्यम से अपनी स्व गणना करते हुए कि फोटो को साझा करते हुए जन सामान्य को स्व गणना करने के लिए प्रेरित किया। कुछ पत्रकार बंधुओं द्वारा अपने घर से ही स्व गणना करते हुए सोशलमीडिया के माध्यम से आम जन को जागरूक किया। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, जितेंद्र पाल, अंकित कुमार,पत्रकार बंधु वीरपाल सिंह, त्रिभुवन शर्मा, योगेश गुप्ता, महेन्द्र कुमार, अंशुल,अंकुर, प्रदीप गुप्ता, सचिन, आदि उपस्थित रहे।

ध्रुवदेव गुप्ता को मिला भामाशाह रत्न 2926 सम्मान

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। शूरवीर महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में क्षत्रिय महासभा द्वारा युवा मंच संगठन एवं श्री भगवा सेना के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष ध्रुव देव गुप्ता कोल्लभामाशाह रत्न 2026ङ्क सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में ध्रुवदेव गुप्ता के अस्वस्थ होने के कारण उनकी माता समाजसेविका श्रीमती आशा गुप्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता यूके वैश्य को फूलमाला, पगड़ी, तलवार एवं भामाशाह सम्मान प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर ध्रुव देव गुप्ता के माता-पिता ने क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश एवं महाराणा प्रताप विकास ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया। ध्रुव देव गुप्ता ने कहा कि अस्वस्थ होने के कारण वह कार्यक्रम में पहुंच नहीं सके, लेकिन ल्लभामाशाह रत्न 2026ङ्क सम्मान के लिए चुना जाना उनके लिएसौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि समाज के लिए जो भी कार्य वह कर पा रहे हैं, वह उनके माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार, त्याग और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के वंशजों द्वारा मिला यह सम्मान उनके लिए गर्व की बात है और वह इस सम्मान को अपनी माता श्रीमती आशा गुप्ता उर्फ मुन्नी देवी एवं पिता वरिष्ठ अधिवक्ता यूके वैश्य जी को समर्पित करते हैं। साथ ही ईश्वर से समाजहित में निरंतर कार्य करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। कार्यक्रम में एडवोकेट हरिप्रताप सिंह राठौड़, सुशील कुमार सिंह, अजय दिवाकर, रमन पटेल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस में डीएम, एसएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

बजीरगंज/बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना वजीरगंज में जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं द्वारा संयुक्त रूप से जनसुनवाई की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, कब्जा, राजस्व एवं पुलिस संबंधी शिकायतें अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं।अधिकारियों ने एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कुछ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को राहत प्रदान की गई, जबकि शेष प्रकरणों के जल्द और विधिक समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और राजस्व व पुलिस विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता की समस्याओं का प्राथमि कता के आधार पर समाधान कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर प्रशासनिक एवं पुलिस अधि कारियों की मौजूदगी में त्वरित न्याय और राहत उपलब्ध कराना है। शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अधिकारियों को नियमित निगरानी के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर थाना प्रभारी, राजस्व विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

रहस्यमय परिस्थितियों में महिला की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बिल्सी/बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के गांव अंबियापुर में खेत से घर लौट रही एक महिला की रास्ते में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार गांव अंबिया पुर निवासी डोरीलाल की पत्नी शांति (60) शनिवार शाम खेत से काम कर वापस घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में अचानक ठोकर लगने से वह गिर गईं, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्सी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित करदिया। महिला की अचानक मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है और गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

अमर्यादित बयानबाजी सपा की हताश मानसिकता का प्रमाण : राजीव कुमार गुप्ता

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। भाजपा के जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने समाजवादी पार्टी की आईटी सेल द्वारा भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं कुर्मी समाज के वरिष्ठ नेता पंकज चौधरी पर की गई अशोभनीय टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में स्वस्थ संवाद, वैचारिक मतभेद और राजनीतिक आलोचना का सम्मान होना चाहिए, लेकिन व्यक्तिगत एवं मर्यादाहीन टिप्पणियां किसी भी सभ्य राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा नहीं हो सकतीं। आगे कहा अखिलेश यादव को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या यही समाजवादी पार्टी की संस्कृति है। जनता अब समझ चुकी है कि सपा के पास विकास, सुशासन और जनहित के मुद्दे नहीं बचे हैं, इसलिए उनके नेता और आईटी सेल केवल नकारात्मक राजनीति में लगे हुए हैं। सपा आईटी सेल द्वारा की गई यह टिप्पणी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सम्मान और शालीन राजनीतिक परंपराओं में विश्वास रखती है। राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा और आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन व्यक्तिगत हमला और अपमानजनक भाषा का प्रयोग समाज में गलत संदेश देता है। उन्होंने आगे कहा सपा नेतृत्व से मांग की कि वह इस प्रकार की अमर्यादित राजनीति पर रोक लगाए और सार्वजनिक रूप से अपने कार्यकर्ताओं की भाषा एवं व्यवहार के लिए जवाबदेही तय करे।

यातायात पुलिस ने दो सौ दस वाहनों को चेक कर ढाई लाख रुपया लगाया जुर्माना

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। यातायात पुलिस अमेठी द्वारा वाहनों के मॉडीफाई साइलेंसर एवं प्रेशर हॉर्न एवं हूटर के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें दो सौ दस वाहनों को चेक करते हुये दो लाख पचास हजार रुपया जुर्माना योजित किया गया।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी यातायात दिनेश कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में शनिवार को यातायात प्रभारी शोभनाथ मय टीम द्वारा थाना क्षेत्र गौरीगंज अन्तर्गत कस्बा गौरीगंज में दोपहिया वाहनों में लगे माडीफाई साइलेंसर व वाहनों में लगे प्रेशर हॉर्न एवं हूटर के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया व कुल दो सौ दस वाहनों को चेक करते हुये दो लाख पचास हजार रुपया जुर्माना योजित किया गया।

सैनिक स्कूल में आपरेशन सिंदूर विषयक पर विशेष एनसीसी गतिविधि की गई आयोजित

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सैनिक स्कूल अमेठी में शनिवार को आपरेशन सिंदूर विषय पर विशेष एनसीसी गतिविधि का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उददेश्य कैडेट्स में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं सैन्य जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही देश सेवा की भावना को मजबूत करना रहा।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल भारत पटनी, एनसीसी सीटीओ/एएनओ मुन्ना कुमार शर्मा एवं नायब सूबेदार जितेन्द्र डिगारसे की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स के लिये ड्रिल अभ्यास, ध्वजारोहण, प्रेरणादायी संबोधन एवं ल्लआपरेशन सिंदूरङ्क से सम्बंधित विशेष वीडियो प्रदर्शन का आयोजन किया गया।अधिकारियों ने कैडेट्स को सैन्य जीवन के मूल्यों से परिचित कराते हुये अनुशासन, साहस, एकता और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया।

अनचाहे दर्द से बचने के लिए रखें खुद को फिट

बदायूँ। आजकल बदलती जीवन शैली और लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठकर काम करने की वजह से सर्वाइकल पेन, बैक पेन और फ्रोजन शोल्डर जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित व्यायाम और सही दिनचर्या अपनाकर इन समस्याओं से काफी हद तक बचा जा सकता है।फिजियोथेरेपिष्ट बलवंत अस्थाना के अनुसार फिट रहने के लिए एक्सपर्ट जिम ट्रेनर या योग प्रशिक्षक की देखरेख में नियमित शारीरिक वर्कआउट करना बेहद जरूरी है। सही एक्सरसाइज और योगासन शरीर को लचीला बनाते हैं तथा गर्दन, पीठ और कमर की मांसपेशियों को मजबूत करते हैं। बलवंत अस्थाना ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को कई दिनों तक हाथ, गर्दन, पीठ या कमर में लगातार दर्द बना रहता है तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मरीज तत्काल जिला अस्पताल बदायूं में संपर्क करें। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल, बैक पेन और फ्रोजन शोल्डर जैसी समस्याएं अधिकतर मामलों में नियमित फिजियोथेरेपी, उचित परहेज और संतुलित आहार-विहार से लगभग 15 दिनों में ठीक हो सकती हैं। साथ ही लोगों को रोजाना हल्की एक्सरसाइज, सही बैठने की आदत और शरीर को सक्रिय रखने की सलाह दी गई है।

सट्टेबाजी में जीते 70 लाख रुपये, युवक की हो गई मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं । युवक ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में 70 लाख रुपये जीती। यह रकम उसने अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर कर दी। इस दौरान युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसके परिजनों ने ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। संभल जिले के कादराबाद गांव में रह रहे बदायूं के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल वालों पर ऑनलाइन सट्टा में जीती 70 लाख रुपये की राशि हड़पने के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। शनिवार सुबह युवक के परिजनों को उसकी मौत की सूचना मिली, जिसके बाद वे शव को अपने गांव बदायूं ले आए।जरीफनगर थाना क्षेत्र के दानपुर गांव निवासी 28 वर्षीय नीरज की परवरिश उसके चाचा अनेक सिंह ने की थी। नीरज पिछले कुछ महीनों से अपनी ससुराल संभल जिले के सीमावर्ती गांव कादराबाद में रह रहा था। शनिवार सुबह करीब पांच बजे उसकी मौत की सूचना उसके पैतृक गांव दानपुर पहुंची। सूचना मिलने पर चाचा अनेक सिंह और भाई प्रेम सिंह सहित अन्य परिजन नीरज की ससुराल पहुंचे। वे नीरज के शव को अपने गांव दानपुर ले आए, जहां बदायूं में उसका शव परीक्षण कराया गया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि नीरज ने ऑनलाइन सट्टा में बीते दिनों 70 लाख रुपये की बड़ी रकम जीती थी। यह राशि उसने अपनी पत्नी के खाते में स्थानांतरित कर दी थी। चाचा अनेक सिंह ने बताया कि ससुराल वालों ने इसी राशि को हड़पने के इरादे से नीरज की हत्या की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ससुराल वाले दिल का दौरा पड़ने से मौत बता रहे हैं। दानपुर गांव में शव को लेकर विवाद बढ़ने पर जरीफनगर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और शव को शव परीक्षण के लिए बदायूं भेज दिया। मृतक नीरज के चाचा अनेक सिंह ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि नीरज ऑनलाइन सट्टा खेलता था और उसने 70 लाख रुपये की बड़ी रकम जीती थी। यह जीती हुई राशि नीरज ने अपनी पत्नी के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी थी। अनेक सिंह का आरोप है कि ससुराल वालों ने इसी 70 लाख रुपये की राशि को हड़पने के लिए नीरज की हत्या की है। परिजनों ने शव को गांव लाने के दौरान ससुरालियों पर मारपीट करने का भी आरोप लगाया है। नीरज की मौत की सूचना मिलने से लगभग बारह घंटे पहले वह अपने गांव दानपुर से ससुराल गया था। दानपुर में नीरज ने एक नया मकान और दुकान बनवाई थी, लेकिन उसमें कोई रह नहीं रहा था। बताया जाता है कि किसी ने इस नए मकान में प्रेत बाधा होने की बात कही थी, जिसके कारण उसमें रहना अशुभ माना जा रहा था। शुक्रवार को इस प्रेत बाधा को दूर करने के लिए नीरज के नए मकान में हवन-पूजन का किया था। हवन-पूजन के बाद शुक्रवार शाम करीब पांच बजे नीरज अपनी ससुराल कादराबाद लौट गया था। सीओ सहसवान अशोक कुमार सिंह ने बताया कि जरीफनगर थाना क्षेत्र के दानपुर गांव में नीरज की मौत की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की है। मृतक की पोस्टर्माटम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस ने परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

सैनिक स्कूल में आपरेशन सिंदूर विषयक पर विशेष एनसीसी गतिविधि की गई आयोजित

अमेठी,सैनिक स्कूल अमेठी में शनिवार को आपरेशन सिंदूर विषय पर विशेष एनसीसी गतिविधि का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उददेश्य कैडेट्स में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं सैन्य जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही देश सेवा की भावना को मजबूत करना रहा।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल भारत पटनी, एनसीसी सीटीओ/एएनओ मुन्ना कुमार शर्मा एवं नायब सूबेदार जितेन्द्र डिगारसे की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स के लिये ड्रिल अभ्यास, ध्वजारोहण, प्रेरणादायी संबोधन एवं ल्लआपरेशन सिंदूरङ्क से सम्बंधित विशेष वीडियो प्रदर्शन का आयोजन किया गया।अधिकारियों ने कैडेट्स को सैन्य जीवन के मूल्यों से परिचित कराते हुये अनुशासन, साहस, एकता और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया। साथ ही विद्यार्थियों को सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने के लिये प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुये अनुशासन एवं देशभक्ति की भावना का परिचय दिया।विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नाली में नवजात बालिका मिलने से फैली सनसनी

तिलोई अमेठी,थाना इन्हौना क्षेत्र के गांव चिलौली स्थित गणपति यात्री प्लाजा के पास सड़क किनारे नाली में एक नवजात बच्ची पड़े होने की सूचना मिलने पर चाइल्ड हेल्पलाइन एवं पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुये बच्ची को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन टीम के प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव, केस वर्कर रुचि सिंह, सुपरवाइजर रोशन लाल तथा पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।टीम द्वारा नवजात बच्ची को नाले से सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंहपुर में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों द्वारा जांच के दौरान बच्ची का वजन कम पाये जाने पर उसे बेहतर उपचार के लिये रेफर कर दिया गया।

श्रीमद भागवत कथा से पूर्व निकली कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी । विकास क्षेत्र सिंहपुर के कस्बा राजफत्तेपुर में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के प्रथम दिवस पर गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई।कथा व्यास इंद्रेश कौशिक जी महाराज की अगुवाई में प्राचीनतम धार्मिक स्थलों पर यजमान के साथ काफी संख्या में महिलाओं ने दर्शन पूजन किया।यह कलश यात्रा आयोजन स्थल से निकलकर बाबा घुइसर नाथ महादेव मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर ,पंचेश्वर महादेव मंदिर और हनुमानगढ़ी राजापुर सहित कस्बे के प्रमुख मंदिरों से होते हुये पुनः आयोजन स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा में महिलाओं और बच्चों की बड़ी संख्या में मौजूदगी और पीले वस्त्र यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। भक्ति गीतों पर श्रद्धालु जमकर झूमे और खूब अबीर गुलाल उड़ाया गया।आयोजक तेज नारायण मिश्रा उर्फ पप्पू ने बताया कि सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया है। अयोध्या धाम के मां कामाख्या देवी मंदिर से पधारे आचार्य इंद्रेश कौशिक महाराज के द्वारा प्रतिदिन शाम पांच बजे से नौ बजे तक श्रीमद भागवत की कथा सुनाई जायेगी।इस अवसर पर यजमान तेज नारायण मिश्रा उर्फ पप्पू ,राहुल मिश्रा, आशीष नंदन त्रिपाठी, अनुज शुक्ला, सुजीत पाण्डेय,अनुराग मिश्रा,उपेन्द्र मिश्रा, विजय तिवारी , रंजीत पाण्डेय, राजीव त्रिवेदी सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

अवैध रूप से संचालित स्कूल पर डीआईओएस का छापा

अमेठी । कोतवाली क्षेत्र के गांव गुंगुवाछ में संचालित मां गायत्री मेमोरियल पब्लिक स्कूल पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने छापा मारकर जांच की तो बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई। प्रबंधतंत्र द्वारा अवैध तरीके से कक्षा नौ और दस की कक्षाएं संचालित की जा रही थी जिन्हें डीआईओएस ने बंद करने का निर्देश दिया है। अवैध रूप से संचालित कक्षाओं की सूचना पर डीआईओएस द्वारा छापेमारी किये जाने से जनपद में खलबली मच गई है। बताते चलें कि उक्त विद्यालय दो सौ बीस केवीए पावर हाउस के ठीक बगल में संचालित हो रहा था जहां कक्षा एक से लेकर दस तक की कक्षाएं डंके की चोट पर संचालित की जा रही थी जिसमें लगभग चार सौ बच्चे नामांकित हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश द्विवेदी द्वारा किये गये निरीक्षण के दौरान बच्चों ने स्वीकार किया कि उन्हें अधिकांश किताबें केवल एक ही दुकान से खरीदनी पड़ती हैं। बताते चलें कि गांव के ही एक नागरिक द्वारा जिलाधिकारी को पत्र भेजकर विद्यालय के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि एक वर्ष की अस्थाई मान्यता के आधार पर कई वर्षों से विद्यालय का अवैध संचालन किया जा रहा है।शिकायत में यह भी कहा गया कि विद्यालय की मान्यता जिस स्थान के लिये ली गई थी वहां से लगभग दो किलोमीटर दूर दूसरे स्थान पर विद्यालय संचालित किया जा रहा है।

पति समेत ससुराल पक्ष के सात लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जयसिंहपुर क्षेत्र के भीखपुर गांव में दहेज उत्पीड़न और तीन तलाक का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता सबीना बानो ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के सात लोगों पर मारपीट, मानसिक प्रताड़ना और घर से निकालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के मुताबिक उसकी शादी वर्ष 2018 में भीखपुर निवासी रहीश के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही पति, ससुर, देवर, जेठ, सास और जेठानी उस पर मायके से एक लाख रुपये लाने का दबाव बनाने लगे। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। सबीना ने बताया कि उसका पति दुबई में काम करता था और पिछले वर्ष नवंबर में घर लौटा था। इसके बाद उसने व्यवसाय शुरूकरने के नाम पर मायके से रुपये लाने की बात कही। पीड़िता ने पिता के निधन और परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की बात कही तो ससुराल पक्ष का व्यवहार और अधिक कठोर हो गया। आरोप है कि बीते 27 मार्च को पति और अन्य परिजनों ने उसके साथ मारपीट की और गला दबाकर जान लेने की कोशिश की। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो मामला शांत हुआ। इसके बाद पति उसे घर से निकालकर मायके के पास छोड़ गया। पीड़िता का यह भी कहना है कि रास्ते में पति ने तीन बार तलाक बोलकर रिश्ता खत्म करने की बात कही और बाद में मोबाइल पर भी तलाक देने का संदेश भेजा। साथ ही दोबारा घर आने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का खेल जारी, प्रशासन पर उठे सवाल

पूरनपुर। जनपद के थाना सेहरामऊ उत्तरी की गढ़वा चौकी क्षेत्र अंतर्गत कुरैया इलाके में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार बेखौफ तरीके से जारी होने का मामला सामने आया है आरोप है कि दिन हो या रात, मिट्टी माफिया लगातार जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए धरती का सीना चीर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय मौन साधे हुए हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चल रहे अवैध खनन से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है रात-दिन दौड़ रही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की गड़गड़ाहट से लोगों की नींद हराम हो चुकी है, वहीं ग्रामीण सड़कों की हालत भी खराब होती जा रही है ग्रामीणों के अनुसार, कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अवैध खनन पर रोक नहीं लग पा रही है इससे प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि आखिर किसके संरक्षण में यह गोरखधंधा खुलेआम संचालित हो रहा है क्षेत्र में चर्चा है कि खनन माफिया इतने बेखौफ हैं कि उन्हें कार्रवाई का कोई डर नहीं है वहीं जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी लोगों के बीच कई तरह के सवाल खड़े कर रही है अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और अवैध मिट्टी खनन के इस खेल पर कब तक लगाम लग पाती है ।

योगी राज में छपिया ब्लाक में मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर हों रहा फर्जीवाड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । बहराइच के शौक बहराइची ने शायद अपनी कलम से बर्बाद गुलदस्ता वाली कहानी लिखी हो गी तो शायद उनके जेहन में उस वक्त सरकारी तंत्र रहा होगा। लेकिन आज सत्तर साल बाद भी गोंडा के सिस्टम को देख कर लगता है कि शहर ने भवि ष्य ने देख लिया था। गोंडा जनपद में सरकारी सि स्टम में नियम बाद में छपते हैं,उन्हें ठेंगा दिखाने के लिए गोंडा जनपद के हुकुमरानो के मेज पर पहले से सजी होती है।भारत सरकार ने मनरेगा भ्रष्टाचार कि कमर तोड़ने के लिए बड़े जोर-तोड़ से बायोमे ट्रिक हाजिरी का चाबुक चलाया नियम बना कि मा र्च से मनरेगा में हाजरी मौके पर आफ लाइन नहीं मोके पर आन लाइन हाजरी होंगी।नियम बना कि मजदूर के आँखो कि रेटीना पुतालिओ कि जांची

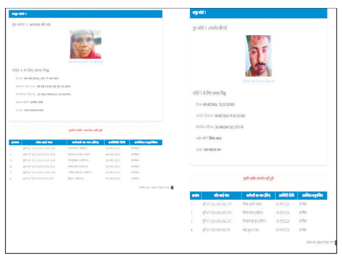

जायेगी एमएनएसएप पर उनकी फोटो अपलोड होंगी तभी उनकी दिहाड़ी पक्की मानी जाएगी म कसद साफ था कि खेला बंद हो लेकिन गोंडा के महारथियों ने इस डिजिटल दीवार में ऐसी सेंधमा री है कि विज्ञान भी शर्मिंदा हो जाए।छपिया ब्लॉक में मनरेगा योजना बेपटरी हो चुकी है और यहां भ्र ष्टचार अपनी चरम सीमा पर है।बीडीओ,एपीओ व तकनीकी सहायक से लेकर अन्य जिम्मेदार अधि कारी जान - बूझकर आंखें बंद किए हुए हैं और

एक ही चेहरे से भरी जा रही है दर्जनों श्रमिकों की हाजिरी

हर शाख पे उल्लू बैठा है, अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा

सरकारी धन की बंदरबांट का आलम यह है कि फर्जी मस्टर रोल के जरिए केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना को पलीता लगाया जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि आखिर यहां मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार पर कब नकेल लगेगी।बताते चलें कि छपिया विकास खंड की ग्राम पंचायत

बौहान में मनरेगा पोर्टल पर खंगालने की कोशिश की तो एक ही फोटो से डबल रोल का खेल बदस्तू र जारी मिला है,ग्रामपंचायत बौहान में गौरा से पि परा सरहद तक नाला सफाई तक एक कार्य पर मस्टर रोलमें 31 श्रमिक दिखाए गए लेकिन जो फोटो मनरेगा के साइट पर अपलोड की गई है, उसमें बड़ा खेल हुआ है और सच्चाई से पर्दा उठ गया है,इसी तरह ग्राम पंचायत मसकनवा में दो का र्य के लिए 53 श्रमिकों का मस्टर रोल चल रहा है, लेकिन गाँव में मनरेगा का भ्रष्टाचार के आगे दम घुट रहा, मनरेगा पोर्टल पर जो फोटो अपलोड की गई है,उसमें सभी एक जैसी दिखा ई दे रही हैं।ऐसे में यह खुलासा हो रहा है कि डबल रोल का खेल छपिया ब्लॉक में बेखौफ जारी है।जिस तरह से छ पिया ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार चल रहा है,वह सिस्टम पर सवाल ख ड़ा करता है।ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है बल्कि जांच के नाम सिर्फ पर खानापूर्ति कर जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लि या जाता है।ऐसे में इस योजना का लाभ लोगों को न हीं मिल पा रहा है।ग्रामीण इसके लिए खंडविकास अधिकारी,एपीओ डीसी मनरेगा और तकनीकी सहायक को ज्यादा जिम्मेदार बता रहे हैं।वही ब्लॉक में तैनात एक कर्मचारी में ने नाम न छापने की शर्त पर बतायाकि इस कारनामे को अंजाम देने में सिर्फ प्रधान व एपीओ ही जिम्मेदार नहीं है,बल्कि ब्लॉक के अफसर,ब्लॉक प्रमुख और बीडीओ की भी इसमें बराबर की हिस्सेदारी बताई जाती है।बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराने के नाम पर बौहान,इटाइलिया खुर्द,खपरी पारा,मसक नवां,शीतलगंज अनुदान और तेजपुर के प्रधान ने अपने रसूख से मनरेगा योजना को पलीता लगाने का ऐसा जाल बुन रखा है,जिसे भ्रष्टाचार की पर काष्ठा कहा जा सकता है।गांव वालो का आरोप है कि ब्लॉक के बीडीओ ने मातहतों को लूट करने की खुली छूट दे रखी है।

नन्हे शेफ्स ने दिखाया हुनर, रीआन स्कूल में लगा स्वादों का मेला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फूड फ़ेस्टिवल में दिखी रचनात्मकता टीमवर्क और स्वाद का शानदार मेल

नानपारा, बहराइच । मिहिंपुरवा रोड स्थित रीआन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में विदाउट फायर कुकिंग एक्टिविटी के अंतर्गत फूड फ़ेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बिना आग के तैयार किए गए विभिन्न व्यंजनों की आकर्षक प्रस्तुति देकर अपनी रचनात्मकता, टीमवर्क और पाक कला का शानदार प्रदर्शन किया। फूड फ़ेस्टिवल में बच्चों ने मोजिटो, कोल्ड कॉफी, फ्रूट चाट, दही भल्ला, सैंडविच, लस्सी, भेलपुरी सहित कई स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए। छात्रों की प्रस्तुति और सजावट ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. साबिर हुसैन एवं प्रिंसिपल सीमाब जहाँ ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरे पर दिखी खुशी, आत्मविश्वास और उत्साह ने आयोजन को यादगार बना दिया। इस मौके पर शारिक मोईन, सबीहा अंसारी, नौशी खान, प्रीती, रईसा, नाहिदा, इफ्फत, सबा, यशफी, कहकशा, रीना, ज्योत्सना, नाहिद, मधु, नैमिश, अंसार, फैज़, विकास, अंकित, राजन, अमज़द, नोमान, आज़म, शिव कैलाश आदि लोग मौजूद रहे।

पंचायत भवनों पर लटक रहे ताले कागजों में चल रही गांव की सरकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । गांव में ही लोगों को जरूरी सुविधाएं मिले। इसके लिए जिले की 1054 ग्राम पंचायतों में पंचा यत भवन बनाए गए। वर्तमान में अस्सी फीसदी पं चायत भवनों पर ताले लटक रहे हैं।सिर्फ कागजों में गांव की सरकार चल रही है।पंचायत भवनों के बंद रहने से ग्रामीण प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए भ टक रहे हैं। साथ ही विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।ग्राम पंचायतों में लाखों रुपये से पंचायत भ वनों का निर्माण कराया गया है, जिससे ग्रामीणों को सहूलियत मिल सके,उनका आय,जाति निवास मृत्यु सहित अन्य प्रमाण-पत्र स्थानीय स्तर पर ही बन जाएं। उन्हें ब्लॉक व तहसील का चक्कर न लगाना पड़े।लेकिन,पंचायत भवनों के बंद रहने के कारण इस उद्देश्य पर पलीता लग रहा है। शासन स्तर से गांवों को सशक्त व हाईटेक बनाने के उद्दे श्य से ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर करवाया गया है।ग्रामी णों को जरूरी अभिलेखों के लिए ब्लॉक व तहसी ल का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए पंचायत सहायकों की नियुक्ति भी की गई है।पंचायत सहा यकों को पंचायत भवन में बैठकर कार्य पूरा करना है।दूसरी तरफ पंचायती राज विभाग की दलील है कि वर्तमान में पंचायत सहायकों की जनगणना में लगी हुई है।इसलिए पंचायत भवन बंद चल रहे हैं। पंचायत भवनों के बंद रहने के कारण ग्रामीणों को पांच से बीस किलोमीटर दूर ब्लॉक व तहसील जा ना पड़ रहा है।

फॉर्मासिस्ट नहीं अनट्रेंड लोग दे रहे मेडिकल स्टोर्स पर दवाएं

शहर से लेकर जिले भर में एक फॉर्मासिस्ट के नाम पर कई दुकानें संचालित

मेडिकल स्टोर्स किसी ओर के नाम से और संचालन कर रहा कोई ओर

कार्रवाई के नाम पर जिम्मेदार विभाग कर रहा सिर्फ खानापूर्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । शहर से लेकर जिले भर में मरीजों की जान से खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है।मेडिकल स्टोर्स प र अनट्रेंड लोग दवा दे रहे हैं। जिला प्रशासन जहां गहरी नींद में सो रहा है तो जिम्मेदार विभाग हाथों पर हाथ रख सब देख रहा है।ड्रग विभाग की ओर से कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है, जिसका नतीजा है कि जिले भर में एक फॉर्मासि स्ट के नाम पर कई दवा की दुकानें धड़ल्ले से संचा लित हो रही हैं।एक समय था जब, फार्मासिस्ट के नाम पर ही मेडिकल स्टोरों का संचालन होता था, लेकिन समय के साथ अब राशन की दुकानों की तरह हर गली मोहल्ले में मेडिकल स्टोर खुले मिल जाएंगे। इनमें बड़ी संख्या में मेडिकल स्टोर बिना वैध लाइसेंस और बिना किसी पंजीकृत फार्मासि स्ट के संचालित हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इन मेडिकल स्टोर पर दवा देने वाले लोग इस के लिए पात्रता तक नहीं रखते और वह मरीजों को ऐसी दवाएं भी देते हैं जिनका देने का अधिका र केवल फार्मासिस्ट को ही होता है,सूत्र बता रहे है

कि शहर से लेकर जिले भर में एक ही फार्मासिस्ट के लाइसेंस पर क ई मेडिकल स्टोर्स चलाने की ख बरें आए दिन सामने आ रही है।इसके अलावा कई मेडिकल स्टोर्स ऐसे भी हैं जो किसी ओर के नाम से रजिस्टर्ड हैं और उसका संचालन कोई और कर रहा है। लेकिन उसके बावजूद भी औषधि नियंत्रक विभाग इन मेडिकल स्टोर्स पर कोई कार्रवाई नहीं करते,जबकि नियमानुसार हर विभाग के जिम्मेदा रों को बीस दुकानों की जांच पड़ताल करना होता है।हां कभी-कभी कार्रवाई के नाम पर जरूर खाना पूर्ति कर ली जाती है।शहर और जिले भर में संचा लित मेडिकल स्टोर्स की जानकारी जब औषधि नि यंत्रक विभाग से मांगी गई तो वह इसका सटीक जवाब नहीं दे सका।विभाग के अनुसार जिले भर में जितनी दुकान रजिस्टर्ड हैं उससे दुगना है जिले में अवैध रूप से संचालित हो रही है।

फुटपाथ पर गैराज, कहीं सज रही दुकान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। लोगों के पैदल चलने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर बनवाए गए फुटपाथ अतिक्रमण की गि रफ्त में हैं। कहीं फुटपाथ पर गैराज चल रहे हैं तो कहीं दुकानें सज रही हैं।इसका खामियाजा राहगी रों को भुगतना पड़ रहा है।रोज शहर के विभिन्न इ लाकों के जाम लग रहा है।अतिक्रमण हटाने की बात करने पर नगर निगम व पुलिस विभाग के अफसर एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते रहते हैं।

एलबीएस चौराहे से नगर कोतवाली तक कब्जा

एलबीएस चौराहे से नगर कोतवाली तक शहर का मुख्य गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स का बाजार है। इस सड़क से सैकड़ों महिलाएं और स्कूली बच्चे भी गु जरते हैं। उन्हें पैदल चलने के लिए फुटपाथ नहीं मिलता।फखरुद्दीन अली अहमद इंटर कॉलेज की ओर से आने के बाद सड़क के एक तरफ ऑटो पा र्ट्स की दुकानें हैं।दूसरी तरफ मिस्त्रियों के गैराज है इन दुकानों के बाहर फुटपाथ पर पूरी तरह से मि स्त्रियों का कब्जा है।यहां दर्जनों से अधिक फोर व्हीलर गाड़ियां,40-50 मोटर साइकिल हमेशा ख ड़ी रहती हैं।दिनभर मिस्त्री फुटपाथ पर काम करते रहते हैं,लिहाजा आप पैदल निकल ही नहीं सकते। थोड़ा और आगे बढ़ने पर शोरूम हैं। इन लोगों ने यहां स्टैंड बना लिया है। इसके आगे फुटपाथ पर कब्जा है।

झूलेलाल चौराहा से अग्रसेन चौक तक यही हाल

बड़गांव पुलिस चौकी (झूलेलाल चौराहा) से अग्र सेन चौक तक सड़क के दोनों पुत्री पर दुकानदारों ने कब्जा जमा लिया है थोड़ी सी बीच सड़क बची हुई है जिसमें मोटर गाड़ियां दौड़ रही हैं, लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो रहा है यहाँ न तो यहां सा इकिल ट्रक चल पाया न ही फुटपाथ कामयाब हो सका।सड़क के दोनों तरफ फुटपाथ पर कब्जा है। कहीं जमीन पर दुकान सजा कर बैठे हैं तो कहीं ठे ले लगाकर दुकानें सजा ली गई हैं तो कहीं खोखे व फड़ रख लिए गए हैं। दिन-रात पुलिस यहां से गुजरती रहती है पर यह अतिक्रमण किसी को न हीं दिखता। इसी रास्ते से लोग ट्रेन पकड़ने के लिए जाते हैं कभी-कभी जाम में फंसकर लोगों की ट्रेन छूट जाती है।

गुरु नानक चौक से गुड्डू मल चौराहे तक कब्जा

गुरु नानक चौक से लेकर गुड्डू माल चौराहे तक गों डा नगर पालिका परिषद ने करोड़ों रुपए खर्च क रके राजधानी लखनऊ हजरतगंज की तर्ज पर नो बेंडिंग जोन बनाया था जो अब दुकानदारों के फुटपाथ और ठेले वालों के कब्जे का शिकार हो कर रह गया है। जगह-जगह ठेले लगा लिए गए हैं। कबाब सेंटर से लेकर सब्जी के खोखे, ठेले, होटल आदि खुल गए हैं।दुकान के बाहर पार्किंग सज र ही है महिला अस्पताल में मरीजों का निकलना मु श्किल हो रहा है आए दिन महिलाएं जम के जाम में जो जाती रहती हैं।यहाँ भी पैदल नहीं निकल स कते।

गुरु नानक चौराहे से जिला अस्पताल तक जाम

गुरु नानक चौराहे से लेकर जिला अस्पताल तक सड़क के दोनों तरफ स्वॅपिंग मॉल और दुकानदारों ने अर्से से कब्जा कर रखा है।सड़क के दोनों तरफ कारें खड़ी मिल जाएंगी।यहां अतिक्रमण के कारण सड़क पर जाम लगा रहता है। साप्ताहिक बंदी को छोड़कर रोज यहां जाम लगता है।तमाम वीआईपी व अधिकारी इस रोड से गुजरते हैं पर फुटपाथ पर हुआ अतिक्रमण उनको नहीं दिखता है वह तो अप ना हूटर बजाते हुए निकल जाते हैं लेकिन परेशान होती है आम जनता।

वीरता, साहित्य और मातृत्व भाव के संग मनाई गई महाराणा प्रताप, रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती व मदर्स डे

नानपारा, बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामकृष्ण नगर नानपारा में शनिवार को महाराणा प्रताप जयंती, रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती एवं मातृ दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष सक्सेना ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए महाराणा प्रताप के पराक्रम, त्याग, बलिदान एवं वीरता पर प्रकाश डाला तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। वहीं मातृ दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं प्रधानाचार्य ने अपने विचार व्यक्त कर मां के महत्व को बताया। इस अवसर पर छात्र संसद एवं कन्या भारती चुनाव के परिणाम भी घोषित किए गए। छात्र संसद के प्रधानमंत्री पद पर कक्षा 11 के शौर्य सिंह तथा कन्या भारती की प्रधानमंत्री पद पर कक्षा 12 की अपर्णा श्रीवास्तव को चुना गया। दोनों का शपथ ग्रहण समारोह 15 मई को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त आचार्यगण उपस्थित रहे।

सऊदी अरब में रोजगार के लिए कर सकते हैआवेदन

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से सऊदी अरब में विभिन्न तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों पर बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इच्छुक अभ्यर्थी पोर्टल पर रोज़गारसंगम डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन पर निःशुल्क पंजीकरण कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जिला सेवायोजन अधिकारी श्री कुमार ने बताया कि यह भर्ती केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए है। चयनित अभ्यर्थियों को लगभग 43,962 से 99,188 रुपये प्रतिमाह तक वेतन प्रदान किया जाएगा। अभ्यर्थियों को स्ट्रक्चर वेल्डर, वेल्डर, वेल्डिंग, फैब्रिकेशन, प्लंबर, टेक्नीशियन आदि क्षेत्रों में कार्य का अनुभव होना आवश्यक है। अनुभव सीमा 5 से 15 वर्ष तथा आयु सीमा 25 से 42 वर्ष निर्धारित की गई है।

श्री कुमार ने यह भी बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को रोजाना आठ घंटे कार्य करना होगा तथा सप्ताह में छह दिन कार्य दिवस रहेंगे। अनुबंध अवधि दो वर्ष की होगी। कंपनी द्वारा वीजा, यात्रा, आवास एवं मेडिकल इंश्योरेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल रोज़गारसंगम डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए बहराइच-नानपारा बाईपास पर एआटीओ कार्यालय के बगल स्थित जिला सेवायोजन कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक 12 मई को

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र बहराइच ने बताया कि 12 मई 2026 को अपरान्ह 05:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु समिति एवं एम.ओ.यू. से सम्बन्धित बैठक आहूत की गई है। उपायुक्त उद्योग ने जिले के उद्यमियों, व्यापारियों एवं निर्यातकों से अपेक्षा की है कि बैठक में समय से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से समिति को अवगत करायें।

दर्दनाक हादसे में अधेड़ व्यक्ति की कुएं में गिरकर मौत

महाराजगंज,रायबरेली कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला गांव में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में अधेड़ व्यक्ति की कुएं में गिरकर मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया। आपको बता दें कि, प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी रामखेलावन पुत्र गंगाराम (लगभग 48 वर्ष) शुक्रवार देर शाम नशे की हालत में घर के पास स्थित पुराने कुएं के निकट पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वह कुएं की दीवार पर बैठने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन अत्यधिक नशे के कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और वह अचानक गहरे कुएं में जा गिरे। घटना होते ही आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुएं में गिरने की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की सहायता से काफी मशक्कत के बाद रामखेलावन को कुएं से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि, प्रथम दृष्टया मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। मृतक अत्यधिक नशे में था और संतुलन बिगड़ने के कारण कुएं में गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंपा । घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि, गांवों में मौजूद पुराने एवं खुले कुओं के आसपास सुरक्षा घेरा और चेतावनी संकेत लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

रामचरित मानस पाठ एवं वैदिक विधि विधान के साथ हुआ शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। महाराजा सुहेलदेव विजय महोत्सव का दो दिवसीय कार्यक्रम चित्तौरा झील स्थित महाराजा सुहेलदेव स्मारक स्थल पर राम चरित मानस पाठ एवं वैदिक विधि विधान के साथ शुरू हुआ । श्रद्धालु व आस्थावान जनों ने महाराज सुहेलदेव के विजयी यशोगान को जन जन तक पहुचाने का सामूहिक संकल्प भी लिया। सुहेलदेव सेवा समिति सचिव दिलीप कुमार अर्जुन ने बताया कि महाराजा सुहेलदेव विजय महोत्सव का मुख्य आयोजन आज 9 मई से शुरु होकर 10 मई तक चलेगा उन्होंने बताया कि 9 मई दिन शनिवार पूर्वाह्न राम चरित मानस का अखंड पाठ शुरू हुआ जोकि 10 मई रविवार मध्याहन समाप्त होगा। उन्होंने बताया कि 10 मई मध्याहन भजन संध्या एवं कवि सम्मेलन का भी आयोजन प्रस्तावित किया गया है तत्पश्चात आगंतुक अतिथियों द्वारा महाराजा सुहेलदेव का यशोगान किया जाएगा ।मालवीय मिशन अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट ने बताया कि 10 मई रविवार को आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सको द्वारा लोगो का निःशुल्क इलाज किया जाएगा तथा औषधियां भी वितरित किया जाएगा। गायत्री चेतना केंद्र में आयोजित महराज सुहेलदेव सेवा समिति की बैठक में प्रमुख रूप से साहित्यकार शैलेंद्र मिश्र, निशा शर्मा, डॉ दयानंद, प्राचार्य आर0पी0एन0 श्रीवास्तव ,समाजसेवी कृष्ण मोहन गोयल, संघ विचारक ओम प्रकाश सक्सेना, आर0एस0श्रीवास्तव, प्रेम चंद्र,पंडित जगदीश मिश्र, डॉ ओम प्रकाश राजभर, सनातन समाज नेता विनय मिश्रा, संघ विचारक राम चंदर सिंह,पंडित दिलीप आदि लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन सचिव अर्जुन कुमार दिलीप ने किया तथा अध्यक्षता कृष्ण मोहन गोयल ने किया।

मंदबुद्धि युवक ने दिव्यांग भाई को उतारा पीटपीट कर मार डाला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र के पृथ्वी पाल ग्रांट ग्राम पंचायत के महतोडीह मजरे में शुक्रवार देर मानसिक रूप से विक्षिप्त बताए जा रहे छोटे भाई ने अपने दिव्यांग व मंदबुद्धि बड़े भाई की डंडे से पीटकर हत्या कर दी।घटना के बाद आरोपी भाई शव के पास ही सो गया। सुबह परिवार के लोगों को घटना की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई।बताया जाता है कि शुक्रवार देर रात करीब दो बजे 26 वर्षीय विराट तिवारी ने अपने बड़े भाई 39 वर्षीय सुमित तिवारी के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से सुमित की मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब परिजन जागे तो सुमित को मृत अवस्था में पाया।पूछताछ में विराट ने खुद ही हत्या की बात स्वीकार कर ली।इसके बाद परिवार वालों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।सूचना मिलते ही धानेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।सीओ सदर शिल्पा वर्मा ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।परिजनों के अनुसार मृतक सुमित तिवारी लगभग 90 प्रतिशत दृष्टिबाधित थे और मानसिक रूप से भी कमजोर थे। करीब दस वर्ष पहले उनकी शादी इटियाथोक क्षेत्र के एक गांव में हुई थी, लेकिन मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण शादी के एक वर्ष बाद ही पत्नी उन्हें छोड़कर चली गई थी। इसके बाद उनका दोबारा विवाह नहीं हुआ।

सनातन मूल्यों और गुरुओं के आशीर्वाद से महाराणा प्रताप ने प्रेरणा ली थी : सांसद संजय सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आप पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी पहुँचे। अपने संबोधन में उन्होंने महाराणा प्रताप के संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता की भावना को याद किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार महाराणा प्रताप ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विदेशी शक्तियों का सामना किया, उसी प्रकार सनातन संस्ृति में ब्राह्मण समाज ने सदैव ज्ञान, धर्म और राष्ट्र चेतना को जीवित रखने का कार्य किया है।

संजय सिंह ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्ृति की सबसे बड़ी ताकत समन्वय और सम्मान की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि ऋषि-मुनियों और ब्राह्मणों ने सदियों से समाज को दिशा देने, धर्म की रक्षा करने और संस्कारों को जीवित रखने का कार्य किया है। वेद, पुराण, रामायण और गीता जैसी महान परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने में ब्राह्मण समाज की भूमिका अतुलनीय रही है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जैसे वीरों को प्रेरणा भी सनातन मूल्यों और गुरुओं के आशीर्वाद से मिली। भारतीय संस्ृति में ब्राह्मण केवल एक समाज नहीं, बल्कि ज्ञान, तपस्या और राष्ट्रधर्म के प्रतीक रहे हैं। जब-जब देश और धर्म पर संकट आया, तब-तब ब्राह्मण समाज ने मार्गदर्शक बनकर समाज को एकजुट करने का कार्य किया। कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप की वीरता पर आधारित प्रसिद्ध पंक्तियां भी गूंज उठीं रणबीच चौकड़ी भर-भर कर, चेतक बन गया निराला था, राणा प्रताप के कोड़े से, पड़ गया हवा का पाला था। महाराणा प्रताप जयंती पर शहर में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें हजारों छात्र-छात्राएं शामिल हुए। परशुराम चौक पर विभिन्न संगठनों और ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया। क्षत्रिय कल्याण समिति के अध्यक्ष संजय सिंह ने माल्यार्पण किया, जबकि देव पुरोहित महासभा के अध्यक्ष आचार्य प्रवीण तिवारी सहित अनेक विद्वानों ने भारतीय संस्ृति और सनातन परंपरा की महिमा का वर्णन किया।

वृद्ध आश्रम पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष फल-लड्डू वितरित कर लिया आशीर्वाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने अपनी पुत्री काव्या के जन्मदिन को सेवा और मानवता के भाव के साथ मनाया। उन्होंने पूरनपुर रोड स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचकर वहां रह रहे वृद्धजनों को फल और लड्डू वितरित किए। इस अवसर पर गोकुल प्रसाद मौर्य ने बुजुर्गों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि बेटी के जन्मदिन को वृद्धजनों के बीच मनाकर उन्हें सच्ची खुशी मिली है। बुजुर्गों का सम्मान और सेवा करना हमारा कर्तव्य है। ऐसे अवसर समाज में सेवा भाव को बढ़ावा देते हैं।वृद्धा आश्रम के संचालकों और वहां रह रहे बुजुर्गों ने जिला अध्यक्ष के इस प्रयास की सराहना की। बुजुर्गों ने काव्या को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।गोकुल प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता और बुजुर्गों को सर्वोपरि स्थान दिया गया है। आज की व्यस्त जीवनशैली में हमें बुजुर्गों के लिए समय निकालना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

इस मौके पर भाजपा के कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वृद्धा आश्रम में खुशी और अपनत्व का माहौल रहा है।

हिंदू समाज को एकजुट रहने की सख्त जरूरत : पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कादीपुर/सुलतानपुर। कादीपुर में महाराणा प्रताप जयंती पर पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने प्रतिमा का अनावरण कर हिंदू समाज को एकजुट रहने और अंतिम पायदान तक आरक्षण का लाभ पहुंचाने की बात कही। मंच पर विधायक राजेश गौतम, एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह, एमएलसी शैलेन्द्र सिंह, पूर्व मंत्री ओपी सिंह समेत कई चेहरे मौजूद रहे। लेकिन राजनीति के गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा उन चेहरों की रही, जो मंच से गायब दिखे। खासतौर पर विधायक विनोद सिंह और भाजपा नेता राज बाबू उपाध्याय की गैर मौजूदगी को लोग अपने-अपने अंदाज में तौलते नजर आए। क्षेत्र में चर्चा रही कि जिनकी राजनीतिक सक्रियता हर मुद्दे पर दिखती है, वे महाराणा प्रताप जैसी अस्मिता से जुड़े कार्यक्रम से आखिर क्यों दूर रहे। वहीं जिस प्रतिमा को पहले राजनीतिक दबाव में हटवाए जाने की चर्चा रही, उसी प्रतिमा का दोबारा स्थापित होना अब कई नेताओं के लिए राजनीतिक संदेश माना जा रहा है। जनता के बीच यह सवाल भी तैरता रहा कि क्या कुछ चेहरे अब भी इस मुद्दे पर असहज हैं या फिर दूरी बनाकर अपने राजनीतिक समीकरण साध रहे हैं।

पूरनपुर में धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती प्रतिमा स्थापना को लेकर क्षत्रिय समाज का बड़ा ऐलान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती शनिवार को पूरनपुर स्थित महाराणा प्रताप चौक पर बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई क्षत्रिय करणी सेना के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में क्षत्रिय समाज के साथ विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी पूरे आयोजन के दौरान ‟जय महाराणा प्रताप” और ‟राजपूताना शौर्य अमर रहे” जैसे नारों से माहौल गूंजता रहा क्षत्रिय करणी सेना पीलीभीत के जिलाध्यक्ष ठाकुर रविंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी महाराणा प्रताप चौक पहुंचे, जहां महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई इसके बाद केक काटकर जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई हालांकि कार्यक्रम के दौरान पूरनपुर नगर पालिका चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता और भाजपा विधायक बाबूराम पासवान की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही दोनों जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, लेकिन उनके नहीं पहुंचने पर समाज के लोगों ने नाराजगी जाहिर की करणी सेना जिलाध्यक्ष ठाकुर रविंद्र सिंह ने मंच से कहा कि चेयरमैन द्वारा पूर्व में आश्वासन दिया गया था कि 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का शिलान्यास कराया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप केवल क्षत्रिय समाज ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव हैं और उनके सम्मान से जुड़े विषयों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए कार्यक्रम के दौरान क्षत्रिय समाज ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अब महाराणा प्रताप की प्रतिमा की स्थापना समाज के लोगों के सहयोग से कराई जाएगी मंच से समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से प्रतिमा स्थापना में आर्थिक और सामाजिक सहयोग देने का संकल्प लिया कार्यक्रम में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के त्याग, बलिदान और आत्मसम्मान को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को उनके जीवन से सीख लेने की जरूरत है इस अवसर पर भारतीय बजरंग दल जिला अध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा, भाजपा नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान, भाजपा नेता नवनीत मिश्रा, एडवोकेट रजनीश पांडे , अशोक राठौर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे वहीं क्षत्रिय करणी सेना के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष ठाकुर अनिल सिंह चौहान, जिला महामंत्री ठाकुर अमित सिंह, जिला उपाध्यक्ष एसपी सिंह, कलीनगर तहसील अध्यक्ष दधीचि सिंह, पूरनपुर तहसील अध्यक्ष राज ठाकुर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे है।

बेटी की विदाई से पहले घर से उठी पिता और चाचा की अर्थी

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना जगदीशपुर क्षेत्र के गांव पूरे पण्डित मजरे मुबारकपुर में आयोजित शादी की खुशियां मातम में बदल गई और बेटी की विदाई से पहले घर से पिता और चाचा की अर्थी उठ गई। दो परिवारों के बीच नौ बेटियों और तीन बेटों के सर से पिता का साया उठ गया है। इस सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों रिश्तेदारों के साथ ही ग्रामीणों की भी आंखें नम हो गई और कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव पूरे पण्डित मजरे मुबारकपुर निवासी मन्टू पुत्र राम भरोसे ने स्थानीय पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि शुक्रवार को मेरे भाई गोतम पुत्र राम भरोसे की पुत्री की शादी थी जिसके लिये गौतम व आशाराम पुत्र शिव प्रसाद कुछ घरेलू सामान लेने के लिये श्रीरामगंज चौराहे की तरफ जा रहे थे तभी लखनऊ की तरफ से तेज रफ्तार मोटर साइकिल टीवीएस राइडर संख्या यूपी 36 जेड 6661 समय लगभग पौने सात बजे मेरे भाई की मोटर साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे मेरे भाई की मोटर साइकिल डिस्कवर संख्या यूपी 33 जे 8905 भी क्षतिग्रस्त हो गयी और मोटर साइकिल चला रहे आशाराम व पीछे बैठे गौतम गम्भीर रुप से घायल हो गये जिनको उपचार हेतु सरकारी अस्पताल जगदीशपुर लाया गया जहां पर चिकित्सक के द्वारा आशाराम और गौतम को मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही कोहराम मच गया और शादी की खुशियां मातम में बदल गई परिजनों समेत रिश्तेदारों का रो रोकर बुरा हाल रहा। इस सड़क हादसे को जिसने भी सुना उसकी आंखें नम हो गई। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी धीरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर लिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

शादी के नाम पर ठगी और मानव तस्करी का आरोप, पीड़ित ने थाना दिवस में लगाई न्याय की गुहार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। शादी कराने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी और मानव तस्करी जैसे गंभीर आरोपों का मामला सामने आया है कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के गांव गजरौला खास निवासी मोहन पुत्र झम्मन ने थाना दिवस में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है पीड़ित मोहन का आरोप है कि गांव की उर्मिला पत्नी रामऔतार कुछ समय पूर्व धर्मपाल नामक व्यक्ति के साथ उसके घर आई थी दोनों ने स्वयं को कई लोगों की शादी कराने वाला बताते हुए बिहार से लड़की लाकर शादी कराने का भरोसा दिया आरोप है कि शादी कराने के नाम पर पहले एक लाख रुपये लिए गए और बाद में जेवर, कपड़े, यात्रा व अन्य खर्चों के नाम पर करीब 50 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च करा दिए गए पीड़ित के अनुसार, 8 मार्च 2026 को बिहार के गया जनपद में उसकी शादी जनता कुमारी उर्फ गनीता देवी से कराई गई विवाह के दौरान बैजूधाम समिति गुरुआ (गया) द्वारा विवाह प्रमाण पत्र भी दिया गया लेकिन शादी के कुछ दिन बाद ही महिला घर में रखी नगदी, जेवर और कीमती सामान लेकर फरार हो गई मोहन का कहना है कि जब उसने इस संबंध में शिकायत की तो उर्मिला और धर्मपाल ने लिखित समझौते में पूरा पैसा वापस दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक रकम वापस नहीं की गई उल्टा आरोपियों द्वारा धमकियां दी जा रही हैं पीड़ित ने आरोप लगाया कि यह एक संगठित गिरोह है, जो सीधे-सादे और अविवाहित लोगों को शादी का झांसा देकर ठगी करता है तथा बिहार से महिलाओं को लाकर मानव तस्करी जैसे अपराध को अंजाम देता है उसने पुलिस पर भी अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है थाना दिवस में दिए गए प्रार्थना पत्र में मोहन ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा अपनी रकम और सामान वापस दिलाने की मांग की है अब देखने वाली बात यह होगी कि पुलिस इस गंभीर मामले में क्या कार्रवाई करती है और पीड़ित को कब तक न्याय मिल पाता है।

पिपरिया मझरा में गौवंशीय अवशेष मिलने से सनसनी, राष्ट्रीय बजरंग दल ने जांच की उठाई मांग

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुंघचाई क्षेत्र के ग्राम पिपरिया मझरा में सड़क किनारे पुलिया के नीचे गौवंशीय अवशेष मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया मामले की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय बजरंग दल पूरनपुर घुंघचाई टीम के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी बताया जा रहा है कि संगठन के सदस्य जितिन गुप्ता और सोनू कुमार को सूचना मिली थी कि गांव के पास पुलिया के नीचे संदिग्ध हालत में गौवंशीय अवशेष पड़े हुए हैं सूचना पर टीम के सदस्य मौके पर पहुंचे, जहां हड्डियां और खाल बरामद होने की बात सामने आई मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस भी मौके पर पहुंच गई राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने चौकी बलरामपुर पुलिस की मदद से अवशेषों का अंतिम संस्कार कराया इसके बाद संगठन की ओर से थाना घुंघचाई पुलिस को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले की जांच कराने तथा गौकशी से जुड़े संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई संगठन के कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं, इसलिए पुलिस को मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को चिन्हित करना चाहिए इस दौरान ठाकुर शिवम सिंह भदौरिया, जितिन गुप्ता, सोनू कुमार, अर्जुन, विपिन, मुनीश, करण सहित गौ रक्षा दल के कई सदस्य मौजूद रहे है।

पूरनपुर थाने में आयोजित हुआ थाना समाधान दिवस, फरियादियों की समस्याएं सुनकर दिए समाधान के निर्देश

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना पूरनपुर परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें थाना प्रभारी पवन कुमार पाण्डेय ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए थाना समाधान दिवस के दौरान क्षेत्र से पहुंचे लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं पुलिस प्रशासन के समक्ष रखीं इस अवसर पर एसएसआई राजीव कुमार भी मौजूद रहे और उन्होंने भी फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया थाना समाधान दिवस में कुल 5 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जनता की समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बंगाल के सीएम बने शुभेंदु अधिकारी, प्रधान ने मिष्ठान वितरण कर मनाई खुशी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। इस बदलाव को लेकर पूरे देश में राजनीतिक हलचल तेज है। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत नगरिया खुर्द कलां के प्रधान विवेकानंद सरकार ने भी इस अवसर पर खुशी जताई है। उन्होंने अपने आवास पर मिठाई वितरण कर कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ जश्न मनाया।प्रधान विवेकानंद सरकार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय से बदलाव की मांग थी। शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में राज्य में सुशासन और विकास की नई शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि शुभेंदु अधिकारी जमीनी नेता हैं और जनता के मुद्दों को अच्छी तरह समझते हैं। उनके मुख्यमंत्री बनने से बंगाल में कानून व्यवस्था और विकास को गति मिलेगी।नई सरकार में अन्य नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। खड़गपुर सीट से जीतकर आए दिलीप घोष को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। भाजपा की मजबूत महिला चेहरा मानी जाने वाली अग्निमित्रा पॉल ने भी मंत्री पद की शपथ ली। वे अपनी विधानसभा से लगातार दूसरी बार विधायक बनी हैं। बनगांव उत्तर से विधायक अशोक कीर्तिनया को भी मंत्री बनाया गया है। मतुआ समुदाय में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है।आदिवासी समाज का बड़ा चेहरा खुदीराम टुडू ने रानीबांध से पहली बार विधायक बनकर मंत्री पद की शपथ ली है। वहीं निशीथ प्रमाणिक पहले सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री रह चुके हैं। अब विधानसभा चुनाव जीतकर वे राज्य सरकार में मंत्री बने हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेंदु सरकार की नई टीम में ब्राह्मण, महिला, मतुआ और आदिवासी समाज के चेहरों को शामिल कर मजबूत ‘सोशल इंजीनियरिंग‘ का संदेश दिया गया है। इससे सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की मंशा साफ दिखती है। ग्राम प्रधान विवेकानंद सरकार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हुए इस बदलाव से पूरे देश में सकारात्मक संदेश गया है।

वन माफिया के हौसले बुलंद, धड़ल्ले से कर रहे हरे-भरे पेड़ों की कटाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। प्रदेश सरकार जहां एक ओर पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता फैला रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है।

विकासखंड दूबेपुर की ग्राम सभा लौहर दक्षिण में प्रतिबंधित फलदार पेड़ों की अवैध कटाई जारी है। विशालकाय हरे आम के पेड़ को धराशाई कर दिया गया, कहने को तो हरे पेड़ों की कटाई व दोहन पर रोक के लिए प्रशासन ने वन विभाग का पूरा अमला तैनात कर रखा है लेकिन वन विभाग तो बस पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ जैसे नारों तक सिमटा है। चाहे पर्यावरण सुरक्षा के लिए वन एवं पेड़ों की अहमियत जो भी हो पर धड़ल्ले से पेड़ों का कटना जारी है। सूत्र बताते हैं कि जिम्मेदारों की उदासीनता व खाऊ कमाऊ नीति के चलते, लकड़ी कटान वन माफियाओं से अच्छी खासी रकम लेकर हरे भरे पेड़ों पर आये दिन आरा चलवा रहें हैं।

सनातन अखाड़ा में श्रद्धा व गौरव के साथ मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486 वीं जयंती रविवार को सनातन अखाड़ा के कलेक्ट्रेट सामने स्थित कैम्प कार्यालय पर श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के त्याग, शौर्य और मातृभूमि रक्षा के संकल्प को याद करते हुए उन्हें राष्ट्र गौरव का प्रतीक बताया।मुख्य वक्ता ड एमपी सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और संघर्ष की अमर गाथा है। उन्होंने कहा महाराणा ने घास की रोटी खा ली, लेकिन मातृभूमि का सम्मान कभु झुकने नहीं दिया कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ जनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। सनातन अखाड़ा अध्यक्ष रमेश उपाध्याय ने उपस्थित लोगों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अर्जुन सिंह, गिरीश नारायण सिंह, ड सीताशरण त्रिपाठी, जगजीत सिंह छंगू, एमपी त्रिपाठी, प्रवीन कुमार अग्रवाल, अजय सिंह लीडर, विजय सिंह रघुवंशी, राकेश पालीवाल,नरेन्द्र बहादुर सिंह,संजय सोमवंशी, इन्द्रजीत सिंह रूपेश सिंह,दिनेश चौरसिया, विनोद कुमार पांडे, पंकज दूबे,रजनीश मिश्रा,गोविन्द तिवारी टाडा,धनंजय सिंह, विक्रम सिंह,अनिल सिंह,समर बहादुर सिंह समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक माह बाद दर्ज हुआ मुकदमा, पूरनपुर पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, घायल महिला लगाती रही न्याय की गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गुलड़िया खास गांव में वृद्ध महिला के साथ हुई मारपीट और धारदार हथियार से हमले के मामले में आखिरकार लगभग एक माह बाद मुकदमा दर्ज कर लिया गया हालांकि देरी से हुई कार्रवाई के बाद भी पूरनपुर पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में बनी हुई है पीड़िता प्रेमवती पत्नी मेवाराम ने बताया कि 8 अप्रैल 2026 को गांव के ही रामचंद्र पुत्र बुद्धा, धर्मपाल पुत्र तिलकराम और महेश के साथ पानी को लेकर विवाद हो गया था आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया हमले में उनके हाथ में गंभीर चोटें आईं, जबकि सिर पर वार होने से गहरी चोट लगी घटना के बाद पीड़िता ने उसी दिन कोतवाली पहुंचकर शिकायत दी थी पुलिस ने मेडिकल परीक्षण तो कराया, लेकिन मुकदमा दर्ज करने के बजाय मामले को लगातार टालती रही पीड़िता का आरोप है कि वह लगभग एक माह तक कोतवाली के चक्कर लगाती रही, लेकिन हर बार किसी न किसी बहाने से वापस कर दिया गया पीड़िता ने निजी अस्पताल में जांच कराई तो सिर में 25 एमएम और 20 एमएम तक खून की गांठ जमने की जानकारी सामने आई हाथ में गंभीर चोट होने के कारण कई टांके भी लगाए गए इसके बावजूद समय रहते कठोर कार्रवाई न होने से आरोपियों के हौसले बढ़ते रहे पीड़िता का आरोप है कि आरोपी लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे थे और पुलिस की निष्क्रियता का हवाला देकर दबाव बना रहे थे क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई होती तो पीड़िता को इतने लंबे समय तक न्याय के लिए भटकना नहीं पड़ता आखिर एक माह तक क्यों टलता रहा मुकदमा?मामले में देर से एफआईआर दर्ज होने के बाद स्थानीय लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है लोगों का कहना है कि गंभीर चोटों के बावजूद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज नहीं किया, जिससे क्षेत्र में दबंगों के हौसले बढ़ रहे हैं अब मुकदमा दर्ज होने के बाद पीड़ित परिवार ने आरोपियों की गिरफ्तारी और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में सत्ता का बेवजह विवाद

हाल में संपन्न चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत के बाद एक जबरदस्त कटाक्ष सोशल मीडिया पर पढ़ने मिला कि ये तो मोदीजी का बड़प्पन है कि चुनाव करवाने के बाद भाजपा को विजेता दिखाते हैं। वाकई देश में एक अजब मुकाम पर आ पहुंचा है कि जहां चुनाव से पहले ही ऐलान हो जाता है कि आएगा तो मोदी ही और इस घोर अलोकतांत्रिक रवैये पर अब जनता ने सवाल उठाना भी छोड़ दिया है। जब पहले से तय है कि आएगा तो मोदी ही, तो उसके बाद भी चुनाव की लंबी-चौड़ी, खर्चीली प्रक्रिया की औपचारिकता निभाना वाकई बड़प्पन ही है। कम से कम लोकतांत्रिक, निष्पक्ष चुनाव का भरम तो बना ही हुआ है। इसी भरम के सहारे भाजपा या चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों को जवाब भी मिलता है कि अगर निष्पक्ष चुनाव नहीं होते तो कहीं-कहीं कांग्रेस या दूसरे दलों को जीत कैसे मिलती है। यानी एकाध जगह अगर भाजपा के खिलाफ कोई जीत गया तो उसे ही चुनाव आयोग और भाजपा की निष्पक्षता के सबूत के तौर पर पेश किया जाता है। लेकिन विपक्ष के जीते हुए राज्यों में भी भाजपा किस तरह खेल करती है, इसका ताजा उदाहरण तमिलनाडु से सामने आ रहा है। इस बार तमिलनाडु में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। 243 सीटों की विधानसभा के चुनाव में टीवीके ने कुल 108 सीटें हासिल की है, जबकि बहुमत का आंकड़ा 118 का है। कांग्रेस ने 5 सीटों के साथ टीवीके को समर्थन का ऐलान कर दिया है, फिर भी बहुमत के लिए जरा सी कसर बाकी है। ऐसा नहीं है कि इस तरह की नौबत पहली बार किसी राज्य में हुई हो, जिस पर फैसला लेने में वक्त लग रहा हो। त्रिशंकु विधानसभा या लोकसभा की स्थिति कई बार बनी है। लेकिन आम तौर पर इसमें सबसे बड़ा दल ही सरकार बनाने का दावा पेश करता है और राज्यपाल उसे स्वीकार भी कर लेते हैं। तमिलनाडु में भी टीवीके नेता विजय ने बुधवार को तमिलनाडु के कार्यवाहक राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। लेकिन तब राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया और कहा कि स्थिर सरकार के लिए जरूरी है कि आप बहुमत दिखाने के लिए साथ देने वाले विधायकों के हस्ताक्षर लेकर आएं। अब इतनी जल्दी तो हस्ताक्षर जुटाए नहीं जा सकते, लिहाजा विजय गुरुवार को भी राज्यपाल के पास पहुंचे और करीब 45 मिनट की मुलाकात में फिर सरकार बनाने का दावा पेश करते हुए भरोसा दिलाया कि वे बहुमत साबित कर लेंगे। लेकिन उन्हें दीवार फिल्म के अमिताभ बच्चन की तरह राज्यपाल श्री अर्लेकर ने कहा कि पहले विधायकों के साइन लेकर आओ। जबकि यह राज्यपाल का काम नहीं है कि वह सरकार बनाने का दावा करने वाली पार्टी से बहुमत साबित करने कहे, यह काम विधानसभा फ्लोर टेस्ट में होता है। अगर विजय मुख्यमंत्री बनने के बाद भी बहुमत साबित नहीं कर पाते, तब तो उन्हें सत्ता पर बैठने का हक नहीं है। लेकिन उससे पहले ही उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित न करके एक गलत मिसाल पेश की जा रही है। इस बीच कई किस्म के कयास लगने शुरु गए, जैसे एआईएडीएमके और डीएमके मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर देंगे, या विजय को एआईएडीएमके के कुछ विधायक भी समर्थन दे सकते हैं, आदि, आदि। दरअसल एआईएडीएमके के कई विधायकों को पुडुचेरी के एक निजी होटल में ठहराया गया है। खबरों के मुताबिक एआईएडीएम के एक गुट का मानना है कि पार्टी को टीवीके का समर्थन करना चाहिए, जबकि दूसरा गुट इसके ख़िलाफ है। इस मुद्दे पर पार्टी के महासचिव ईके पलानीस्वामी की अध्यक्षता में बुधवार को एक बैठक हुई। हालांकि, एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री केपी मुनुस्वामी ने कहा है कि टीवीके को एआईएडीएमके का समर्थन मिलने की खबर झूठी है। वहीं डीएमके ने भी कहा है कि वह सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है। दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है। सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है।

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए? यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है। दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है। सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं। आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकर्ताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर ॒जीरो टॉलरेंसॅ की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चैथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा। बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी आत्मा को पहचाने। यह देश युद्ध और प्रतिशोध की नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व की भूमि है। ॒वसुधैव कुटुम्बकम्ॅ केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता का मूल दर्शन है। यदि राजनीति इस दर्शन से विमुख होगी, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल को अब हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही लोकतंत्र की गरिमा है, यही जनता की अपेक्षा है और यही विकसित भारत का मार्ग भी। **-ललित गर्ग**

पंजाब की हवा में घुल रही है बारूद की गंध, सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी

राजेश शांडिल्य

गीत-संगीत, जीवंत संस्कृति वाले पंजाब की खूबसूरत विरासत धमाकों के घटनाक्रमों के बीच दरक रही है। प्रतीत होता है कि पंजाब की हवा में एक बार फिर बारूद की गंध घोलने की साजिश रची जा रही है। संतोष कर सकते हैं कि अभी तक किसी भी घटनाक्रम में बड़े जानमाल की क्षति नहीं हुई, मगर भय का वातावरण अवश्य व्याप्त हुआ है। गुरुओं की भूमि को पहले भी इसी तरह की साजिश के बूते दहलाने का काम हुआ था और बड़े प्रयासों के बाद उस पर अंकुश लगा था। एकबार फिर उसी तरह की छटपटाहट दिख रही है। नतीजा सामने है कि ताजा घटनाक्रम मुख्यमंत्री भगवंत मान के जालंधर दौरे से चंद घंटे पहले हुआ। 5 मई 2026 को बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक जोरदार विस्फोट हुआ। पंजाब में मंगलवार रात जालंधर और अमृतसर में दो संदिग्ध धमाके हुए हैं। इनमें जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के बाहर चौक पर खड़ी स्कूटी में रात करीब सवा 8 बजे विस्फोट हुआ, जबकि अमृतसर के खासा में रात करीब 11 बजे मिलिट्री कैंप की दीवार के पास धमाका हुआ, जिसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई। पंजाब में इस घटना सहित करीब 19 माह के दौरान 24 घटनाक्रम सामने आ चुके हैं। इनमें ग्रेनेड फेंकने और धमाके सुर्खियों रहे हैं। पंजाब की आबोहवा में बारुद की गंध घुलने से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है। जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के बाहर स्कूटी में धमाके की आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनी गई। धमाके से पहले दोपहर को ही आतंकी वारदात का अलर्ट आ चुका था। इससे पहले राजपुरा शंभू रेल खंड पर ट्रैक उड़ाने की कोशिश और एक की मौत हो चुकी है। गुरदासपुर में भाजपा नेता के शोरूम के बाहर ग्रेनेड फेंकने की घटना ने भी सुरक्षा तंत्र को अलर्ट पर ला दिया था। सितंबर 2024 से 5 मई 2026 तक पंजाब और चंडीगढ़ में ग्रेनेड और विस्फोटकों से जुड़ी करीब 24 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इनमें पुलिस चौकियां, थाने, चेक पोस्ट, हिंदूवादी संगठनों के प्रतिनिधि, राजनीतिक नेता, धार्मिक स्थल और निजी मकान तक निशाने पर रहे। यही वजह है कि अब इन घटनाओं को अलग-अलग घटनाएं नहीं बल्कि एक सुनियोजित तौर पर देखा जा रहा है। सबसे पहले सुरक्षा ठिकानों को निशाना बनाया गया। दिसंबर 2024 में अमृतसर, गुरदासपुर, बटाला और मजीठा में लगातार पुलिस चौकियों और थानों पर ग्रेनेड हमले हुए। कहीं ग्रेनेड फटा तो कहीं पिन नहीं निकलने या तकनीकी वजह से बड़ा नुकसान टल गया। इसके बाद 2025 में हमलों का दायरा बदल गया। अमृतसर में मंदिर को निशाना बनाया गया। जालंधर में भाजपा नेता के घर और एक यूट्यूबर के मकान पर हमला हुआ। इससे साफ संकेत मिला कि हमलावर सिर्फ सुरक्षा एजेंसियों को चुनौती नहीं दे रहे बल्कि समाज में डर और अस्थिरता का माहौल बनाना चाहते हैं। 2025 के आखिर और 2026 में घटनाओं का दूसरा पहलू सामने आया। कई जगहों पर ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद हुए। अमृतसर और फिरोजपुर में संयुक्त अभियानों के दौरान पाकिस्तान निर्मित ग्रेनेड मिलने की बात सामने आई। जनवरी 2026 में एजेंसियों की छापेमारी में विस्फोटक सामग्री मिली। इसके बाद 27 अप्रैल 2026 को राजपुरा शंभू रेल खंड पर धमाके ने खतरे को और गंभीर बना दिया। जांच में सामने आया कि रेल ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई थी। इस मामले में तरनतारन निवासी जगरूप सिंह की मौत हुई और चार संदिग्ध गिरफ्तार किए गए। शुरुआती जांच में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और विदेश में बैठे खालिस्तानी नेटवर्क से कनेक्शन की आशंका जताई गई। इन घटनाओं का सबसे गंभीर पहलू यह है कि हमलों का तरीका छोटा जरूर है लेकिन निशाने बेहद संवेदनशील चुने हैं। सुरक्षा एजेंसियां मान रही हैं कि छोटे हमलों के जरिये सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियां परखी जा रही हैं। यह भी संभावना है कि स्थानीय युवाओं का इस्तेमाल कर मॉड्यूल तैयार किए जा रहे हों और इनके असली हैंडलर सीमा पार या विदेश में बैठे हों। पंजाब पहले भी आतंकवाद और अलगाववाद का दौर देख चुका है। अस्सी और नब्बे के दशक की हिंसा के बाद लंबे समय में हालात सामान्य हुए थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विदेशों से अलगाववादी बयानबाजी, सोशल मीडिया प्रचार, ड्रोन के जरिये हथियार सप्लाई और छोटे मॉड्यूल की सक्रियता लगातार सामने आती रही है।

सेहत मंत्र

जीरे के पानी के सेवन से मिलते हैं बड़े फायदे

जीरे का इस्तेमाल लगभग हर सब्जी में तड़के के रूप में किया जाता है। इतना ही नहीं, कुछ लोग इसे भूनकर व पीसकर भी खाने में इस्तेमाल करते हैं। ना सिर्फ इसकी महक काफी अच्छी होती है, लेकिन इसके सेवन से आपको कई तरह के हेल्थ बेनिफिट्स भी मिलते हैं। आमतौर लोग इसे भोजन में ही इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो जीरा के पानी का भी सेवन कर सकते हैं। अगर आप जीरे के पानी का नियमित रूप से सेवन करते हैं तो इससे आपको कई बड़े लाभ प्राप्त होते हैं। अगर आप रोजाना एक गिलास जीरे के पानी का सेवन करते हैं तो इससे आपको पाचन संबंधी समस्याएं जैसे अपच आदि से छुटकारा मिलता है। जीरे का पानी न केवल पाचन एंजाइमों के स्राव को उत्तेजित करता है, बल्कि पाचन प्रक्रिया को भी तेज करता है। जिससे आपको आंत संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद मिलती है। यह आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को साफ करता है और एसिडिटी, पेट की गैस, मॉह्वनग सिकनेस, और मतली जैसी पेट से संबंधित समस्याओं से राहत प्रदान करता है। रोजाना जीरे का पानी पीने से शरीर तरोताजा रहता है और शरीर का तापमान ठंडा रहता है। जीरे का पानी ना सिर्फ निर्जलीकरण को रोकता है, बल्कि वाटर रिटेंशन की समस्या को भी दूर करता है। इसमें उच्च मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, आपके शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। अगर आप अपने मोटापे से परेशान है तो ऐसे में जीरे का पानी आपके लिए सहायक साबित हो सकता है। जीरे में एंटी-इंफलेमेटरी प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं और नियमित रूप जीरे का पानी पीने से यह इंफलेमेशन को दूर करके मोटापे को कम करने में सहायक है। इतना ही नहीं, इसमें कैलोरी भी काफी कम होती है। शरीर को मजबूत बनाने और बीमारियों से लड़ने के लिए इम्युनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। जीरे का पानी आपके इम्युन सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसमें आयरन पाया जाता है। आयरन रेड ब्लड सेल्स के प्रॉडक्शन के लिए जरूरी होता है। इतना ही नहीं, जीरा एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो फ्री-रेडिकल्स से लड़ता है और संक्रमण के खतरे को कम करता है।

धर्म मंत्र

भगवान श्रीराम का नदियों के प्रति प्रेम

श्रीरामचरितमानस की हर एक चौपाई एक ग्रंथ कहती जान पड़ती है। इसका अध्ययन व्यापक है, इसमें भक्ति की गहराई है, अध्यात्म का रंग है जो किसी पर एक बार चढ़ गया तो उतरने वाला नहीं है। मानस की ज्ञान गंगा में गोता लगाने के बाद जीव भवसागर से पार उतर जाता है। भगवान श्रीराम ने वनवास के समय उत्तर से दक्षिण की यात्रा करते हुए कितनी ही पवित्र नदियों में स्नान किया, उनके किनारे बैठ कर तप, भक्ति, साधना, तपस्या की और वहीं पर कुछ समय के लिए वास भी किया। इन नदियों के किनारे रहने वाले साधु, संत, महात्मा आदि के भगवान ने दर्शन किये, उनसे आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया। साथ ही इन नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को भगवान श्रीराम ने स्वयं दर्शन दिए। सभी से मिलते हुए भगवान इन नदियों को पार करके आगे बढ़ते चले गए। इन नदियों का रामायण में और भगवान श्रीराम के जीवन में विशेष आध्यात्मिक और भौगोलिक महत्व है। अयोध्या नगरी की बात करें तो यह सरयू नदी के तट पर बसी हुई है। रामचरितमान में गोस्वामी जी लिखते हैं कि, बंदउँ अवध पुरी अति पावनि।सरजू सरि कलि कलुष नसावनि? माना यह जाता है कि सरयू नदी हिमालय में मानसरोवर के पास से निकलती है। अयोध्या को सप्तपुरियों में से एक माना जाता है। चौदह वर्ष के वनवास के समय भगवान श्रीराम नेअयोध्या से निकलने के बाद सबसे पहले तमसा नदी के तट पर विश्राम किया।जब श्रीराम वनवास के लिए निकले तो अयोध्या के नगरवासी भी उनके पीछे-पीछे चल दिए। तब श्रीराम ने तमसा के तट पर रुकने का निर्णय लिया। गोस्वामी जी लिखते हैं कितब प्रभु तमसा तीर निवासा।

पर्यटन

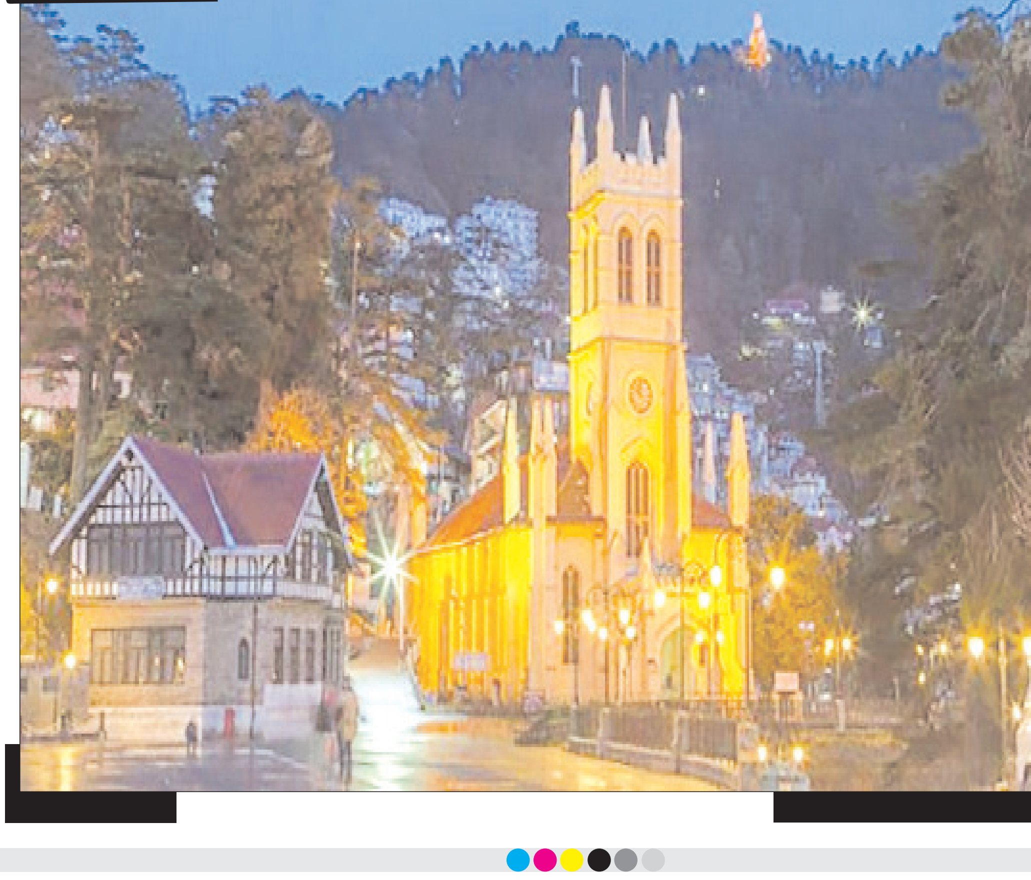

सिर्फ हिल स्टेशन नहीं है शिमला, कई ऐतिहासिक विरासतें खुद में समेटा हुआ है यह शहर

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला देश के लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक है। दिल्ली और उसके आसपास के राज्यों के लिए तो यह वीकएंड का ठिकाना भी है इसलिए यहाँ हमेशा पर्यटकों का ताँता लगा रहता है। विशेषकर गर्मियों के मौसम में तो जिसे देखो वह शिमला के लिए निकल पड़ता है और शिमला में प्रवेश से पहले वाहनों का लंबा जाम लग जाता है। हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा नगर शिमला अंग्रेजों की बनायी गयी इमारतों से भरा पड़ा है और हर प्रेमी जोड़े की यहाँ जरूर कोई ना कोई याद जुड़ी हुई है। शिमला को 1864 में, भारत में ब्रिटिश राज की ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया गया था। ब्रिटिश राज के साथ-साथ यह ब्रिटिश भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ का मुख्यालय और 1876 के बाद से पंजाब प्रान्त की भी ग्रीष्ममकालीन राजधानी थी। स्वतंत्रता के बाद, शिमला पूर्वी पंजाब राज्य की राजधानी बन गया और बाद में हिमाचल प्रदेश के गठन पर इसे राज्य की राजधानी घोषित कर दिया गया। शिमला को पहाड़ों की रानी के नाम से भी जाना जाता है। यह राज्य का प्रमुख वाणिज्यिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक केंद्र भी है। हिमालय के घने जंगलों में स्थित शिमला की जलवायु परिस्थितियों ने शहर की स्थापना के लिए अंग्रेजों को आकर्षित किया था। ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में शिमला ने 1914 के शिमला समझौते और 1945 के शिमला सम्मेलन सहित कई महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठकों की मेजबानी की। स्वतंत्रता के बाद 28 रियासतों के एकीकरण के परिणामस्वरूप 1948 में हिमाचल प्रदेश राज्य अस्तित्व में आया। स्वतंत्रता के बाद भी, शिमला शहर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक केंद्र बना रहा और इसने 1972 के शिमला समझौते की मेजबानी की। शिमला शहर के प्रमुख आकर्षणों में वाइसराय लॉज, क्राइस्ट चर्च, जाखू मन्दिर, माल रोड और रिज शामिल हैं। यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल के रूप में घोषित ब्रिटिश-निर्मित कालका-शिमला रेलवे लाइन भी एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है। अपने कठोर इलाके के कारण, शिमला माउंटेन बाइकिंग रेस एमटीबी हिमालय की मेजबानी करता है, जो सर्वप्रथम 2005 में शुरू हुआ और दक्षिण एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा आयोजन माना जाता है।

जनपद भर में धूमधाम से मनी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती, श्रद्धा-सम्मान के साथ याद किए गए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। वीर शिरोमणि, मातृभूमि के महान रक्षक एवं अदम्य साहस के प्रतीक महाराणा प्रताप सिंह की जयंती शुक्रवार को पूरे जनपद में श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने महाराणा प्रताप के त्याग, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बंदीकापुरवा स्थित जेबीएस इंस्टीट्यूट ऑफ बंदी का पुरवा में महाराणा प्रताप जयंती समारोह का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान की प्रबंधक पूनम सिंह, डिग्री कॉलेज की प्राचार्या अनपूर्णा जी, सीबीएससी प्रधानाचार्या रेनू सिंह सहित शिक्षकगण, कर्मचारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक पूनम सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक राजा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, स्वाभिमान और वीरता के अमर प्रतीक थे। उन्होंने कहा, ल्लजो अपनी मातृभूमि और स्वाभिमान के लिए संघर्ष करता है, इतिहास उसी का गुणगान करता है। महाराणा प्रताप का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।ङ्क उन्होंने युवाओं से राष्ट्रप्रेम, साहस और त्याग की भावना अपनाने का आह्वान किया।

इस दौरान प्रेरणादायी पंक्तियों के माध्यम से भी महाराणा प्रताप के शौर्य का स्मरण किया गया– ल्लरण बीच चौकड़ी भर-भर कर,

चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े से,
पड़ गया हवा को पाला था।ङ्क

वहीं रामनगर क्षेत्र में क्षत्रिय समाज द्वारा केपी पैलेस में भव्य समारोह आयोजित कर महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम समाजसेवी भानु प्रताप सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख बृजपाल सिंह ज्ञानू एवं अमित सिंह आजाद की अगुवाई में संपन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लेकर महाराणा प्रताप के त्याग और बलिदान को नमन किया।

इस अवसर पर युवा भाजपा नेता शिव प्रकाश अवस्थी राहुल ने ल्लयुवा सोच, नया विचारङ्क का संदेश देते हुए समाज के लोगों को प्रतीक चिन्ह, पगड़ी एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है, जो आज भी युवाओं को प्रेरणा देता है।

एमएलसी प्रतिनिधि कुलदीप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप किसी एक समाज के नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव थे। उनके संघर्ष में सभी वर्गों के लोगों ने एकजुट होकर साथ दिया था। समारोह में चेयरमैन राम शरण पाठक, पूर्व प्रमुख राजन सिंह, दीपक सिंह सरल, राजनारायण सिंह, संजय सिंह, अवधेश कुमार सिंह, मोहन सिंह, प्रेम सिंह बाबा, अमरेंद्र प्रताप सिंह, सूर्यप्रकाश सिंह, अनुराग सिंह, प्रशांत सिंह राठौर, केपी सिंह, प्रभात सिंह, रविकांत पांडे, पवन ओझा एवं शीतला बख्श सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जनपदभर में आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात करने एवं राष्ट्रहित में सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

मेधावी छात्रा को साइकिल देकर विधायक ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली, बाराबंकी। कस्बा रसौली स्थित चंद्रशेखर आजाद इंटर कॉलेज में शनिवार को बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के विधायक गौरव कुमार रावत ने हाईस्कूल परीक्षा में 93.16 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा शगुन मौर्य को साइकिल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही विद्यालय के अन्य प्रतिभाशाली छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विधायक गौरव कुमार रावत ने कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और शिक्षित समाज ही देश व प्रदेश को उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में शिक्षा के बिना किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों से भी अनेक होनहार छात्र-छात्राएं शिक्षा के दम पर सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा, पूर्व चेयरमैन रामनरेश वर्मा, विधायक प्रतिनिधि रिजवान संजय, संदीप यादव, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस! डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादें, भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने शनिवार को थाना सफदरगंज पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। अधिकारियों ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित एवं संवेदनशील भूमि विवादों को चिन्हित कर संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

थाना समाधान दिवस के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमों को तत्काल मौके पर भेजकर जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान जाटा बरौली निवासी सुमित्रा उर्फ कंचना एवं रामहेत, तिवारी का पुरवा निवासी आरती तिवारी एवं सरोज तिवारी, अम्बौर निवासी शिवाकर एवं रमेश कुमार तथा पंडरा निवासी निर्भय सिंह एवं दारा सिंह से संबंधित भूमि विवादों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों की निस्तारण आख्या निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत की जाए।

अधिकारियों ने पूर्व में आयोजित थाना समाधान दिवसों में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की भी समीक्षा की। इस दौरान निस्तारण आख्या का अवलोकन करने के साथ ही दूरभाष के माध्यम से शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए किया जाए।

इस अवसर पर जॉइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल, तहसीलदार नवाबगंज भूपेंद्र विक्रम सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना सफदरगंज सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इलाज में लापरवाही के मामले में डिप्टी सीएम ने दिए कार्रवाई के आदेश

लंभुआ/सुल्तानपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ में महिला मरीज के इलाज में लापरवाही बरतने का मामला सामने आने के बाद डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने तत्कालीन अधीक्षक व एक फार्मासिस्ट के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। डिप्टी सीएम ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि सीएचसी लंभुआ के तत्कालीन अधीक्षक, जिनकी वर्तमान तैनाती सीएचसी कादीपुर में चिकित्साधिकारी के पद पर है तथा सीएचसी लंभुआ में तैनात फार्मासिस्ट अवधनारायण के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। आदेश के अनुसार महिला के इलाज में लापरवाही बरतने के आरोप में दोनों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू होगी। स्वास्थ्य विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है। गौरतलब है कि डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के पास स्वास्थ्य विभाग भी है। वे लगातार अस्पतालों की व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण कर लापरवाह कर्मियों पर कार्रवाई कर रहे हैं।

एलपीजी गैस खत्म होने से चार दिनों से बंद मिड-डे मील, बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य पर असर

निंदूरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूर्व माध्यमिक विद्यालय शाहपुर बकसोलिया में एलपीजी गैस की कमी के चलते मिड-डे मील योजना पिछले चार दिनों से बंद पड़ी है। इससे विद्यार्थियों को मिलने वाला पोषण आहार बाधित हो गया है, जिसका असर उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगा है। मामले की शिकायत प्रभारी प्रधानाचार्य ने खंड शिक्षा अधिकारी से की है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विजय कुमार सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि स्कूल में भोजन बनाने के लिए उपयोग किया जाने वाला गैस सिलिंडर 5 मई को समाप्त हो गया था। इसके बाद अब तक नया सिलिंडर उपलब्ध नहीं कराया गया। रसोइया कई बार गैस एजेंसी पर सिलिंडर लेने गया, लेकिन हर बार उसे वापस लौटा दिया गया। मिड-डे मील बंद होने का सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों पर पड़ा है। कुछ छात्र अपने घरों से भोजन लेकर आ रहे हैं, जबकि अधिकांश बच्चे विद्यालय के भोजन पर ही निर्भर रहते हैं। कई विद्यार्थी खाली पेट स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं, जिससे उनका ध्यान पढ़ाई में नहीं लग पा रहा और वे थकान महसूस कर रहे हैं। इसका असर उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी पड़ रहा है। मामले को लेकर अभिभावकों में भी नाराजगी व्याप्त है और उन्होंने जल्द व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

जयमाल के बाद बिना फ़ेरे लौटी बारात, शर्तों को लेकर बढ़ा विवाद

निंदूरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुर्सी थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को आई बारात जयमाल के बाद बिना फ़ेरे ही वापस लौट गई। घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

जानकारी के अनुसार शादी तय होने के दौरान वर और वधू पक्ष के बीच कुछ शर्तें तय हुई थीं। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान उन शर्तों के पूरा न होने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मामला इतना बिगड़ गया कि फ़ेरे की रस्म से पहले ही बारात वापस लौट गई।

घटना की सूचना पर पुलिस ने भी मामले की जानकारी ली। इस संबंध में कुर्सी थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णकांत सिंह ने बताया कि मामले में कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। एक पक्ष को बुलाया गया था, जिसने बताया कि दोनों पक्ष आपसी सहमति से मामला सुलझा लेंगे।

दो कारों की आमने-सामने टक्कर में एक गंभीर रूप से घायल

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार देर रात बड़ा सड़क हादसा हो गया। किमी 129 स्थित एयर स्ट्रिप के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर में एक कार पलट गई, जबकि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, मारुति कार में मोहम्मद नाहिद और मोहम्मद आदिल सवार थे। दोनों लखनऊ से आजमगढ़ जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर टाटा नेक्सन को सोनू पाठक चला रहे थे। उनके साथ उनकी पत्नी नेहा पाठक भी मौजूद थीं। दोनों लखनऊ से अंबेडकर नगर लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आगे चल रही मारुति कार ने अचानक लेन बदल दी। इसी दौरान पीछे से आ रही टाटा नेक्सन उससे टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नेक्सन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में मारुति कार में आगे की सीट पर बैठे मोहम्मद आदिल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल कोरल एंबुलेंस की मदद से कूरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

घटना की सूचना मिलते ही एक्सप्रेस-वे की सुरक्षा टीम मौके पर पहुंच गई। पेट्रोलिंग टीम, एंबुलेंस कर्मियों और रिकवरी वैन चालक रामू चौधरी ने राहत एवं बचाव कार्य शुरूकिया। सहायक सुरक्षा अधिकारी त्रिलोकीनाथ पांडे ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। बाद में दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटाकर रिकवरी वैन से सिमरी टोल प्लाजा भेज दिया गया। राहत की बात रही कि समय रहते यातायात बहाल कर दिया गया और एक्सप्रेस-वे पर आवागमन सामान्य हो गया।

स्व-गणना अभियान में मीडिया जगत ने दिखाई सक्रियता,पत्रकार बंधुओं ने उत्साह के साथ किया प्रतिभाग

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनगणना-2027 के अन्तर्गत स्व-गणना अभियान के तीसरे दिन जिला सूचना अधिकारी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार बन्धुओं ने पोर्टल पर सूचनाऐं भरकर दर्ज कराई गई। आज का दिन विशेष रूप से मीडिया जगत के नाम रहा,जिसमें विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों,न्यूज चैनलो और डिजिटल मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर इस नागरिक कर्तव्य को पूरा किया। तकनीकी मार्गदर्शन उपस्थित सूचना अधिकारी ने मीडिया कर्मियों को गणना की डिजिटल प्रक्रिया, डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा के मानकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना अधिकारी मुशाहिद अली ने कहा कि मीडिया समाज का दर्पण है। जब समाज के जागरूक स्तम्भ इस प्रक्रिया से जुड़ते हैं तो आम नागरिकों में भी इसके प्रति विश्वास बढ़ता है। मीडिया कर्मियों ने इस मुहिम की सराहना करते हुए इसे आधुनिक भारत की ओर एक प्रगतिशील कदम बताया है।

बूंदीभूड़ शराब भट्टी विवाद ने पकड़ा तूल, महिलाओं के समर्थन में उतरे राजनीतिक दल

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना माधोटांडा क्षेत्र स्थित बूंदीभूड़ गांव में शराब की दुकान खोलने के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है महिलाओं पर कथित लाठीचार्ज, मुकदमे दर्ज होने और जिला मुख्यालय जाने से रोके जाने के बाद अब इस मामले ने राजनीतिक रंग भी पकड़ लिया है शनिवार को भाकपा माले और कांग्रेस नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग उठाई ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के मंदिर और विद्यालय के पास शराब की दुकान खोली जा रही है, जिसका महिलाएं लंबे समय से विरोध कर रही हैं आरोप है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में महिलाओं पर लाठीचार्ज किया गया और कई महिलाओं के साथ अभद्रता हुई कुछ महिलाओं ने कपड़े फाड़ने और मारपीट जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं शनिवार को गांव की सैकड़ों महिलाएं दो बसों में बैठकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मिलने पीलीभीत जा रही थीं, लेकिन मझोला क्षेत्र में पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया इस कार्रवाई के बाद ग्रामीणों और महिलाओं में भारी नाराजगी देखने को मिली भाकपा (माले) के जिला प्रभारी अफरोज आलम ने प्रशासन की कार्रवाई को तानाशाही बताते हुए कहा कि सरकार महिलाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है उन्होंने शराब की दुकान तत्काल हटाने, महिलाओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने और लाठीचार्ज के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की वहीं कांग्रेस नेताओं ने भी पीड़ित महिलाओं से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

आरएसआरडी सरस्वती विद्या मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।आरएसआरडी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लिक ऑफिस रोड पूरनपुर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती श्रद्धा, उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में मनाई गई कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय, आचार्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया इस दौरान विद्यालय परिसर ल्लजय महाराणा प्रतापङ्क के जयघोषों से गूंज उठा कार्यक्रम में शिक्षक विनीत जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महाराणा प्रताप के संघर्षपूर्ण जीवन, त्याग, पराक्रम और राष्ट्रप्रेम पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक थे, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी कभी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया उन्होंने विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी शिक्षिका संजीता जी ने महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों का वर्णन करते हुए हल्दीघाटी युद्ध, चेतक की स्वामिभक्ति और महाराणा प्रताप के अदम्य साहस के बारे में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, धैर्य और देशभक्ति का अद्भुत उदाहरण है विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने अपने संबोधन में कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है उन्होंने विद्यार्थियों से कठिन परिस्थितियों का सामना आत्मविश्वास और धैर्य के साथ करने तथा सदैव राष्ट्रहित के मार्ग पर चलने का आह्वान किया इस अवसर पर विद्यार्थियों ने महाराणा प्रताप के जीवन पर आधारित भाषण, कविताएं और विचार प्रस्तुत किए कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने और राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया है।

गोमती सफाई अभियान में लकी चिल्ड्रेन स्कूल के विद्यार्थियों ने दिखाई जागरूकता, गीत-नृत्य से दिया स्वच्छता का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।गोमती नदी की स्वच्छता एवं संरक्षण के उद्देश्य से माँधोटांडा स्थित गोमती उद्गम स्थल पर आयोजित गोमती सफाई अभियान में लकी चिल्ड्रेन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय विधायक बाबूराम पासवान, एसडीएम कलीनगर, एआरटीओ पीलीभीत, सीडीओ पीलीभीत, विद्यालय के निर्देशक डॉ. अमन नागी, नेकी की दीवार पूरनपुर के संस्थापक सरदार गुरमेल सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रबंधक डॉ. अमन नागी ने किया इस दौरान विद्यालय की कक्षा 5 की छात्राओं जपवीर कौर, इल्मा, सायना, जुबरा, आरोही, हरगुन, अनवी, आफिया, आन्या तथा हर्षाली ने माँ गोमती पर आधारित सुंदर गीत और नृत्य प्रस्तुत किया वहीं कक्षा 7 की छात्रा चंदा देवी एवं छात्र अध्यांश ने भाषण के माध्यम से नदियों की सफाई और संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा कार्यक्रम विद्यालय के निदेशक डॉ. अमन नागी, हेड मिस्ट्रेस पूनम शर्मा, नृत्य शिक्षक अजय कुमार तथा शिक्षक विकास के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि गोमती नदी जिले की जीवन रेखा है और इसकी स्वच्छता एवं संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है वहीं विधायक बाबूराम पासवान ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए सकारात्मक पहल बताया कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति द्वारा विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को सम्मानित किया गया तथा बच्चों को फल वितरित किए गए

एसपी पीलीभीत के निर्देशन में जहानाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लाखों की अवैध नशीली टैबलेट के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

पीलीभीत।जनपद में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जहानाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरजनपदीय नशीली दवा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली/अवैध अल्प्राजोलम टैबलेट बरामद की हैं बरामद टैबलेटों की संख्या करीब 1 लाख 20 हजार बताई जा रही है जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से दो कारें, 54 हजार 550 रुपये नगद, 03 मोबाइल फोन और 08 एटीएम कार्ड भी बरामद किए हैं पुलिस का मानना है कि आरोपी लंबे समय से नशीली दवाओं की सप्लाई का नेटवर्क संचालित कर रहे थे और युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने का काम कर रहे थे सूत्रों के अनुसार थाना जहानाबाद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाइयों की खेप लेकर क्षेत्र से गुजरने वाले हैं सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों को रोक लिया तलाशी के दौरान कारों से भारी मात्रा में अल्प्राजोलम टैबलेट बरामद हुईं, जिसके बाद तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि नशीली दवाओं की यह खेप कहां से लाई गई थी और किन-किन जिलों में सप्लाई की जानी थी पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है अधिकारियों का कहना है कि जनपद में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाजों को करना होगा दमदार प्रदर्शन

एजेंसी

रायपुर। पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच हार गई है जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। आरसीबी अभी 10 मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और वह प्लेऑफ में पहुंचने का मजबूत दावेदार है। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब आरसीबी की

लय गड़बड़ाना उसके लिए चिंता का विषय होगा। आरसीबी के बल्लेबाजों को अपनी पिछली असफलता को भूलकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद में उसकी टीम केवल 155 रन ही बना पाई थी जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उसे नौ रन से हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी को लखनऊ के खिलाफ जीत के लिए आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत थी, लेकिन वह लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच सका। आरसीबी के बल्लेबाजों को अब मुंबई इंडियंस के खिलाफ मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा। इन गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, कॉर्बिन बॉश, एएम गजनफर और विल जैक्स शामिल हैं। रायपुर आरसीबी का घरेलू मैदान है, लेकिन उसे यहां की पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। आरसीबी के बल्लेबाजों में जैकब बेथेल को बड़ा स्कोर बनाना होगा क्योंकि अभी तक वह चार पारियों में 14, 20, पांच और चार रन ही बना पाए हैं। ऐसे में उनके सलामी जोड़ीदार विराट कोहली को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का प्रदर्शन भी निराशाजनक है। इस सत्र में उनका उच्चतम स्कोर 23 है। जहां तक मुंबई इंडियंस की बात है तो लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में उसने 228 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया था। रोहित शर्मा ने चोट से उबरने के बाद वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली। रोहित और उनके सलामी जोड़ीदार रयान रिकेल्टन के सामने भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड की जोड़ी का डटकर सामना करने की चुनौती होगी।

भारतीय क्रिकेटर यशस्वी और शेफाली को डोप टेस्ट में अनुपस्थित रहने पर नोटिस

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को पिछले साल निर्धारित डोप परीक्षण के लिए उपलब्ध न होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने नोटिस जारी किया है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि नाडा के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) का हिस्सा रहे दोनों खिलाड़ियों ने परीक्षण के लिए उपलब्ध नहीं रहने के कारण नहीं बताए हैं। इस कारण उन्हें नोटिस जारी किए गए। एक विश्वसनीय सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''संबंधित खिलाड़ियों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और इसकी सूचना राष्ट्रीय महासंघ (बीसीसीआई) और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) को भी दे दी गई है। नाडा ने हालांकि गोपनीयता का हवाला देते हुए इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने संपर्क करने पर इसकी पुष्टि की। सूत्र ने कहा,

''हमें नाडा से छूटे हुए परीक्षणों के बारे में सूचना मिली है। हम पता लगाएंगे कि ऐसा कैसे हुआ। भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए हम जरूरी उपाय करेंगे। उन्होंने कहा, ''क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी हो गई है और हमें सभी प्रोटोकॉल का पालन करना होगा ताकि सब कुछ सुचारू रूप से आगे बढ़े। क्रिकेट को 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है। यशस्वी फिलहाल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रही हैं, जबकि शेफाली उस भारतीय महिला टीम का हिस्सा थीं जिसने हाल ही में सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ अपने ठिकाने की जानकारी साझा करनी होती है और प्रतिदिन किसी तय की गई समय सीमा में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होता है। तीन बार टेस्ट न देना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है और इसके कारण खिलाड़ी को निलंबित भी किया जा सकता है।

अठारह साल से खिताब नहीं जीत पाने का दुख होता है : दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक राव

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने स्वीकार किया कि अठारह साल में आईपीएल खिताब नहीं जीत पाने का दुख है और उन्होंने इस सत्र की नाकामी के लिये हर विभाग में प्रदर्शन में निरंतरता के अभाव को दोषी ठहराया। इस सत्र में सातवीं हार के बाद दिल्ली की प्लेआफ की

उम्मीदें लगभग खत्म हो गई। दिल्ली और पंजाब किंग्स शुरूआत से खेल रही दो टीमें हैं जो अभी तक आईपीएल नहीं जीत सकी हैं। दिल्ली 2020 में फाइनल में पहुंची थी जहां उसे मुंबई इंडियंस ने पांच विकेट से हराया था। राव ने कहा ,'' अठारह साल से खिताब नहीं जीत पाने का दुख है। जब मैं अपने खेलने के दिनों को देखता हूं तो मैं हमेशा जीतना चाहता था। अब प्रशासन और कोचिंग में हूं तो काफी कुछ सीख रहा हूं। उन्होंने कहा ,'' मैं किसी एक विभाग के बारे में नहीं बोल सकता। अलग अलग मैचों में अलग अलग विभागों में हम नाकाम रहे। पंजाब के खिलाफ अच्छे रन बनाये लेकिन कैच छोड़े। कुछ मैचों में गेंदबाजों ने अच्छा किया तो बल्लेबाज नाकाम रहे। राव ने यह भी कहा ,'' मैच जीतने के लिये निर्णायक क्षणों में अच्छा प्रदर्शन करना होता है जो हम लगातार नहीं कर पाये। यही वजह है कि अभी अंक तालिका में नीचे हैं। कप्तान अक्षर पटेल और स्पिनर कुलदीप यादव के खराब फॉर्म ने दिल्ली की मुश्किलें बढाई। राव ने कहा ,'' कुलदीप और अक्षर अच्छे फॉर्म में होते हैं तो गेंदबाजी मजबूत होती है। एक अच्छा खेलता है और दूसरा नहीं तो बीच के ओवरों में गेंदबाजी कमजोर होती है। हम अभी इसी से जूझ रहे हैं।

डब्ल्यूएफआई ने विनेश फोगाट को जारी किया कारण बताओ नोटिस, गोंडा रैंकिंग सीरीज में खेलने से रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को स्टार पहलवान विनेश फोगाट को 10 मई से गोंडा में शुरू होने वाली सीनियर ओपन रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता में भाग लेने से रोक दिया। महासंघ ने उन्हें 15 पन्नों का कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अनुशासनहीनता और डोपिंग से जुड़े कई आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेने के करीब 20 महीने बाद उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी फिलहाल टल गई है। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के नियमों के तहत संन्यास और वापसी से जुड़े प्रावधानों के उल्लंघन के कारण विनेश 26 मई 2026 तक किसी भी डब्ल्यूएफआई प्रतियोगिता या कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पात्र नहीं होंगी। महासंघ द्वारा जारी नोटिस में विनेश पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू एंटी-डोपिंग नियम

2015 के तहत वेयरअबाउट्स जानकारी जमा नहीं करने, अनुशासनहीनता और कुश्ती खेल तथा डब्ल्यूएफआई के हितों के खिलाफ आचरण करने के आरोप लगाए गए हैं। विनेश पर लगाए गए आरोपों में पेरिस ओलंपिक में तय वजन नहीं बना पाने के कारण अयोग्य घोषित होना, डब्ल्यूएफआई संविधान के उल्लंघन, वेयरअबाउट्स नियमों के उल्लंघन से जुड़े एंटी-डोपिंग मामलों और 11 मार्च 2024 को एनआईएस पटियाला में हुए चयन ट्रायल में 50 किग्रा और 53 किग्रा दोनों भार वर्गों में हिस्सा लेना शामिल है, जिसे यूडब्ल्यूडब्ल्यू प्रतियोगिता नियमों का उल्लंघन बताया गया है। महासंघ ने 18 दिसंबर 2025 को हुए कथित मिस्ड डोप टेस्ट का भी जिक्र किया, जिसकी सूचना इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा दी गई थी। डब्ल्यूएफआई ने कहा, भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्हें यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के वेयरअबाउट्स नियमों और यूडब्ल्यूडब्ल्यू एंटी-डोपिंग नियम 2015 के अनुच्छेद 5.7 के उल्लंघन, गंभीर अनुशासनहीनता और कुश्ती खेल व डब्ल्यूएफआई के हितों के प्रतिकूल आचरण समेत कई मामलों में नोटिस दिया गया है। महासंघ ने कहा, महासंघ के रिकॉर्ड, सार्वजनिक रिपोर्ट, कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) की एड-हॉक डिवीजन के 14/16 अगस्त 2024 के फैसले और उपलब्ध पत्राचार के आधार पर डब्ल्यूएफआई को प्रथम दृष्टया यह मानने का कारण है कि आपने ऐसे कृत्य और चूक की हैं, जो डब्ल्यूएफआई, भारतीय कुश्ती जगत और देश की छवि, प्रतिष्ठा और हितों के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हैं तथा डब्ल्यूएफआई संविधान, यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती नियम और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग नियम 2021 का उल्लंघन हैं।

संक्षिप्त समाचार

हमने खुद पर से भरोसा नहीं खोया था : ग्रीन

नयी दिल्ली। हरफनमौला कैमरन ग्रीन ने कहा कि आईपीएल के इस सत्र में कठिन शुरूआत के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स ने विश्वास नहीं खोया था और सही संतुलन तथा संयोजन से अब सफलता मिल रही है। आईपीएल 2026 में अंकतालिका में नीचे की टीमों में शुमार केकेआर ने लगातार चार जीत के साथ प्लेआफ की उम्मीदें बरकरार रखी है। गत चैम्पियन टीम ने शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया। ग्रीन ने कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि खुद पर भरोसा कभी खोया था। उन्होंने कहा ,'' पूरे टूर्नामेंट में टीम में बहुत अच्छा कल्चर रहा है। एक भी मैच जीतने से पहले ही जिस तरह से हर कोई इतना उत्साहित रहा है, उसे देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि हम हर मैच हार गए हैं। केकेआर ने दिल्ली को आठ विकेट पर 142 रन पर रोकने के बाद 14 . 2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। फिन एलेन ने 47 गेंद में नाबाद 100 रन बनाये। ग्रीन ने कहा ,''हमने वापसी के लिये काफी मेहनत की और हमारे गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। यह बहुत अच्छा मैच था। उन्होंने कहा ,'' हमने सही संयोजन और संतुलन हासिल कर लिया। इसके लिये कुछ मैचों का इंतजार करना पड़ा लेकिन अब प्रदर्शन सही राह पर है। आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्रीन पर सत्र की शुरूआत में दबाव था क्योंकि क्रिकेट आस्ट्रेलिया से उन्हें गेंदबाजी के लिये हरी झंडी नहीं मिली थी। उन्होंने कहा ,'' सहयोगी स्टाफ ने मुझ पर किसी तरह का दबाव नहीं डाला। उन्होंने कभी महसूस नहीं होने दिया कि कोई अतिरिक्त दबाव है।

तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2: साहिल जाधव ने जीता कांस्य, भारत को दिलाया पहला पदक

शंघाई। भारत के युवा तीरंदाज साहिल जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप 2026 के स्टेज-2 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। शनिवार को खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में साहिल ने डेनमार्क के अनुभवी तीरंदाज मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराया। विश्व विश्वविद्यालय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता साहिल जाधव ने इस जीत के साथ प्रतियोगिता में भारत का पहला पदक दिलाया। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज ने मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए दमदार प्रदर्शन किया। मुकाबले की शुरुआत में साहिल पहले एंड के बाद 29-30 से पीछे थे। हालांकि दूसरे एंड में डैम्सबो ने तीन बार 9 का स्कोर किया, जबकि साहिल ने परफ़ेक्ट स्कोर बनाकर दो अंकों की बढ़त हासिल कर ली। तीसरे एंड तक भारतीय तीरंदाज ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। अंतिम एंड में डैम्सबो ने तीनों बार 10 अंक हासिल किए, लेकिन साहिल का 29 का स्कोर उन्हें पदक दिलाने के लिए काफी रहा। पूरे मुकाबले में साहिल ने 12 बार 10 अंक लगाए, जिनमें 6 इनर-10 (एक्स) शामिल रहे। इससे पहले सेमीफाइनल में साहिल जाधव को मौजूदा विश्व चैंपियन फ्रांस के निकोलस गिरार्ड के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। गिरार्ड ने भारतीय खिलाड़ी को 147-146 से मात दी। सेमीफाइनल में दोनों खिलाड़ी 137-137 की बराबरी पर थे। अंतिम तीर में गिरार्ड ने 10 अंक हासिल किए, जबकि साहिल का आखिरी शॉट 9 अंक का रहा और वह फाइनल में पहुंचने से चूक गए। साहिल ने मुकाबले की शुरुआत शानदार ढंग से करते हुए पहले एंड में दो बार 10 अंक लगाए थे, लेकिन तीसरे तीर पर 8 अंक मिलने से उन्हें नुकसान हुआ। चौथे एंड में साहिल ने परफ़ेक्ट 30 स्कोर कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया था। यह प्रतियोगिता में साहिल की दूसरी करीबी हार से वापसी थी। इससे पहले पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में वह ओजस देवताले और कुशल दलाल के साथ चीन के खिलाफ शूट-ऑफ में कांस्य पदक मुकाबला हार गए थे। हालांकि इस बार साहिल जाधव ने कोई गलती नहीं की और शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी नोरा फतेही

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही फीफा वर्ल्ड कप 2026 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देती नजर आएंगी। यह समारोह 12 जून 2026 को कनाडा के टोरंटो स्थित बीएमओ फील्ड में आयोजित होगा। खास बात यह है कि नोरा इस भव्य आयोजन में न सिर्फ परफॉर्म करेंगी, बल्कि गायन भी करेंगी। फीफा की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, नोरा फतेही के साथ इस समारोह में कई अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी शामिल होंगे। इनमें एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, माइकल बब्ले, संजॉय, वेजीड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे नाम शामिल हैं।

ब्रूनो फर्नांडीस और 'बनी' शॉ वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस को फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकारों ने इंग्लैंड में खेलने वाले खिलाड़ियों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जबकि मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खादिजा 'बनी' शॉ ने दूसरी बार महिलाओं का पुरस्कार जीता। इंग्लैंड में फुटबॉल का सत्र जबकि अंतिम दौर में चल रहा है तब फर्नांडीस ने फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन द्वारा दिए जाने वाला यह पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने इस सत्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से 19 गोल करने में मदद की जो कि रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम है। उन्होंने टीम को चैंपियंस लीग में जगह दिलाने में भी मदद की। पुर्तगाल के इस मिडफील्डर ने आर्सेनल के डेक्लान राइस और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड को पीछे छोड़ा। उन्हें फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से अधिक

सदस्यों में से 45 प्रतिशत मत मिले। वह 2010 में वायने रूनी के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी हैं। यह पुरस्कार 1947 से दिया जा रहा है और इस प्रकार यह दुनिया का सबसे पुराना व्यक्तिगत फुटबॉल पुरस्कार है। शॉ ने आर्सेनल की एलेशिया रूसो और चेल्सी की लॉरेन जेम्स को पीछे छोड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्होंने 21 मैचों में सबसे अधिक 19 गोल करके मैनचेस्टर सिटी को 10 साल में पहली बार महिला सुपर लीग का खिताब दिलाया। शॉ ने 2024 में भी यह पुरस्कार हासिल किया था।

बहुत कम ऐसे खिलाड़ी हैं जो फिन एलन की तरह गेंद पर जोरदार प्रहार करते हैं: बाउचर

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि विश्व क्रिकेट में ऐसे 'बहुत कम खिलाड़ी' हैं जो फिन एलन की तरह गेंद पर जोरदार प्रहार करने की क्षमता रखते हैं। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज एलन के नाबाद शतक की मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के एक मैच में दिल्ली कैपिटल्स पर आसान जीत दर्ज की। इससे केकेआर ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवंत रखी। बाउचर ने जियोहॉटस्टार से कहा, ''फिन एलन जब 20 या 30 रन बना लेते हैं तो उसके बाद वह जिस तरह से गेंद पर जोरदार प्रहार करते हैं वैसे विश्व क्रिकेट में बहुत कम खिलाड़ी कर पाते हैं। जो चीज उन्हें खास बनाती है, वह सिर्फ उनकी ताकत ही नहीं बल्कि उनके शॉट की रेंज और सटीकता भी है। उन्होंने कहा, ''चाहे वो मिचेल स्टार्क के खिलाफ फाइन लेग के ऊपर से लगाया गया 'पिकअप शॉट'

हो या गेंदबाज के सिर के ऊपर से सीधे शॉट, उन्हें देखकर सब कुछ सहज लग रहा था। जो भी गेंद उनकी जद में आती, वह उस पर शानदार तरीके से शॉट लगा रहे थे। एक समय तो ऐसा लग रहा था मानो वह किसी 'बॉलिंग मशीन' के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे हों। यह एक अविश्वसनीय पारी थी। एलन ने शुक्रवार को यहां 47 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और पांच चौके शामिल हैं। बाउचर ने शीर्ष बल्लेबाज केएल राहुल के पावरप्ले में आउट होने को मैच का निर्णायक क्षण बताया। उन्होंने कहा, ''केएल राहुल का विकेट गिरना टर्निंग प्वाइंट था क्योंकि दिल्ली कैपिटल्स की पारी उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है।

सैमसंग ने भारत में अपने प्रमुख नवाचार, शिक्षा कार्यक्रम के पांचवें संस्करण की शुरुआत की

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने शुक्रवार को भारत में अपने प्रमुख नवाचार और शिक्षा कार्यक्रम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो' के पांचवें संस्करण को शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम भारत की अगली पीढ़ी के युवा नवोन्मेषकों को वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी आधारित उपाय विकसित करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। कंपनी के अनुसार, वर्ष 2026 के संस्करण में शीर्ष चार विजेता टीमों को दो करोड़ रुपये तक का 'इनक्यूबेशन' अनुदान दिया जाएगा, जिससे वे अपने विचारों को आगे विकसित कर सकें। इसके लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में इनक्यूबेशन सहायता भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, शीर्ष 20 टीमों को 20 लाख रुपये तथा उसके बाद शीर्ष 40 टीमों को आठ लाख रुपये के साथ सैमसंग के उपकरण और मेंटरशिप सहायता दी जाएगी। सैमसंग अध्यक्ष (दक्षिण पश्चिम एशिया) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जे बी पार्क ने कहा, 2026 संस्करण के साथ हम नवाचार को भारत के अधिक गहराई तक ले जा रहे हैं, स्कूली स्तर तक अपनी पहुंच को दोगुना से भी अधिक बढ़ा रहे हैं और युवा परिवर्तनकर्ताओं के लिए अवसरों के दायरे का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम डिज़ाइन आधारित सोच, कौशल विकास, उद्योग अनुभव और स्टार्टअप सहायता के माध्यम से भारत की नवाचार यात्रा को सशक्त बनाने के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो 'डिजिटल इंडिया' के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई ने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने के 11 वर्ष किए पूरे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने देशभर में नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा कवर प्रदान करने के 11 साल पूरे कर लिए हैं। इनके तहत अब तक 58 करोड़ (पीएमएसबीवाई), 27 करोड़ (पीएमजेजेबीवाई) और 9 करोड़ (एपीवाई) लोगों का नामांकन हो चुका है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि इन योजनाओं की परिकल्पना सभी को विशेष रूप से समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। ये जन सुरक्षा योजनाएं 9 मई 2015 को शुरू की गई थीं, जो करोड़ों नागरिकों को बीमा और पेंशन का कवच प्रदान कर रही

हैं। भारत सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल इन तीनों प्रमुख योजनाओं का उद्देश्य नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करके और दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता को बढ़ावा देकर, बीमा और पेंशन के दायरे का विस्तार करना है। ये तीनों सरकारी सहायता प्राप्त कार्यक्रम जीवन बीमा, दुर्घटना कवरेज और रिटायरमेंट पेंशन की सुविधा देते हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन योजनाओं के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कम लागत पर बीमा और पेंशन लाभ प्रदान करने के लिए 'जन सुरक्षा' योजनाओं की शुरुआत की थी, जिनमें पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 27 करोड़ से ज्यादा, पीएम सुरक्षा बीमा योजना में 58 करोड़ और अटल पेंशन योजना के तहत 9 करोड़ नामांकन किए गए हैं। सीतारमण ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई योजना के तहत 10.7 लाख से ज़्यादा परिवारों के लिए 21 हजार 500 करोड़ रुपये से ज्यादा के दावों का निपटारा किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमएसबीवाई के तहत 1.84 लाख से ज़्यादा परिवारों के लगभग 3,660 करोड़ रुपये के क्लेम का निपटारा किया गया है। सीतारमण ने सभी हितधारकों की सराहना की जिनमें बैंकों और बीमा कंपनियों के फील्ड अधिकारी भी शामिल हैं, जिनके समर्पित प्रयासों से ये योजनाएं इतनी सफल हो पाई हैं।

पंजाब को निशाना बना रही मोदी सरकार : केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार में जांच एजेंसियां दूसरी पार्टियों को तोड़ने, उनके नेताओं को डराने-धमकाने और उन्हें भारतीय जनता पार्टी) भाजपा में शामिल कराने का काम करती हैं।

श्री केजरीवाल ने आज यहां संवादाता सम्मेलन में कहा कि पंजाब सरकार में मंत्री संजीव अरोड़ा के घर पर ईडी की रेड चल रही है। ईडी का काम है कि देश के अंदर अगर कहीं धन शोधन हो रहा है, तो उसको रोकना और उसकी जांच करना। अगर इस मकसद से ईडी अपनी कार्रवाई करे, तो हमें कोई परेशानी नहीं है। लेकिन जब से इस देश के अंदर मोदी जी राज आया है, सीबीआई भ्रष्टाचार को रोकने के लिए काम नहीं करती और न ईडी धन शोधन रोकने के लिए काम करती है। वे सिर्फ और सिर्फ दूसरी पार्टियों को तोड़ने, उनके नेताओं को डराने-धमकाने और उन्हें भाजपा में शामिल कराने का काम करती हैं।

उन्होंने कहा कि संजीव अरोड़ा के घर पर ईडी कोई धन शोधन की जांच करने नहीं आई है। उनके यहां पिछले एक महीने के अंदर ईडी की यह दूसरी रेड है। इससे पहले 17 अप्रैल को ईडी आई थी और संजीव अरोड़ा के गुड़गांव, लुधियाना व दिल्ली के सभी ठिकानों पर रेड की। ये रेड तीन दिन चली। उन तीन दिनों की रेड में ईडी को क्या नहीं मिला, जो आज ढूंढने आए हैं। उसी वक्त अशोक मित्तल के यहां रेड हुई थी। उनके यहां भी तीन दिन रेड चली और उस रेड के बाद अशोक मित्तल ने भाजपा ज्वाइन कर ली। इसके बाद उनके यहां रेड खत्म हो गई और उनका सारा

मामला रफा-दफा हो गया।

श्री केजरीवाल ने कहा कि संजीव अरोड़ा ने भाजपा ज्वाइन नहीं की। उस दिन संजीव अरोड़ा पर काफी दबाव डाला गया कि भाजपा ज्वाइन कर लो। अगर वे उस दिन भाजपा ज्वाइन कर लेते, तो शायद आज ईडी की रेड नहीं होती। आज ईडी की रेड उनको सबक सिखाने के लिए हुई है कि उन्होंने भाजपा ज्वाइन क्यों नहीं की। या तो भाजपा ज्वाइन कर लो, नहीं तो गिरफ्तार कर लिए जाओगे। इसलिए आज ईडी की रेड हुई है। यह बहुत ही दुख की बात है कि मोदी राज के अंदर एजेंसियों का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खासतौर पर पंजाब को निशाना बना रहे हैं। पंजाब के लोगों के साथ धक्का, नाइंसाफी और अन्याय किया जा रहा है। पंजाब के लोगों को कुचलने की कोशिश की जा रही है। पिछले चार साल से ग्रामीण विकास का हजारों करोड़ रुपया, जिससे मंडियों और गांव-गांव की सड़कें बननी होती हैं, वह प्रधानमंत्री ने रोक दिया। पंजाब की पंजाब यूनिवर्सिटी को टेकओवर करने की कोशिश की गई।

ममता के नेतृत्व में बिना डरे अपनी लड़ाई जारी रखेगी तृणमूल कांग्रेस : अभिषेक

एजेंसी

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को कहा कि पार्टी सुश्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में ''बिना डरे और बिना किसी समझौते के'' अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

श्री अभिषेक ने अपने व्हॉटसऐप चैनल पर एक पोस्ट में पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया की तीखी आलोचना करते हुए बड़े पैमाने पर मतदाताओं को वोट देने से रोकने, संवैधानिक अधिकारियों के पक्षपातपूर्ण व्यवहार तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ चुनाव के बाद हिंसा का आरोप लगाया। उन्होंने वा किया कि लगभग ''30 लाख असली मतदाताओं'' को कथित तौर पर मतदाता सूची से हटा दिया गया था, जिसे उन्होंने ''बहुत मुश्किल चुनाव'' बताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारत चुनाव आयोग के साथ-साथ कई सरकारी एजेंसियों ने पूरे चुनाव के दौरान ''बहुत ज़्यादा पक्षपातपूर्ण व्यवहार'' दिखाया। उन्होंने कहा, ''लोकतांत्रिक संस्थाएं जो निष्पक्ष रूप से काम करने के लिए हैं, वे समझौता करती हुई दिखीं, जिससे पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, विश्वसनीयता और पारदर्शिता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हुईं।'' उन्होंने मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए ईवीएम को संभालने और उनकी मूवमेंट और जिसे उन्होंने ''कंट्रोल यूनिट्स का मिसमैच'' कहा, उससे जुड़े आरोपों का ज़िक्र किया। उन्होंने मतगणना केन्द्रों से सीसीटीवी फुटेज तुरंत जारी करने तथा लोगों के सामने सच्चाई लाने के लिए वीवीपेट पर्चियों की पारदर्शी गिनती की मांग की। उन्होंने कहा, ''कई परेशान करने वाली घटनाओं ने लाखों लोगों को यह सवाल करने पर मजबूर कर दिया है कि क्या लोगों के असली जनादेश का सम्मान किया गया है।लोकतंत्र तभी बच सकता है जब चुनावी संस्थाएं नागरिकों के बीच भरोसा और विश्वास पैदा करें।'' उन्होंने चुनाव के बाद हिंसा और टीएमसी के कार्यालयों और कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों की खबरों पर भी चिंता जताई। इन घटनाओं को ''बहुत चिंताजनक और एक लोकतांत्रिक समाज में मंज़ूर नहीं'' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि कई पार्टी कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर धमकाया गया और उन्हें अपने घर छोड़ने पर मजबूर किया गया।

उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता को कभी भी अपनी सुरक्षा और अपनी राजनीतिक सोच के बीच चुनना नहीं चाहिए।'' उन्होंने चुनावी हार के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की कोशिश करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल के लोगों के साथ मज़बूती से खड़ी रहेगी और ''दिल्ली और पश्चिम बंगाल दोनों में एक मज़बूत, मुखर और बिना किसी समझौते वाला विपक्ष'' बनी रहेगी। उन्होंने दोहराया कि ''लोकतंत्र , संवैधानिक मूल्यों और लोगों के अधिकारों और सम्मान'' के लिए पार्टी की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने पार्टी समर्थकों और कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे धमकी या हिंसा का सामना करते हुए सीधे उनसे संपर्क करें और किसी भी धमकी या हमले की जानकारी साझा करें। उन्होंने कहा, ''मैं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करूँगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दो राज्यों में एक साथ नौकरी करने वाले सिपाही की बर्खास्तगी को सही माना

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस सिपाही की बर्खास्तगी के आदेश को सही करार दिया है, जिसने झारखंड पुलिस से दो दिनों की छुट्टी लेकर जाली पहचान के साथ बिहार पुलिस में नौकरी हासिल कर ली थी।

न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने झारखंड उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें आरोपी सिपाही रंजन कुमार को सेवा से बर्खास्त करने के अनुशासनात्मक प्राधिकारी के आदेश को खारिज कर दिया गया था। अदालत के अनुसार, कामता सिंह के पुत्र रंजन कुमार को 18 मई 2005 को झारखंड पुलिस में सिपाही के रूप में नियुक्त किया गया था। धुरकी पुलिस स्टेशन में रिजर्व गार्ड के रूप

में सेवा करते समय उसे 20 दिसंबर 2007 से 22 दिसंबर 2007 तक दो दिनों की क्षतिपूरक छुट्टी दी गयी थी। हालांकि वह 23 दिसंबर को ड्यूटी पर नहीं लौटा और बिना सूचना के अनुपस्थित रहा। जांच में पाया गया कि इसी अनुपस्थिति के दौरान, रंजन कुमार ने 26 दिसंबर 2007 को बिहार में 'संतोष कुमार पिता कामता शर्मा' के नाम से और जाली प्रमाणपत्रों व फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सिपाही की नौकरी हासिल कर ली थी। इसके बाद उसने छह जनवरी 2008 को बिना किसी अनुमति के पटना जिला पुलिस की ड्यूटी भी छोड़ दी। सीनियर एसपी पटना और एसपी जहानाबाद की करायी गयी जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि रंजन कुमार और संतोष कुमार वास्तव में एक ही व्यक्ति थे। झारखंड पुलिस की विभागीय जांच में धोखाधड़ी, प्रतिरूपण (इम्पर्सनेशन), जालसाजी, धोखाधड़ी, ड्यूटी से अनधिकृत अनुपस्थिति और सेवा अनुशासन के उल्लंघन के आरोप साबित हुए। शीर्ष अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सेवाओं में इस तरह की धोखाधड़ी और अनुशासनहीनता के लिए कोई स्थान नहीं है।

राष्ट्र निर्माण और मानव सेवा में डॉक्टरों तथा स्वास्थ्यकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका

संजय सेठ ने सेना अस्पताल के सशस्त्र बल नेत्र विज्ञान सम्मेलन का उद्‍घाटन किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शुक्रवार को यहां सेना अस्पताल (आर आर अस्पताल) के नेत्र विज्ञान विभाग के एआईओएसऽसशस्त्र बल नेत्र विज्ञान अद्यतन सम्मेलन का उद्घाटन किया।

आर आर अस्पताल ने दो दिन का यह सम्मेलन अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया है। यह कार्यक्रम सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के लिए एक ऐतिहासिक पहल है, जिसमें सैन्य नेत्र विशेषज्ञों तथा भारत एवं विदेशों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को अत्याधुनिक नेत्र अनुसंधान, नवाचार और चिकित्सीय उत्कृष्टता के लिए एक साझा शैक्षणिक मंच पर एकत्र किया गया है। रक्षा राज्य मंत्री ने इस अवसर पर सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं, सेना चिकित्सा कोर और अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी के समर्पित प्रयासों तथा राष्ट्र के प्रति उनकी निःस्वार्थ सेवा की सराहना की। उन्होंने 'नर सेवा नारायण सेवा' की भावना पर बल देते हुए राष्ट्र निर्माण और मानव सेवा में डॉक्टरों तथा स्वास्थ्यकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। श्री सेठ ने कहा, ''भारतीय नेत्र विशेषज्ञ दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों में शामिल हैं। उनकी दक्षता, समर्पण और करुणा ने लाखों लोगों की दृष्टि लौटाई है – हमारे शहरों में, गाँवों में और सबसे कठिन सीमावर्ती क्षेत्रों में भी। हमारे सशस्त्र बलों की चिकित्सा सेवाओं के पुरुष और महिलाएँ इसी परंपरा को असाधारण प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। यह सम्मेलन इस बात का गौरवपूर्ण प्रमाण है कि हमारे वर्दीधारी डॉक्टर क्या करने में सक्षम हैं, और मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारतीय नेत्र विज्ञान आगे भी विश्व का नेतृत्व करता रहेगा। उन्होंने सशस्त्र बल अस्पतालों में स्थापित विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा उपकरणों की भी सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सैन्य चिकित्सा व्यवस्था दुनिया की सबसे उन्नत निदान और शल्य चिकित्सा तकनीकों से सुसज्जित है। उन्होंने सैन्य चिकित्सा के दूरदर्शी, अनुकूलनशील और स्वास्थ्य सेवा में वैश्विक नेतृत्व की भारत की आकांक्षा के अनुरूप दृष्टिकोण की प्रशंसा की। रक्षा राज्य मंत्री ने पिछले सोलह महीनों में भारत के आठ दूरस्थ और सीमावर्ती क्षेत्रों में आयोजित उन्नत शल्य चिकित्सा नेत्र शिविरों को सशस्त्र बलों की सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इन शिविरों ने देश के सबसे कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले हजारों नागरिकों को दृष्टि का प्रकाश प्रदान किया है और ऐसी सेवा भारतीय सैनिक की सच्ची भावना को दर्शाती है। कार्यक्रम के दौरान रक्षा राज्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त नेत्र विशेषज्ञ प्रो़फेसर हरमिंदर सिंह दुआ, जिन्हें कॉर्नियल विज्ञान और 'दुआ लेयर' की खोज के लिए जाना जाता है, तथा सिंगापुर के रेटिना इमेजिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नेत्र निदान विशेषज्ञ डॉ. कॉलिन सियांग हुई टैन को भी सम्मानित किया। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक वाइस एडमिरल आरती सारिन ने सैन्य चिकित्सा के स्तर को ऊँचा उठाने में अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विश्वास व्यक्त किया कि एआईओएस-एएफओयू 2026 देश में नेत्र विज्ञान सम्मेलनों के लिए नया मानदंड स्थापित करेगा। उद्घाटन समारोह में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह तथा रक्षा मंत्रालय के सचिव राजेश सिंह भी उपस्थित थे।

बेरोजगार युवाओं के प्रति भाजपा की प्रतिक्रिया लाठियों के रूप में सामने आई है : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि बेरोजगारी भारत की सबसे बड़ी 'बीमारी' है और बेरोजगार युवाओं के प्रति भाजपा की प्रतिक्रिया लाठियों के रूप में सामने आयी है। उन्होंने दावा किया कि बेरोजगारी का असर बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है, जिन्हें रोजगार के उनके अधिकार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरने पर बेरहमी से पीटा जाता है। उन्होंने 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, पटना में कल अपने रोजगार का हक मांगते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को बिहार पुलिस ने फिर बेरहमी से पीटा। बेरोजगार युवाओं को भाजपा का जवाब–लाठी। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने नौकरी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों युवाओं की पटना में पुलिस द्वारा पिटाई के वीडियो साझा किए। गांधी ने कहा, भारत में आज सबसे बड़ी बीमारी बेरोजगारी है और इसकी सबसे भयंकर मार बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रही है। लाखों युवा डिग्री और काबिलियत हाथ में लेकर दर–दर भटक रहे हैं। उन्होंने कहा, मगर भाजपा की सरकार को न इनकी परवाह है, न आपकी। जब युवा सड़कों पर उतरकर अपना हक मांगते हैं, उनके हाथ में रोजगार नहीं दिया जाता, पीठ पर लाठियां बरसाई जाती हैं। पोस्ट में कांग्रेस नेता ने कहा, भारत का युवा भाजपा के झूठ से तंग आ चुका है, वो अब चुप नहीं बैठेगा। और, कांग्रेस उनके साथ हर मोड़ पर खड़ी है। शिक्षण पद के इच्छुक बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को पटना में बीपीएससी टीआरई 4.0 परीक्षा की तिथि की अधिसूचना में देरी के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने पटना कॉलेज से अपना मार्च शुरू किया और डाक बंगला चौराहा की ओर बढ़ रहे थे, तभी गांधी मैदान के पास पुलिस ने उन्हें रोक दिया। कई प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन पर अंधाधुंध लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) 4, जिसके तहत 46,000 से अधिक पदों को भरा जाना है, की अधिसूचना अप्रैल 2026 में जारी होने की उम्मीद थी।

पारसी समुदाय की विरासत को संरक्षित करना सरकार की प्राथमिकता : रिजिजू

नयी दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पारसी समुदाय की विरासत को संरक्षित करने और उनकी घटती जनसंख्या से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। श्री रिजिजू ने मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) के राष्ट्रीय संगोष्ठी में आज पारसी समुदाय की विरासत को संरक्षित करने और उनकी घटती जनसंख्या से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। पारसी समुदाय ने भारत के औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक विकास में ऐतिहासिक योगदान दिया है। सरकार पारसी आबादी में गिरावट की समस्या से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

पेज एक का शेष

पश्चिम बंगाल...

मतदाताओं के नाम काटे गये हैं। चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कराने तथा मतदाताओं को हिंसा तथा भय मुक्त वोट का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये थे। इस चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर से भाजपा उम्मीदवार श्री शुभेंदु अधिकारी से 15,000 से अधिक वोटों से पराजित हुईं। पिछले 2021 के चुनाव में श्री अधिकारी ने उन्हें नंदीग्राम सीट पर हराया था। श्री अधिकारी इस बार नंदीग्राम से भी चुनाव जीते हैं। भवानीपुर और नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी विजयी हुए हैं। खड़गपुर सदर से दिलीप घोष जीते हैं। आसनसोल दक्षिण से विधायक अग्निमित्रा जीती हैं। बनगांव उत्तर से अशोक कीर्तिनया, बांकुड़ा के रानीबांध केंद्र से क्षुदिराम टुडू और कूचबिहार के माथाभांगा से निशीथ प्रमाणिक विजयी हुए हैं। हालांकि मंत्रियों के विभागों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

दिलीप घोष - लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)

के प्रचारक रहे दिलीप घोष 2015ऽ2021 तक बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष थे।2016 के विधानसभा चुनाव में खड़गपुर सदर सीट से जीतकर पहली बार विधायक बने थे। 10 साल बाद फिर उसी खड़गपुर सदर विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें मेदिनीपुर सीट से टिकट दिया था। तृणमूल के मानस भुइयां को लगभग 90 हजार वोटों से हराकर उनकी संसदीय राजनीति की शुरुआत हुई। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में उनकी सीट बदल दी गई और उन्हें बर्धमान-दुर्गापुर सीट से चुनाव लड़ाया गया, लेकिन वे हार गए।

अग्निमित्रा पाल - पेशे से फैशन डिजाईनर अग्निमित्रा पाल ने 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा का दामन थामा। इसके कुछ ही समय बाद उन्हें पार्टी की महिला मोर्चा अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। 2021 में वे आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार बनीं और तृणमूल की सायनी घोष को हराकर विधायक बनीं। इस बार भी पार्टी ने उन्हें उसी सीट से टिकट दिया और वे दूसरी बार भी बड़े अंतर से जीत गईं।

अशोक कीर्तिनया - मतुआ समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अशोक कीर्तिनया 2021 मेंउत्तर 24 परगना जिले के मतुआ बहुल सीट बनगांव उत्तर सीट से जीते थे। इस बार भी पार्टी ने उसी सीट पर उन पर भरोसा जताया। उन्होंने पार्टी के विश्वास को कायम रखा और लगातार दूसरी बार चुनाव में जीत दर्ज कर शुभेंदु की मंत्रिपरिषद में जगह बनाई।

क्षुदिराम टुडू - आदिवासी समुदाय से आने वाले क्षुदिराम टुडू इससे पहले भी दो बार रानीबांध सीट से चुनाव लड़ चुके थे। आदिवासी चेहरे के रूप में पार्टी ने उन्हें चुना था। इस बार भी भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार बनाया। वे चुनाव जीते और शुभेंदु की मंत्रिपरिषद में भी शामिल हुए। राजनीति मे पदार्पण से पहले टुडू शिक्षक के रूप में कार्यरत थे।

निशीथ प्रमाणिक - राज्य में लंबे समय तक तृणमूल युवा ब्रिगेड का चेहरा रहे निशिथ प्रमाणिक ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा का रुख किया था। पार्टी ने संसदीय चुनाव में उन्हें कूचबिहार से टिकट दिया और वे जीतकर संसद पहुंचे थे। बाद में वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के डिप्टी बने। 2024 के लोकसभा चुनाव में वे उसी कूचबिहार सीट से हार गए थे। इस बार भाजपा ने उन्हें राजवंशी बहुल कूचबिहार की माथाभांगा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया। पार्टी ने राजवंश समीकरण को ध्यान में रखते हुए उन्हें मैदान में उतारा था। उन्होंने वहां से जीत दर्ज की जिसके बाद उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है।

विजय सरकार...

विधायकों का जादुई आंकड़ा प्राप्त हो गया है। यह घोषणा वीसीके नेता थिरुमावलवन के, टीवीके चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव आधाव अर्जुना को समर्थन पत्र सौंपने के बाद की गई। समर्थन पत्र प्राप्त करने के बाद श्री अर्जुना ने मीडिया से कहा, ''विजय, विजय, विजय। मैं कांग्रेस, भाकपा, माकपा के नेताओं और अपने राजनीतिक गुरु थिरुमावलवन को धन्यवाद देता हूं। लोकतंत्र की रक्षा की जाएगी और हमारे नेता विजय तमिलनाडु के अगले मुख्यमंत्री होंगे।'' गौरतलब है कि अभिनेता से नेता की भूमिका में आए जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में 108 सीटों पर जीत दर्ज की, हालांकि दो सीटों से चुनाव जीतने के कारण तकनीकी रूप से उनके पास 107 विधायक थे और उन्हें बहुमत के लिए 11 और सदस्यों की आवश्यकता थी। इस कमी को पूरा करने के लिए श्री विजय ने विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों से संपर्क साधा, जिसके परिणामस्वरूप कंग्रेस ने अपने 5 विधायकों के साथ द्रमुक का साथ छोड़कर टीवीके को समर्थन दिया, जबकि माकपा और भाकपा ने अपने 2-2 विधायकों के साथ बाहर से समर्थन देने का फैसला किया। अंततः वीसीके के 2 विधायकों के बिना शर्त समर्थन के साथ टीवीके गठबंधन की कुल संख्या 118 (107 5 2 2 2) तक पहुँच गई, जो सरकार बनाने के लिए आवश्यक जादुई आंकड़ा है। वीसीके के फैसले को लेकर सुबह से ही काफी उत्सुकता बनी हुई थी। श्री थिरुमावलवन ने सुबह अपना निर्णय टाल दिया था, जिससे राजनीतिक गलियारों में बेचैनी बढ़ गई थी। हालांकि, शाम होते-होते उन्होंने दो विधायकों के समर्थन की पुष्टि कर दी। रिपोर्टों के अनुसार, यह समर्थन काफी गहन चर्चा और राजनीतिक मोलभाव के बाद आया है। अब राज्यपाल विजय को औपचारिक रूप से सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे, जिसके बाद शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय की जाएगी।

अगले हफ्ते इस्लामाबाद...

है। ये घटनाक्रम ऐसे समय सामने आए हैं जब 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर किये गये हमलों के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया था। ईरान ने जवाबी हमले किए थे और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अहम होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन प्रभावित हुआ था। पाकिस्तान की मध्यस्थता में आठ अप्रैल को युद्धविराम हुआ था। इसके बाद 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई वार्ता का पहला दौर किसी स्थायी समझौते तक नहीं पहुंच सका था। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम को बिना किसी समय सीमा के आगे बढ़ा दिया था। श्री ट्रंप ने अमेरिकी मीडिया से कहा कि प्रशासन को संघर्ष समाप्ति के प्रस्ताव पर ईरान के जवाब का इंतजार है। उन्होंने सीएनएन से कहा, ''हमें आज रात तक जवाब मिलने की उम्मीद है'', हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि तेहरान जानबूझकर जवाब में देरी कर रहा है या नहीं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा कि वॉशिंगटन को शुक्रवार तक ईरान के जवाब की उम्मीद है, हालांकि शनिवार सुबह तक (अमेरिकी पूर्वी समयानुसार) यह स्पष्ट नहीं हो सका था कि ईरान ने औपचारिक रूप से कोई जवाब दिया है या नहीं।

आज हो सकता...

हालांकि अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। भाजपा सांसद ने बताया कि भाजपा इस फ़ेरबदल को केवल प्रशासनिक बदलाव तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसके जरिए स्पष्ट राजनीतिक संदेश देने की भी तैयारी है। लोकसभा चुनाव के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों और भाजपा के सामाजिक गठबंधन में आई चुनौतियों को देखते हुए पार्टी विभिन्न जातीय समूहों, क्षेत्रों और समुदायों के प्रतिनिधित्व का नए सिरे से आकलन कर रही है। सांसद ने कहा, पार्टी विशेष रूप से उन वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति बना रही है, जहां उसे समर्थन में कमी महसूस हुई है या जहां विपक्ष अपनी सामाजिक पैठ बढ़ाने में जुटा है। इसी को ध्यान में रखते हुए एक-दो महिलाओं को मंत्रिमंडल में जगह दिए जाने की चर्चा है। साथ ही ब्राह्मण, जाट, गुर्जर, कुर्मी, पासी, पाल और वाल्मीकि समुदायों को साधने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का मंत्रिमंडल में शामिल होना लगभग तय माना जा रहा है। इसके अलावा मनोज पांडेय, अशोक कटारिया, कृष्णा पासवान और पूजा पाल के नाम भी चर्चा में हैं। सरकार के अलावा संगठनात्मक स्तर पर भी बड़े बदलाव संभावित हैं। पार्टी संगठन में कई पद लंबे समय से लंबित हैं, जबकि अनेक आयोगों, बोर्डों और निगमों में नियुक्तियां अभी बाकी हैं। माना जा रहा है कि इन नियुक्तियों के जरिए भाजपा विभिन्न सामाजिक और क्षेत्रीय समूहों के नेताओं को समायोजित करने के साथ-साथ आंतरिक संतुलन साधने की कोशिश करेगी। भाजपा सांसद का मानना है कि भाजपा का पूरा फोकस पिछड़ा वर्ग, दलित और गैर-प्रभावशाली जातियों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने पर रहेगा। साथ ही उन क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश होगी, जहां पार्टी को पर्याप्त राजनीतिक भागीदारी नहीं मिल सकी है। सूत्रों की मानें तो महिला प्रतिनिधित्व को भी भाजपा विशेष महत्व दे सकती है। केंद्र और राज्य सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं और लाभार्थी राजनीति को देखते हुए पार्टी महिला वोटरों के बीच अपना संदेश और मजबूत करना चाहती है। भाजपा सूत्रों का मानना है कि हिंदुत्व के मुद्दे पर पार्टी को कोई बड़ी चुनौती नहीं है, लेकिन 2027 के चुनाव से पहले जातीय, क्षेत्रीय और लैंगिक संतुलन साधना बेहद जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट विस्तार, संगठनात्मक बदलाव और निगमों-बोर्डों में नियुक्तियों को भाजपा राजनीतिक संदेश और सामाजिक संतुलन के बड़े अभियान के रूप में इस्तेमाल कर सकती है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा कि जहां तक पार्टी में बदलाव और मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा का सवाल है तो पार्टी नेतृत्व को जो उचित लगेगा वो कदम उठाएगी । भाजपा का कार्यकर्ता 2027 चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार है।

ईडी ने पीएमएलए के नए...

होगा। ईडी सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने अरोड़ा की कंपनी के माध्यम से कथित तौर पर चलाए जा रहे बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग ऑपरेशन का पता लगाया है। इसमें 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मोबाइल फोन की फर्जी जीएसटी खरीद और उसके बाद दुबई से भारत में अवैध धन की वापसी के उद्देश्य से निर्यात शामिल है। सूत्रों ने आरोप लगाया कि फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट, निर्यात क्रेडिट पर जीएसटी रिफंड और ड्यूटी ड्रॉबैक लाभ का दावा करने के लिए दिल्ली में अस्तित्वहीन फर्मों से कई फर्जी जीएसटी खरीद बिल हासिल किए। इससे कथित तौर पर सरकारी खजाने को नुकसान हुआ और व्यक्तिगत लाभ हुआ। संजीव अरोड़ा लंबे समय तक एक्सपोर्ट, रियल एस्टेट और फैशन कारोबार से जुड़े रहे। उनके परिवार का व्यवसाय वस्त्र उद्योग से शुरू हुआ था, जिसे उन्होंने आगे बढ़ाकर कई कंपनियों तक विस्तार दिया। 1986 में व्यापार शुरू करने वाले संजीव अरोड़ा ने अमेरिका के वर्जीनिया में अपना पहला एक्सपोर्ट ऑफिस खोला। उन्होंने लुधियाना में अत्याधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित किया और 2019 में सुजुकी मोटर्स के गुजरात प्लांट के साथ साझेदारी की। उनकी कंपनी फ़ेमेला फैशन लिमिटेड महिलाओं के कपड़ों के ब्रांड के रूप में मशहूर हुई। उन्होंने लौह धातु व्यवसाय में भी हाथ आजमाया और 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत देश में उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया। सिर्फ कारोबारी ही नहीं, अरोड़ा सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। अपने माता-पिता को कैंसर से खोने के बाद उन्होंने 'कृष्ण प्राण ब्रेस्ट कैंसर चैरिटेबल ट्रस्ट' की स्थापना की, जो अब तक 160 से ज्यादा मरीजों का मुफ्त इलाज कर चुका है। वे दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के शासी बोर्ड में भी शामिल हैं। इसके अलावा वे पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन, वेद मंदिर ट्रस्ट और सतलुज क्लब जैसे कई संगठनों से जुड़े हुए हैं।

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट...

के बाद उन्होंने कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान मुख्यालय में चीफ स्टाफ ऑफिसर (प्रशिक्षण) के रूप में कार्य किया और भारतीय नौसेना में प्रशिक्षण संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय नौसेना सुरक्षा दल की स्थापना में भी प्रमुख रूप से जुड़े रहे, जो नौसेना के सभी क्षेत्रों में परिचालन सुरक्षा की निगरानी करता है। इसके बाद उन्होंने फ्लैग ऑफिसर सी ट्रेनिंग के रूप में नौसेना के वर्क अप संगठन का नेतृत्व किया और तत्पश्चात उन्हें पश्चिमी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में नियुक्त किया गया। 'स्वॉर्ड आर्म' की कमान संभालने के बाद उन्हें फ्लैग ऑफिसर ऑफशोर डिफेंस एडवाइजरी ग्रुप तथा भारत सरकार के ऑफशोर सुरक्षा एवं रक्षा सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। वाइस एडमिरल के पद पर पदोन्नति के बाद फ्लैग अधिकारी पश्चिमी नौसेना कमान के चीफ ऑफ स्टाफ, कार्मिक सेवाओं के नियंत्रक तथा नौसेना मुख्यालय में चीफ ऑफ पर्सनल रहे। अपनी वर्तमान नियुक्ति से पहले वे नौसेना मुख्यालय में उप नौसेना स्टाफ प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन की शैक्षणिक योग्यताओं में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, से विज्ञान स्नातक की उपाधि; कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि से दूरसंचार में विज्ञान स्नातकोत्तर; किंग्स कॉलेज, लंदन से रक्षा अध्ययन में कला स्नातकोत्तर; मुंबई विश्वविद्यालय से सामरिक अध्ययन में एमफिल; तथा मुंबई विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पीएचडी शामिल हैं।

संजीव अरोड़ा के खिलाफ छापेमारी: भगवंत मान ने केंद्र की आलोचना की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शनिवार को छापेमारी किए जाने के बाद केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार पर अपने राजनीतिक मकसद पूरे करने के लिए ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी एजेंसियों को ''हथियार'' के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री मान ने संगरूर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां ''भाजपा के पास मौजूद वे चार-पांच हथियार हैं, जिनका राजनीतिकरण कर दिया गया है। मान ने कहा, ''वे लंबे समय से अपनी राजनीति के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे महाराष्ट्र हो या ओडिशा, बिहार हो या कर्नाटक अथवा पश्चिम बंगाल। अब पंजाब उनके निशाने पर है। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन से जुड़ी जांच के तहत पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा और उनसे कथित रूप से जुड़े कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर शनिवार को फिर से छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी की कार्रवाई पांच परिसरों में की गई, जिनमें आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरोड़ा का चंडीगढ़ स्थित आधिकारिक आवास भी शामिल है। छापेमारी दिल्ली और हरियाणा के गुरुग्राम स्थित परिसरों में भी की गई। इनमें 'हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड' नामक कंपनी का परिसर भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी द्वारा धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत नया मामला दर्ज किए जाने के बाद ये छापेमारी की गई। ईडी ने अप्रैल में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फ़ेमा) के दीवानी प्रावधानों के तहत अरोड़ा और उनसे जुड़ी इकाइयों के परिसरों पर छापे मारे थे। मान ने भाजपा-नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''छापे मारने के पीछे उनका मकसद कोई काला धन या कोई अवैध दस्तावेज ढूंढना नहीं है। उनका मकसद होता है कि जिस व्यक्ति के परिसर पर छापा मारा गया है, उस तक यह संदेश पहुंच जाए कि भाजपा में शामिल हो जाओ और सब माफ कर दिया जाएगा। मान ने कहा कि पिछले महीने राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल से जुड़ी कारोबारी इकाइयों पर ईडी ने छापे मारे थे। उन्होंने कहा, ''कुछ दिन पहले अशोक मित्तल के परिसरों पर दो दिन तक छापे मारे गए, लेकिन (आप के) छह अन्य राज्यसभा सदस्यों के साथ उनके भाजपा में शामिल होने के बाद छापेमारी समाप्त हो गई और कुछ दिन बाद मित्तल को सम्मानित किया गया तथा उन्हें 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई। फिर ईडी के मामले का क्या हुआ? इसका मतलब है कि ईडी का राजनीतिकरण हो रहा है। मान ने कहा कि अरोड़ा के खिलाफ ईडी की ''तथाकथित'' छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा, ''एक महीने में यह दूसरी बार और एक साल में तीसरी बार है जब वे आए हैं, लेकिन पहले भी उन्हें कुछ नहीं मिला और अब भी कुछ नहीं मिलेगा। वे केवल यह संदेश देने आए हैं कि भाजपा में शामिल हो जाओ, वरना उनके कारोबार बंद कर दिए जाएंगे। मान ने आरोप लगाया कि भाजपा-नीत केंद्र सरकार अपने विरोधियों में इसी तरह डर पैदा कर काम करती है। उन्होंने कहा कि वे अन्य राज्यों में ऐसा कर सकते हैं, लेकिन पंजाब में उनकी यह रणनीति काम नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ''मैं भाजपा, मोदी और अमित शाह को बहुत स्पष्ट रूप से बताना चाहता हूं कि यह पंजाब है, यह ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं है। मोदी को तीन कृषि कानूनों पर 'यू-टर्न' लेना पड़ा था और माफी मांगनी पड़ी थी। शायद मोदी अब भी उस दर्द को मन में रखे हुए हैं। इससे पहले मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''आज फिर एक बार 'भाजपा की ईडी' अरोड़ा के घर पहुंची है। एक साल में यह तीसरी बार है, जब 'भाजपा की ईडी' उनके घर पहुंची है। और पिछले एक महीने में दूसरी बार।

तेजस्वी की हालत ''खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे'' जैसीय मुद्दों के दिवालियापन से जूझ रहे हैं : उमेश सिंह कुशवाहा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक हालत अब ''खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे'' जैसी हो चुकी है। सियासी मैदान में लगातार पटखनी खाने और लंबे समय से सत्ता से बाहर रहने की बौखलाहट में वे अनर्गल और तथ्यहीन बयानबाजी पर उतर आए हैं। उन्होंने आज बयान जारी कर कहा कि सूबे की जनता उन्हें पूरी तरह नकार चुकी है। उनकी पार्टी से लेकर परिवार तक सब खंड-खंड में बंट चुका है, और उनके नेताओं का मोह भी धीरे-धीरे पार्टी से समाप्त हो रहा है। अपने ही कार्यकर्ताओं का विश्वास वे पूरी तरह खो चुके हैं। मुद्दों के दिवालियापन से जूझ रहे तेजस्वी अब झूठ, भ्रम और भ्रामक आरोपों के सहारे येन केन प्रकारेण अपनी समाप्त होती राजनीतिक प्रासंगिकता को बचाने की हताश कोशिश कर रहे हैं। कुशवाहा ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद तेजी से राजनीतिक रसातल की ओर बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में यह पार्टी इतिहास के पन्नों तक सिमटने की कगार पर है। तंज कसते हुए उन्होंने जोड़ा कि नेता प्रतिपक्ष की उनकी कुर्सी भी अब भगवान भरोसे ही टिकी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता के लिए लंबे समय से लालायित तेजस्वी यादव विधानसभा चुनाव के छह महीने बाद भी हार की पीड़ा से उबर नहीं पाए हैं। बिहार की जनता ने उन्हें ऐसा सबक सिखाया है कि वे अब करारी पराजय के गहरे सदमे में रोज बे-सिर-पैर की बयानबाजी कर अपनी हताशा और बौखलाहट को उजागर कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दो मंत्री बनाये जा ने से भागलपुर का होगा तेजी से विकास : सैयद हसन

भागलपुर। खानकाह पीर दमड़िया शाह के सज्जादानशीन सैयद शाह फ़ख़रे आलम हसन ने शनिवार को एक प्रेस बयान जारी कर बिहार सरकार के मंत्रिमंडल में भागलपुर से बुलो मंडल एवं ई. शैलेन्द्र को शामिल किए जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में भागलपुर को दो-दो प्रतिनिधित्व मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और खुशी की बात है। इसके लिए उन्होंने बिहार सरकार का शुक्रिया अदा करते हुए उम्मीद जाहिर की कि अब भागलपुर की उपेक्षा नहीं होगी, बल्कि विकास को नई गति और नए पंख मिलेंगे। सैयद शाह फ़ख़रे आलम हसन ने विश्वास व्यक्त किया कि ई. शैलेन्द्र और बुलो मंडल मिलकर भागलपुर सहित पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भागलपुर के सांसद भी जनता दल यूनाइटेड से जुड़े हुए हैं और जब सरकार में क्षेत्र के इतने प्रतिनिधि सक्रिय रूप से शामिल हैं, तो निश्चित रूप से भागलपुर तेज़ी से विकास की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि हम खुदा से दुआ करते हैं कि पूरे बिहार में एकता, अखंडता, शांति और सद्भावना कायम रहे तथा सामाजिक न्याय के साथ बिहार निरंतर खुशहाली और तरक्की की राह पर आगे बढ़ता रहे।

टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय: अभाविप

पटना। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) शिक्षक भर्ती परीक्षा 4.0 (टीआरई-4) के अभ्यर्थियों पर पटना में हुए पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया है। अभाविप ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर प्रशासन द्वारा बल प्रयोग किया जाना अत्यंत चिंताजनक है। परिषद के अनुसार, लंबे समय से हजारों अभ्यर्थी शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं और अपनी मांगों के समाधान के लिए सरकार से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं के समाधान के बजाय उन पर लाठीचार्ज किया गया। परिषद ने कहा कि यह कार्रवाई सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाती है। अभाविप का मानना है कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और छात्र को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है तथा छात्रों की समस्याओं का समाधान संवाद और सकारात्मक पहल के माध्यम से होना चाहिए, न कि दमनात्मक कार्रवाई से। अभाविप, दक्षिण बिहार के प्रांत मंत्री सुमित कुमार सिंह ने कहा कि टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर किया गया लाठीचार्ज अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार सरकार लगातार छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रख रहे छात्रों पर बल प्रयोग किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। अभाविप ने सरकार से मांग की कि अभ्यर्थियों की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए और शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट एवं सकारात्मक निर्णय लिया जाए, ताकि लंबे समय से इंतजार कर रहे युवाओं को राहत मिल सके। परिषद ने यह भी कहा कि वह छात्रों और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए आगे भी संघर्ष करती रहेगी।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का असर : हरिद्वार के होटल-ढाबे सूने, 40 फीसदी पर्यटन कारोबार प्रभावित

हरिद्वार। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने जहां सफर को तेज और आसान बना दिया है, वहीं इसका सीधा असर अब हरिद्वार के पर्यटन और स्थानीय कारोबार पर दिखाई देने लगा है। चारधाम यात्रा के शुरुआती दौर में ही रिकॉर्ड श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंच रहे हैं, लेकिन धर्मनगरी हरिद्वार इस भीड़ का अपेक्षित लाभ नहीं उठा पा रही है। होटल, ढाबा, ट्रैवल और छोटे व्यापारियों का कहना है कि एक्सप्रेसवे खुलने के बाद बड़ी संख्या में यात्री हरिद्वार में रुके बिना सीधे देहरादून और आगे पहाड़ी क्षेत्रों की ओर निकल जा रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार दिल्ली, नोएडा, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आने वाले श्रद्धालु पहले हरिद्वार होकर गुजरते थे। वे यहां गंगा स्नान, मंदिर दर्शन और रात्रि विश्राम करते थे, जिससे होटल और स्थानीय बाजारों को बड़ा लाभ मिलता था। अब दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई से तीन घंटे में पूरा होने लगा है, इसलिए लोग समय बचाने के लिए एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर सीधे आगे बढ़ रहे हैं। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप शर्मा का कहना है कि इस बार शहर के करीब 40 प्रतिशत होटल खाली पड़े हैं। उनके मुताबिक चारधाम यात्रा के बावजूद बुकिंग उम्मीद से काफी कम है और होटल संचालकों के लिए खर्च निकालना भी मुश्किल हो रहा है। उनका आरोप है कि हरिद्वार को चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव के रूप में पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा। केवल होटल ही नहीं, बल्कि हाईवे किनारे संचालित ढाबों और रेस्टोरेंट्स की रौनक भी फीकी पड़ गई है। ढाबा संचालक कमल खड़का के अनुसार अब कारोबार मुख्य रूप से सिर्फ वीकेंड तक सीमित रह गया है, जबकि बाकी दिनों में ग्राहकों की संख्या काफी कम हो गई है। ट्रैवल कारोबारियों की परेशानी भी बढ़ी है। उनका कहना है कि इस बार एडवांस बुकिंग और पूछताछ में भारी गिरावट आई है। खाड़ी देशों में तनाव, गैस सिलेंडर की कमी और पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने की आशंकाओं ने यात्रियों को असमंजस में डाल दिया है। व्यापारियों ने सरकार से मांग की है कि हरिद्वार के पर्यटन और धार्मिक महत्व को देखते हुए राहत पैकेज दिया जाए। होटल कारोबारियों ने बिजली, पानी और सीवर टैक्स में छूट देने की मांग उठाई है ताकि चारधाम यात्रा सीजन में कारोबार को सहारा मिल सके। कुलदीप शर्मा ने कहा कि हरिद्वार लंबे समय से चारधाम यात्रा का प्रवेश द्वार माना जाता रहा है। श्रद्धालु यहां हरकी पैड़ी पर गंगा स्नान और माया देवी मंदिर में दर्शन के बाद यात्रा शुरू करते हैं। लेकिन बदलते ट्रैवल रूट और तेज कनेक्टिविटी ने अब धर्मनगरी की पारंपरिक पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है।

गंगनहर में महिला का शव मिलने से सनसनी शिनाख्त में जुटी पुलिस

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित कस्सबान मोहल्ले में सीवरेज पंपिंग स्टेशन के पीछे गंगनहर में एक महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जल पुलिस की मदद से शव को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात स्थानीय लोगों ने गंगनहर की झाड़ियों में शव फंसा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर ही शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

सुपौल व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल। व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर आयोजित इस लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत कुमार सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अफजल आलम, जिलाधिकारी सावन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक शरथ आर एस ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर न्यायिक पदाधिकारी राहुल उपाध्याय, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रामचंद्र प्रसाद, प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के दंडाधिकारी सहित न्यायालय के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर सुबह से ही न्यायालय परिसर में लोगों की भारी भीड़ देखी गई। जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोग अपने पुराने एवं लंबित मामलों के निष्पादन के लिए न्यायालय पहुंचे। लोक अदालत में

सुलहनीय आपराधिक मामले, बैंक ऋण विवाद, बिजली बिल विवाद, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, श्रम विवाद, भूमि विवाद तथा ट्रैफिक चालान से संबंधित मामलों की सुनवाई एवं निष्पादन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत सिंह ने कहा कि लोक अदालत न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग है, जहां आपसी समझौते और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को वर्षों तक कोर्ट के चक्कर लगाने से राहत मिलती है और कम समय में न्याय प्राप्त होता है। उन्होंने आम लोगों से लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अफजल आलम ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को सुलभ, सरल और कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में मामलों का निष्पादन आपसी सहमति से किया जाता है, जिससे दोनों पक्षों के बीच सौहार्द बना रहता है। साथ ही लोक अदालत में दिए गए फैसले को अंतिम माना जाता है और इसके खिलाफ किसी प्रकार की अपील का प्रावधान नहीं होता। इस अवसर पर जिलाधिकारी सावन कुमार ने कहा कि लोक अदालत आम नागरिकों के लिए बेहद उपयोगी मंच है। यहां कम से कम खर्च में और बिना अधिक कानूनी जटिलताओं के मामलों का समाधान संभव है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिनके भी मामले लंबित हैं, वे लोक अदालत के माध्यम से उनका निष्पादन कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार एवं न्यायपालिका का उद्देश्य आम लोगों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है और लोक अदालत इस दिशा में एक प्रभावी पहल है। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से ट्रैफिक चालान से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में ट्रैफिक चालान पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर पुराने ट्रैफिक चालान लंबित हैं, वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने मामलों का निष्पादन करा सकते हैं। लोक अदालत में बड़ी संख्या में मामलों का निष्पादन आपसी समझौते के आधार पर किया गया।

आईआईटी पटना परिसर में तेलंगाना के छात्र की मौत

पटना। राजधानी पटना के आईआईटी परिसर अमहरा में शनिवार को एक छात्र की मौत हो गयी। संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक युवक की पहचान हर्षित पटनायक के रूप में हुई है, जो तेलंगाना का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक शनिवार की सुबह आईआईटी परिसर में बॉयज हॉस्टल के बगल के मैदान में लोगों ने एक युवक का शव देखा। इसके बाद स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गई। स्थानीय प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, मौत कैसे हुई है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार की शाम बारिश हुई और तेज हवा चली थी, जिसके कारण परिसर में कई जगहों पर पानी भरा हुआ है और बिजली के तार भी गिरे हुए हैं। संभावना जताई जा रही है कि युवक सुबह अपने हॉस्टल से टहलने या खेलने निकला था और उसी दौरान यह हादसा हुआ। हालांकि, अभी तक आईआईटी प्रशासन के किसी अधिकारी का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, कई नेताओं ने थामा पार्टी का दामन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। इंडियन नेशनल कांग्रेस के किशनगंज जिला कार्यालय में शुक्रवार को शिक्षक अभ्यर्थियों पर हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में शनिवार को प्रेसवार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के निर्देश पर जिलाध्यक्ष शाहबुल अख्तर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने बिहार सरकार एवं पुलिस प्रशासन की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शिक्षक अभ्यर्थियों की मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। नेताओं ने सरकार से संवेदनशील एवं न्यायपूर्ण रवैया अपनाने की अपील की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अरुण साहब, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ महासचिव शमशीर अहमद उर्फ दारा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अजगर अली पीटर, प्रवक्ता जुल्फीकार

अली, टेढ़ागाछ प्रखंड अध्यक्ष नफीस हैदर, ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव शम्भू कुमार यादव, तौसीफ अंजार, अमजद अली, राउफ खान, बुल्लू, तस्लीम, शुभम दास, गौतम कुमार, मौलाना मुबस्सिर, रियाजुल और रहमत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान राजद सहित अन्य दलों को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए जावेद प्रधान, वसीम अकरम खान, तनवीर आलम, इफ्तेखार अली एवं महबूब हैदर का नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

राज्यपाल ने किए भगवान बदरीविशाल के दर्शन, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चमोली। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने शनिवार को बदरीनाथ धाम पहुंचकर भगवान बदरी विशाल के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान राज्यपाल ने मास्टर प्लान और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। धाम पहुंचने पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने राज्यपाल का स्वागत किया। इसके बाद राज्यपाल ने मंदिर के रावल अमरनाथ नंबूदरी से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद तीर्थयात्रियों से संवाद कर यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक भी लिया। राज्यपाल ने मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी से धाम में संचालित मास्टर प्लान कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रिवर फ्रंट और मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए विभिन्न स्टेकहोल्डर्स से मुलाकात कर उनके सुझाव भी सुने। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए तथा आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने चारधाम यात्रा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, मंदिर समिति और संबंधित एजेंसियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों का अनुशासन भी अनुकरणीय है और श्रद्धालुओं को भक्ति भाव के साथ यात्रा व्यवस्थाओं में सहयोग करना चाहिए।

दिल्ली सरकार ने सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को घोषित किया आरक्षित वन, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी मजबूती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेंट्रल रिज क्षेत्र के लगभग 673.32 हेक्टेयर इलाके को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के तहत आरक्षित वन घोषित कर दिया है। यह क्षेत्र वन विभाग के पश्चिमी वन प्रभाग के अधीन आता है और सरदार पटेल मार्ग तथा राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के महत्वपूर्ण हिस्सों से जुड़ा हुआ है। इस संबंध में शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार के इस निर्णय को राजधानी की प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और पर्यावरणीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील रिज क्षेत्रों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने का विषय कई दशकों से लंबित था, लेकिन वर्तमान सरकार ने प्रतिबद्धता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंट्रल रिज क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित किए जाने के साथ तीन दशक से अधिक समय से लंबित एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया अब पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1994 में दिल्ली के सभी पांच रिज क्षेत्रों को भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 4 के तहत अधिसूचित किया गया था, लेकिन लंबे समय तक इन्हें अंतिम कानूनी संरक्षण नहीं मिल पाया। अब धारा 20 के तहत अधिसूचना जारी होने से सेंट्रल रिज क्षेत्र को मजबूत वैधानिक सुरक्षा प्राप्त हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली रिज, प्राचीन अरावली पर्वतमाला का विस्तार है और इसे राजधानी का 'ग्रीन लंग्स' माना जाता है। सेंट्रल रिज क्षेत्र राजधानी के मध्य में स्थित है और यह अपर रिज रोड के दोनों ओर फैला हुआ है। यह क्षेत्र सरदार पटेल मार्ग और राष्ट्रपति भवन एस्टेट के आसपास के इलाकों से जुड़ा है। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह इलाका वायु गुणवत्ता सुधारने, भूजल स्तर को मजबूत बनाए रखने, जैव विविधता के संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन और शहरी प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष 24 अक्टूबर को दक्षिणी रिज क्षेत्र के लगभग 4080.82 हेक्टेयर इलाके को आरक्षित वन घोषित किया गया था। अब सेंट्रल रिज के 673.32 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किए जाने के बाद वर्तमान सरकार अब तक कुल 4754.14 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को आरक्षित वन का दर्जा प्रदान कर चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अन्य रिज क्षेत्रों को भी जल्द ही धारा 20 के तहत आरक्षित वन घोषित किया जाएगा और इसके लिए प्रक्रिया तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार पहले ही यह निर्णय ले चुकी है कि आरक्षित वन घोषित किए गए रिज क्षेत्रों में जहां भी उपयुक्त और खाली भूमि उपलब्ध होगी, वहां बड़े पैमाने पर देसी और पर्यावरण के अनुकूल प्रजातियों के वृक्ष लगाए जाएंगे। इनमें नीम, पीपल, शीशम, जामुन, इमली और आम जैसे पेड़ शामिल होंगे।

चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला शांतिकुंज की बाल संस्कारशाला: शैफाली पण्ड्या

हरिद्वार। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में संस्था की अधिष्ठात्री शैलदीदी के मार्गदर्शन में संचालित बाल संस्कारशाला बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं संस्कार निर्माण की दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यहाँ नौनिहालों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता, अनुशासन, संस्कृति, सेवा एवं सद्भाव जैसे जीवनोपयोगी मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसी कड़ी में बाल संस्कारशाला विभाग द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ संस्कृति एवं संस्कारों से सभी का मन मोह लिया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल प्रमुख श्रीमती शैफाली पंड्या द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर बाल संस्कारशाला के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर शैफाली पण्ड्या ने कहा कि शांतिकुंज की बाल संस्कारशाला केवल बच्चों की प्रतिभा निखारने का केंद्र नहीं, बल्कि श्रेष्ठ चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063